वर्ष : 2 अंक: 164 मूल्य : 4 रू.

RNI No. -DELHIN/2019/78266

newsdesk@motherlandvoice.org
editor@motherlandvoice.org

मदरलैण्ड वॉइस

शुक्रवार , 05 फरवरी 2021

राष्ट्र प्रेमियों का दैनिक समाचार पत्र

दिल्ली से प्रकाशित एवं जयपुर, लुधियाना, चंडीगढ़, पटना, रायपुर, देहरादून, शिमला में प्रसारित

चौरी-चौरा संघर्ष में भी किसानों की अहम भूमिका: मोदी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए गोरखपुर में हो रहे चौरी-चौरा कांड के शताब्दी समारोह की शुरूआत की। इस ऐतिहासिक घटना की याद में उत्तर प्रदेश सरकार यह समारोह मना रही है। इस मौके पर भी ढट मोदी किसानों का जिक्र करना नहीं भूले। उन्होंने कहा कि देश की तरक्की के पीछे किसान ही हैं। उन्होंने चौरी-चौरा संघर्ष में भी अहम भूमिका निभाई थी।

मोदी ने कहा कि पिछले छह साल में हमने किसानों को आत्मनिर्भर बनाने के लिए कई कदम उठाए हैं। यही वजह रही कि कोरोना के दौरान भी एग्रीकल्चर सेक्टर में ग्रोथ देखी गई है। उन्होंने कहा कि मंडियों को किसानों के लिए फायदेमंद बनाने के लिए 1,000 और मंडियों को ए-ठअट से जोड़ा जाएगा।

1. सौ साल पहले सिर्फ थाने में नहीं, दिलों में आग लगी थी

सौ साल पहले चौरी-चौरा में जो हुआ वह सिर्फ आग लगा देने की एक घटना नहीं थी। वह आंदोलन बहुत व्यापक था। पहले जब भी इसकी बात हुई उसे आगजनी की घटना के रूप में ही देखा गया। आगजनी क्यों हुई, यह देखना भी जरूरी है। वह आग थाने में ही नहीं लगी थी, लोगों के दिलों में भी लगी थी।

2. शहीदों को इतिहास में ज्यादा जगह नहीं मिली

चौरी-चौरा में पूरे साल चलने वाले कार्यक्रमों में शहीदों को याद किया जाएगा। देश आजादी की 75वीं वर्षगांठ मना रहा है, ऐसे में यह और प्रासंगिक हो जाता है। चौरी-चौरा के शहीदों को भले इतिहास में प्रमुखता से जगह नहीं दी गई हो, लेकिन इस माटी में मिला उनका खून हमें प्रेरणा देता है।

3. महामना को याद करने का भी दिन

अंग्रेजी हुकूमत तो सैकड़ों स्वतंत्रता सेनानियों को फांसी देने पर तुली थी, लेकिन बाबा राघवदास और महामना मालवीय जी के प्रयासों से सैकड़ों लोगों को फांसी से बचा लिया गया था। ऐसे में यह दिन बाबा राघवदास और महामना मालवीय जी को स्मरण करने का भी है।

4. सामूहिकता की शक्ति भारत को बड़ी ताकत बनाएगी

शताब्दी समारोह के कार्यक्रमों को लोक कला और आत्मनिर्भरता से जोड़ने का प्रयास किया गया है। सामूहिकता की जिस शक्ति ने गुलामी की बेड़ियों को तोड़ा था, वही शक्ति भारत को दुनिया की बड़ी ताकत भी बनाएगी। यही शक्ति आत्मनिर्भर का मूलभूत आधार है। इस देश को 130 करोड़ देशवासियों के लिए आत्मनिर्भर बना रहे हैं।

5. सब कह रहे थे टैक्स बढ़ाना होगा, हमने ऐसा नहीं किया

बजट से पहले लोग कह रहे थे कि कोरोना संकट की वजह से सरकार को जनता पर बोझ डालना ही पड़ेगा। कर बढ़ाना पड़ेगा, लेकिन सरकार ने ऐसा नहीं किया। सरकार ने देश को आगे बढ़ाने के लिए ज्यादा खर्च करने का फैसला लिया है। इन सब चीजों के लिए काम करने वालों की जरूरत भी तो पड़ेगी। इससे देश के युवाओं को रोजगार मिलेगा।

संसद सत्र के बीच में ही बंगाल में बड़ा मोर्चा खोलेगी भाजपा

नई दिल्ली। संसद के बजट सत्र के बीच में ही भाजपा पश्चिम बंगाल की चुनावी रणनीति पर तेजी से अमल करने जा रही है। छह फरवरी से पार्टी की राज्य में परिवर्तन यात्राओं की शुरूआत हो रही है। साथ ही एक हफ्ते में राज्य में भाजपा अध्यक्ष जे पी नड्डा, गृहमंत्री अमित शाह के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी राज्य की दौरे पर रहेंगे। पश्चिम बंगाल में भाजपा फरवरी महीने में पांच स्थानों से परिवर्तन यात्राओं की शुरूआत कर अपने चुनाव अभियान को तेजी देगी। भाजपा अध्यक्ष जे पी नड्डा 6 फरवरी को नवदीप से पहली परिवर्तन यात्रा की शुरूआत करेंगे। इसके बाद 11 फरवरी को गृह मंत्री अमित शाह कूचबिहार से एक और परिवर्तन यात्रा को आगे बढ़ाएंगे। इस बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एक सरकारी कार्यक्रम में सात फरवरी को हल्दिया में रहेंगे। भाजपा की परिवर्तन यात्रा के दौरान तृणमूल कांग्रेस, कांग्रेस और वामपंथी दलों से कई नेता और कार्यकताओं को पार्टी में शामिल कराने की योजना है। दरअसल भाजपा राज्य में अपनी ताकत को बढ़ाने के लिए विरोधी दलों में लगातार सेंध लगा रही है ताकि चुनाव के पहले अपनी जमीन को मजबूत किया जा सके। राज्य में भाजपा ने माहौल को गरमा दिया है और अब वह हर बूथ पर अपने लोगों को खड़ा कर मतदान की रणनीति को अमलीजामा पहनाने में लगी हुई है। संसद के बजट सत्र के पहले चरण के पूरा होने पर भाजपा अपनी संगठनात्मक और भावी चुनावी रणनीति को लेकर भी 14 फरवरी को राष्ट्रीय पदाधिकारियों की बैठक में विचार-विमर्श करेगी। चूंकि पार्टी की अभी नई कार्यकारिणी गठित नहीं हुई है ऐसे में राष्ट्रीय पदाधिकारियों की बैठक काफी महत्वपूर्ण होगी, जिसमें पार्टी के संगठनात्मक और चुनाव प्रभारियों की रिपोर्ट को भी सामने रखा जाएगा। भाजपा का फोकस इस समय पश्चिम बंगाल, असम, तमिलनाडु, केरल और पद्दुचेरी के विधानसभा चुनाव पर है। पद्दुचेरी जहां भाजपा सबसे कमजोर है वहां पर भी उसने कांग्रेस व अन्य दलों में सेंध लगाकर कुछ नेताओं को अपने खेमे में लाया है, ताकि राज्य में नई विधानसभा में वह अपनी उपस्थिति दर्ज करा सके।

संक्षिप्त समाचार

सभापति नायडू ने मोबाइल के इस्तेमाल पर सांसदों को लगाई फटकार

नई दिल्ली। राज्यसभा के सभापति एम वेंकैया नायडू ने मोबाइल से सदन की कार्यवाही रिकॉर्ड करने पर सांसदों को फटकार लगाई। उन्होंने कहा कि सदन में इस तरह की अनुचित हरकतें संसदीय शिष्टाचार के खिलाफ हैं। नायडू ने कहा कि राज्यसभा के अंदर मोबाइल फोन के इस्तेमाल पर प्रतिबंध है। ऐसा देखा गया है कि कुछ सदस्य सदन की कार्यवाही को रिकॉर्ड कर रहे हैं। सांसदों को इस तरह की गतिविधियों से दूर रहना चाहिए, क्योंकि ऐसी क्लिपिंग के सोशल मीडिया पर वायरल होने से विशेषाधिकार और सदन की अवमानना होगी।

किसानों से मिलने गाजीपुर बॉर्डर पहुंचे विपक्षी सांसदों के डेलिगेशन को पुलिस ने रोका

नई दिल्ली। एक तरफ कृषि कानूनों के खिलाफ किसानों का प्रदर्शन जारी है, वहीं दूसरी तरफ संसद की कार्यवाही भी। विपक्षी दलों का एक प्रतिनिधिमंडल किसान नेताओं से मिलने के लिए गाजीपुर बॉर्डर पहुंचा है। हालांकि पुलिस ने उन्हें रोक दिया है। पुलिस द्वारा रोके जाने पर हरसिमरत कौर ने कहा कि यहां 3 किलोमीटर तक बैरिकेडिंग लगी हुई। ऐसे में किसानों की क्या हालत हो रही होगी। हमें भी यहां रोका जा रहा है हमें भी उनसे मिलने नहीं दे रहे। आपको बता दें कि इस डेलिगेशन में एनसीपी सांसद सुप्रिया सुले भी शामिल हैं। उन्होंने कहा कि हम किसानों से मिलने के लिए जा रहे हैं। हम सभी उनका समर्थन करते हैं। एनसीपी सांसद ने यह भी कहा कि हम सरकार से निवेदन करेंगे कि सरकार बातचीत करे और उन्हें न्याय दे। आपको बता दें कि इस डेलिगेशन में डीएमके सांसद कनिमोझी, अकाली दल सांसद हरसिमरत कौर बादल और टीएमसी सांसद सौगत राय भी शामिल हैं। अकाली दल सांसद हरसिमरत कौर ने कहा हम आठ-दस पार्टियां किसानों से मिलने गाजीपुर बॉर्डर जा रही हैं जहां पर किले,13 लेवल की बैरिकेडिंग की गई है, इतना तो हिंदुस्तान के अंदर पाकिस्तान बॉर्डर पर भी नहीं है। हमें संसद में भी इस मुद्दे को उठाने का मौका नहीं दिया जा रहा है जो कि सबसे अहम मुद्दा है।

दुश्मन की सीमा में 700 किलोमीटर तक मार करने वाला ड्रोन बना रहा एचएएल

नई दिल्ली। देश में रक्षा क्षेत्र का प्रमुख सार्वजनिक उपक्रम हिन्दुस्तान एरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) ऐसा ड्रोन तथा हथियार प्रणाली विकसित कर रहा है, जो दुश्मन की सीमा में 700 किलोमीटर तक मार करने में सक्षम होगा। एचएएल के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक आर माधवन तथा निदेशक इंजीनियर अरूप चटर्जी ने कहा कि कैटस हंटर नाम के इस ड्रोन को देश में ही बने लड़ाकू विमान तेजस या किसी भी अन्य विमान से मिसाइल की तरह दागा जा सकेगा। उन्होंने कहा कि इसका सबसे बड़ा फायदा यह है कि इस ड्रोन को लड़ाकू विमान अपनी सीमा में रह कर दाग सकते हैं और ये दुश्मन की सीमा में 700 किलोमीटर तक मार कर सकेगा। इसके अलावा ये साढे तीन सौ किलोमीटर की दूरी तक मार करने के बाद वापस भी आ सकते हैं। माधवन ने कहा कि यह एचएएल का ड्रीम प्रोजेक्ट है और इसे पूरा करने में चार से पांच साल का समय लगने की संभावना है। इसके बाद इस मदरशिप तेजस आदि में फिट करने की व्यवस्था में भी 18 महीने का समय लगेगा।

हर स्थिति ने निपटने के लिए पूरी तरह तैयार: एयर चीफ मार्शल

राफेल विमानों के आने से चीनी खेमे की चिंता बढ़ी

बेंगलुरु। चीन के साथ वास्तविक नियंत्रण रेखा पर चल रहे तनाव के बीच भारत ने सीमा पर सुरक्षाबलों की पर्याप्त तैनाती की है। एयर चीफ मार्शल आरकेएस भदौरिया ने गुरुवार को कहा कि राफेल विमानों के आने से चीनी खेमे की चिंता बढ़ गई है। चीन ही भारतीय क्षेत्र के करीब जे-20 फाइटर जेट्स को तैनात किया था, वैसे ही भारत ने भी फ्रांसीसी मूल के जेट विमानों को तैनात किया है। आइएएफ प्रमुख ने कहा कि वर्तमान में भारत और चीन के बीच बातचीत चल रही है। जितनी फोर्स की जरूरत है हमने तैनाती की है। हमारी तरफ से बातचीत पर बहुत ध्यान दिया जा रहा है। अगर कोई नई स्थिति पैदा होती है तो हम उसके लिए पूरी तरह तैयार हैं।

यह सवाल पूछे जाने पर कि क्या राफेल विमान चीन के लिए चिंता पैदा की है। वयुसेना प्रमुख ने कहा कि निश्चित रूप से यह चीन को परेशान करने वाला है। चीन पूर्वी लद्दाख के करीब के क्षेत्रों में अपना जे-20 लड़ाकू विमान लेकर आया, लेकिन जब हम इस क्षेत्र में राफेल लेकर आए तो वह पीछे चले गए। हम उनके कार्यों और क्षमताओं को अच्छे से जानते हैं।

उन्होंने कहा कि पूंजीगत खर्च में 20,000 करोड़ रुपए की बढ़ोतरी सरकार का बड़ा कदम है। पिछले साल भी 20,000 करोड़ रुपए के अतिरिक्त फंड

उपलब्ध कराए गए थे। इससे तीनों सेनाओं को मदद मिली। मुझे लगता है कि यह हमारी क्षमता निर्माण के लिए पर्याप्त है। नए हथियार प्रणालियों के अधिग्रहण के लिए सुरबलों को पिछले वर्ष की तुलना में 18 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि हुई है। आपातकालीन और अन्य प्रावधानों के तहत हथियार और अन्य पुर्जों को खरीदने पर अतिरिक्त 20,776 करोड़ रुपए खर्च किया गया है। इस धन का उपयोग स्पाइस -2000 बम, स्पाइक एंटी-टैंक गाइडेड मिसाइल, असॉल्ट राइफलें, टैंक और फाइटर जेट्स के लिए गोला बारूद बनाने के लिए किया गया है। 2021-22 के केंद्रीय बजट में रक्षा मंत्रालय को 4,78,195.62 करोड़ रुपए आवंटित किए गए हैं। रक्षा पेंशन के लिए 1.15 लाख करोड़ रुपए भी आवंटित किए गए हैं जो सैन्य और नागरिक दोनों को दिया जाएगा, जिन्होंने रक्षा मंत्रालय के तहत काम किया है।

दुकान के तौर पर खरीदे गए परिसरों की सीलिंग जारी रखने का कोई औचित्य नहीं: सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि यदि जमीन वास्तविक रूप में दुकान के तौर पर बेची गई है तो वाणिज्यिक तौर पर बदली गई आवासीय भूमि को अनधिकृत बताकर सीलिंग जारी रखने का कोई औचित्य नहीं है। चीफ जस्टिस एसए बोबडे की पीठ ने यह टिप्पणी दिल्ली के एक मार्केट वेलफेयर एसोसिएशन की याचिका पर सुनवाई करते हुए की। याचिका में कहा कि कई दुकानों को निगरानी समिति ने इस आधार पर सील कर दिया कि लोगों ने अनधिकृत तौर पर आवासीय को वाणिज्यिक में बदल दिया, जबकि इनके मालिकों ने इनकी खरीद वाणिज्यिक इस्तेमाल के लिए ही की थी। सीजेआई जस्टिस बोबडे, जस्टिस एएस बोपन्ना और जस्टिस वी रामासुब्रमण्यम की पीठ ने कहा कि यदि यह तथ्य है कि परिसरों को दुकान के तौर पर बेचा गया था तो हमें कोई वजह नहीं दिखती है कि इनकी सीलिंग जारी रहनी चाहिए। याचिकाकर्ता ने कहा कि इस आधार पर सीलिंग की कार्रवाई की गई कि हकीकत में आवासीय यूनिटों की खरीद कर उन्हें अनधिकृत तौर पर वाणिज्यिक परिसरों में बदल दिया गया जबकि ऐसा नहीं है। इन परिसरों की खरीद दुकान के तौर पर इस्तेमाल के लिए की गई थी। इस पर पीठ ने कहा कि हम तदनुसार ऐसा निर्देश देना उचित समझते हैं कि सभी ऐसे परिसरों की सूची तैयार की जाए जोकि वास्तविक रूप में दुकान के तौर पर खरीदे गए और अब आवासीय परिसरों को अनधिकृत तौर पर वाणिज्यिक परिसरों में बदलने के आरोप में सील कर दिए गए हैं। पीठ ने कहा कि मामले में न्याय मित्र के तौर पर सहायता कर रहे वकील एडीएन राव इन परिसरों की वास्तविक खरीद संबंधी सभी दस्तावेज की जांच करेंगे।

दक्षिण दिल्ली नगर निगम की ओर से पेश वरिष्ठ वकील संजीव सेन ने पीठ से खरीद के समय परिसरों की वास्तविक स्थिति दिखाने के लिए दस्तावेज मांगने की अनुमति मांगी। इस पर पीठ ने एसडीएमसी को मंजूरी दे दी। यह मामला एसोसिएशन के सदस्यों की आजीविका को प्रभावित करने वाला है, ऐसे में न्याय मित्र अपनी रिपोर्ट चार हफ्ते के अंदर दाखिल करें।

जेलों में बंद हैं 115 किसान, दिल्ली सरकार ने जारी की सूची: सीएम केजरीवाल

नई दिल्ली। गणतंत्र दिवस पर ट्रैक्टर रैली में हुई हिंसा के बाद जेल भेजे गए किसानों की दिल्ली सरकार ने सूची जारी की है। इसमें 115 लोगों के नाम हैं। लिस्ट में किसानों के साथ उनके पिता का नाम, उम्र, पता और गिरफ्तारी की तारीख व जेल के नाम का भी जिक्र है। इसके आधार पर इनकी पहचान की जा सकती है। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल का कहना है कि सूची में नाम न मिलने की सूरत में संबंधित किसानों के परिजन उनसे संपर्क कर सकते हैं। वह खुद उनका पता लगवाने की कोशिश करने के साथ जरूरत पड़ने पर उपराज्यपाल और केंद्र सरकार से भी बात करेंगे। सीएम केजरीवाल ने बताया कि कुछ लोगों ने दिल्ली सरकार से संपर्क कर कहा था कि आंदोलन का हिस्सा रहे उनके परिजन लापता हो गए हैं। कई किसान संगठनों ने उनसे निजी तौर पर भी संपर्क किया। किसान संगठनों के कुछ लोग उनसे मिले भी थे। इसके बाद सरकार ने दिल्ली की अलग-अलग जेलों में किसान आंदोलन से जुड़े लोगों के बारे में पता किया गया। ऐसा संभव है कि जो लोग लापता हैं, उन्हें 26 जनवरी वाली घटनाओं के आरोप में दिल्ली पुलिस ने गिरफ्तार किया हो। वे किसी जेल में हों और इस वजह से अपने घर के लोगों से संपर्क न कर पाए हों।

सीएम केजरीवाल ने बताया कि ट्रैक्टर रैली में जेल भेजे गए किसानों की उन्होंने सूची बनवाई है। दिल्ली सरकार जनसूचना के लिए यह सूची जारी कर रही है। दिल्ली की अलग-अलग जेलों में आंदोलन से जुड़े 115 लोग हैं। जिनके परिवार के सदस्य लापता हैं, वे यह लिस्ट देख सकते हैं।

दिल्ली-वडोदरा एक्सप्रेस वे ने 24 घंटे में बनाया विश्व रिकॉर्ड

नई दिल्ली। दिल्ली-वडोदरा-मुंबई एक्सप्रेस वे का निर्माण कार्य जारी है। इस बीच खबर है कि नेशनल हाईवे अथॉरिटी ऑफ इंडिया (एनएचएआई) ने नया कीर्तिमान रच दिया है। चार लेन के राजमार्ग पर 24 घंटे में 2,580 मीटर लंबी पेवमेंट क्वालिटी कंक्रीट पीक्यूसी सड़क बिछाने का विश्व रिकॉर्ड अपने नाम किया है। चार लेन के इस राजमार्ग पर 2,580 मीटर (करीब 10.32 लेन किलोमीटर) कंक्रीट सड़क बनाने की शुरूआत एक फरवरी 2021 को सुबह 8 बजे की और अगले दिन सुबह 8 बजे इस लक्ष्य को पूरा कर लिया गया। एक्सप्रेसवे पर 18.75 मीटर चौड़ाई के साथ करीब 48,711 वर्ग मीटर एरिया में कंक्रीट की सड़क बिछाने के लिए 24 घंटे का समय लगा। इस दौरान 24 घंटे में कंक्रीट की सर्वाधिक मात्रा 14,613 क्यूबिक मीटर का रिकॉर्ड भी बना। एनएचएआई के इस कारनामे को इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स और गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में मान्यता दी गई है। यह रिकॉर्ड ग्रीनफील्ड दिल्ली-वड़ोदरा-मुंबई 8 लेन एक्सप्रेसवे परियोजना का हिस्सा है। इस रिकॉर्ड को दुनिया की पूर्णतः ऑटोमेटिक अल्ट्रा मॉडर्न कंक्रीट बिछाने की मशीन से बनाया गया है।

पाकिस्तान ने फिर किया परमाणु मिसाइल परीक्षण

परमाणु हमला करने में सक्षम गजनवी मिसाइल का सफल परीक्षण करने का दावा किया

इस्लामाबाद। संयुक्त राष्ट्र में भारत के फाल्स फ्लैग ऑपरेशन को लेकर दुनिया के सामने गिड़गिड़ा रहा पाकिस्तान अब मिसाइल पर मिसाइल परीक्षण कर रहा है। पाकिस्तान से सतह से सतह पर मार करने वाली परमाणु हमला करने में सक्षम गजनवी मिसाइल का सफल परीक्षण करने का दावा किया है। यह मिसाइल 290 किलोमीटर तक 700 किलोग्राम तक के परमाणु वॉरहेड के अलावा पारंपरिक आयुध को लेकर जाने में सक्षम है। जनवरी के आखिर में पाकिस्तान ने शाहीन-3 मिसाइल का टेस्ट किया था। एक स्थानीय समाचार पत्र की रिपोर्ट में कहा

गया है कि पाकिस्तानी सेना की प्रॉपगैंडा विंग इंटर-सर्विस पब्लिक रिलेशंस ने एक बयान जारी कर बताया है कि आर्मी स्ट्रेटेजिक फोर्सेज कमांड की वार्षिक फील्ड ट्रेनिंग एक्सरसाइज के दौरान यहा टेस्ट किया गया है। हालांकि, सेना ने यह नहीं बताया है कि यह परीक्षण कहां आयोजित किया गया। अगस्त 2019 के आखिरी हफ्ते में भी पाकिस्तान ने गजनवी मिसाइल का परीक्षण किया था। गजनवी मिसाइल को हत्फ-3 मिसाइल के नाम से भी जाना जाता है।

पाकिस्तान ने गजनवी मिसाइल को 1987 से बनाना शुरू किया था। इस मिसाइल को पाकिस्तानी सेना में लगभग 20 साल बाद 2007 में शामिल किया गया था। इस मिसाइल की लंबाई 8.5 मीटर के आसपास है। चीन के सहयोग से बनी इस मिसाइल को पाकिस्तान के नेशनल डेवलपमेंट कॉम्पलैक्स ने विकसित किया है।

किसान नवरीत की शहादत व्यर्थ नहीं होने दिया जाएगा: प्रियंका गांधी

रामपुर। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी किसान नवरीत सिंह की अंतिम अरदास में शामिल हुईं। इस दौरान उन्होंने नवरीत के परिजनों से मुलाकात कर कहा कि नवरीत की शहादत व्यर्थ नहीं होने दिया जाएगा। प्रियंका ने कहा कि आंदोलन तब तक जारी रहेगा, जब तक सरकार तीनों काले कानूनों को वापस न ले। प्रियंका ने कहा कि सरकार किसानों पर जुल्म कर रही है। प्रियंका गांधी ने नवरीत सिंह के दादा का नाम लेकर कहा, 'मैं हरदीप सिंह को कहना चाहती हूं कि आपके पोते की शहादत हम व्यर्थ नहीं होने देने वाले है।

प्रियंका गांधी ने कहा, 'नवरीत सिंह 25 साल के थे, मेरा बेटा 20 साल का है। आपके भी नौजवान बेटे हैं, वह उत्साह दिखाने किसानों के साथ खड़े होने के लिए वहां चले गए, उनके साथ ऐसा हादसा हुआ कि वापस नहीं आए।' नवरीत की अंतिम अरदास में पहुंचकर प्रियंका गांधी ने कहा, ये तीन काले कानून हैं सरकार इन्हें वापस नहीं लेना चाहती है। सरकार को वापस लेना चाहिए। किसान पर बहुत बड़ा जुल्म हो रहा है लेकिन इससे भी बड़ा जुल्म तब होता है जब ये शहीदों को आतंकवादी कहते हैं। जब ये किसान के आंदोलन को अपने लिए एक राजनीतिक साजिश की तरह से देखते हैं। ये बहुत बड़ा जुल्म है।'

हिंदुत्व के मुद्दे पर शिवसेना ने फिर भाजपा को आक्रामक होने का दिया मौका

पालघर जनपद में दो साधुओं समेत तीन की हत्या से शुरू यह कहानी अब शरजील तक आ चुकी है

मुंबई। हिंदुत्व के मुद्दे पर शिवसेना ने एक बार फिर भाजपा को आक्रामक होने का मौका दे दिया है, जबकि वह स्वयं इस मुद्दे पर मौन साधे दिख रही है। सत्ता में आने के बाद यह स्थिति पहली बार नहीं पैदा हुई है। लॉकडाउन के दौरान मुंबई के निकट पालघर जनपद में दो साधुओं समेत तीन लोगों की बर्बर हत्या से शुरू हुई यह कहानी अब शरजील उस्मानी तक आ चुकी है। सत्ता में बैठे शिवसेना के नेता चाहे जो दावा करें, लेकिन कल्पना नहीं की जा सकती कि यह बालासाहब ठाकरे वाली ही शिवसेना है। यही कारण है कि भाजपा नेता देवेंद्र फड़नवीस द्वारा मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे को लिखी गई चिट्ठी में बाकायदा शरजील उस्मानी के कहे शब्दों को उद्धृत करना पड़ा है। जिसमें वह हिंदुस्तान के हिंदू समाज के लिए ऐसे-ऐसे शब्दों का इस्तेमाल करता दिखाई दे रहा है, जिसे सुनकर बालासाहब ठाकरे की प्रतिक्रिया क्या होती, इसका अंदाजा खुद शिवसेना के नेता लगा सकते हैं। आश्चर्य यह कि जिस एलगार परिषद में शरजील उस्मानी ने ये बातें कहीं, उसका आयोजन शिवसेना शासित महाराष्ट्र में ही किया गया था, जिसके मुख्यमंत्री आजकल बालासाहब ठाकरे के पुत्र उद्धव ठाकरे हैं।

अयोध्या में विवादित ढांचा ढहाए जाने के बाद 1992-93 की बात भूल भी जाएं तो 11 अगस्त, 2012 को मुंबई के आजाद मैदान में आयोजित एक प्रदर्शन के दौरान कुछ हुड़दंगियों ने जब वहां बने अमर जवान स्मारक को तोड़कर महिला पुलिसकद्गमयों के साथ बदसलूकी की थी तो उसके कुछ दिन बाद ही पूरी मुंबई में बालासाहब ठाकरे की तस्वीर वाले बड़े-बड़े होर्डिंग लगे दिखाई दिए थे, जिन पर लिखा था- एक था टाइगर। यानी एक ही बाघ। ये होर्डिंग हुड़दंगियों के लिए एक संकेत

मात्र थे। उसके बाद पूरी मुंबई शांत हो गई थी। यही नहीं, बालासाहब की गैरमौजूदगी में भी 31 दिसंबर, 2017 को पुणे के वाड़ा के बाहर हुई एलगार परिषद एवं उसके अगले दिन से महाराष्ट्र में शुरू हुए जातीय दंगों के बाद शिवसेना ने तीखी प्रतिक्रिया जाहिर की थी। यह प्रतिक्रिया उसके उस स्वभाव से ही मेल खा रही थी, जिसका आदी आम शिवसैनिक रहा है। उन दिनों शिवसेना राज्य की सत्ता में भाजपा के साथ थी। अब शिवसेना खुद सत्ता में वरिष्ठ साझेदार है। जिनसे बालासाहब ठाकरे आजीवन लड़ते रहे, वही कांग्रेस एवं राकांपा अब उसके साथ सत्ता में कनिष्ठ साझेदार हैं। शायद यही कारण है कि अब बाघ के दांत गिरे हुए दिखाई दे रहे हैं, और शरजील उस्मानी जैसे बाहर से आए हुए वक्ता सार्वजनिक मंच से हिंदू समाज को सड़ा हुआ कहने को स्वतंत्र हैं। आश्चर्य यह कि शरजील के इस बयान पर शिवसेना के कनिष्ठ साझेदार तो कसमसाते दिख रहे हैं, लेकिन शिवसेना अब भी मौन साधे बैठी है। राकांपा के मंत्री छगन भुजबल ने शरजील के बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा है कि विचारों की स्वतंत्रता सबको है, लेकिन किसी धर्म पर आरोप लगाते हुए यह ध्यान रखा जाना चाहिए कि किसी की भावनाएं आहत न हों।

दक्षिण , पश्चिम जिला पुलिस ने डैकेती केस के तीन आरोपी किये गिरफ्तार

» विजय गौड़ विशेष संवाददाता

नई दिल्ली। थाना वसंत कुंज साउथ में टीएसआर चालक के साथ चाकू की नोक पर लूट के बारे में सूचना मिली थी। मौके पर पहुंचने पर, पीड़ित सुरेंद्र दुबे ने बताया कि तीन व्यक्ति महिपालपुर से रूचि विहार, वसंत कुंज, के लिए उसके टीएसआर में सवार हुए। जब वे रूचि विहार के जंगलों के पास पहुँचे, तो उन्होंने चाकू की नोंक पर उसका मोबाइल फोन और 2200 रुपये नकद लूट लिए। तदनुसार, मामला दर्ज किया गया और जांच की गई। अपराध की गंभीरता को ध्यान में रखते हुए,नरेश कुमार यादव, एसीपी वसंत कुंज के निर्देशन में एक टीम गठित की गयी जिसमें इंस्पेक्टर अजय सिंह नेगी, एसएचओ , वसंत कुंज साउथ की देखरेख में सब इंस्पेक्टर संदीप, सब इंस्पेक्टर ऋषिकांत मिश्रा, असिस्टेंट सब इंस्पेक्टर सुनील, हेड कांस्टेबल जय प्रकाश, जतिन, और मुनेश तथा कांस्टेबल छगन लाल को शामिल गया ।

टीम ने आरोपी व्यक्ति के बारे में सुराग पाने के लिए तकनीकी और अहम पहलुओं पर काम किया। इस तरह का काम करने वाले अपराधियों के सक्रिय अपराधों का विवरण भी एकत्र और सत्यापित किया गया। टीम के अथक प्रयासों से सफलता मिली और गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने तीनों आरोपी खेम चंद, मो हद्दीफजान एवं शंकर को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने उनके पास से एक बटन वाला चाकू , मोबाइल फोन एवं 1100 रूपए बरामद किये।

चौरी चौरा शताब्दी समारोह के अंतर्गत शहीदों को श्रद्धांजलि

» नवीन दास

गाजियाबाद। चौरी चौरा शताब्दी समारोह के अंतर्गत वीरवार 4 फरवरी को शहीद स्थल पर उपस्थित होकर मंत्री सुरेश खन्ना, महापौर आशा शर्मा, विधायक सुनील शर्मा, जिलाधिकारी अजय शंकर पांडे, नगर आयुक्त महेंद्र सिंह तवर तथा मुख्य विकास अधिकारी अस्मिता लाल द्वारा शहीदों को श्रद्धांजलि सुमन अर्पित किए ।

भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में चौरी चौरा कांड में शहीदों द्वारा अपने प्राणों की आहुति दी गई मंत्री सुरेश खन्ना द्वारा विस्तार से चौरी चोरा कांड के बारे में बताते हुए शहीदों को याद किया ।उसके उपरांत मंत्री सुरेश खन्ना के कार्यक्रम के क्रम में इंग्राम विद्यालय के परिसर में विद्यार्थियों की परेड के उपरांत राष्ट्रगीत वंदे मातरम एक सुर में गाते हुए भारत माता की जय घोष की गई एवं मा. प्रधानमंत्री एवं मा. मुख्यमंत्री के उदबोदन जिलाधिकारी कार्यालय NIC में सुना।

लाल किला हिंसा और शाहीन बाग प्रदर्शन के बीच मिला कनेक्शन

नई दिल्ली। 26 जनवरी के दिन राजधानी दिल्ली में किसान ट्रैक्टर परेड के दौरान हुई हिंसा को लेकर दिल्ली पुलिस ने जांच तेज कर दी है। इस बीच जैसे-जैसे जांच आगे बढ़ रही हैं, कई अहम और चौंकाने वाले खुलासे भी हो रहे हैं। दिल्ली पुलिस के मुताबिक, लालकिला में 26 जनवरी के दिन उपद्रव करने के आरोप में दिल्ली पुलिस क्राइम ब्रांच की एसआइटी द्वारा गिरफ्तार धर्मेन्द्र सिंह हरमन दिल्ली दंगे के दौरान शाहीनबाग में हुए उपद्रव में भी काफी सक्रिय था। जांच के दौरान यह भी पता चला है कि 26 जनवरी को धर्मेन्द्र सिंह हरमन ने अपनी कार से दिल्ली के लाल किला के अंदर प्रवेश कर जमकर हंगामा किया था। बताया जा रहा है कि इस दौरान उसने किसान उपद्रवियों को लाल किला के भीतर जमकर उपद्रव करने के लिए उकसाया भी था। लोगों को भड़काने के लिए यह अपनी कार की छत पर बैठक नारेबाजी करते हुए लाल किला के अंदर प्रवेश कर गया था, जिसकी तस्वीरें लाल किला के अंदर लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई थी। उसी के आधार पर इसकी पहचान करने के बाद धर्मेन्द्र को देर रात क्राइम ब्रांच की एसआइटी ने इसे गिरफ्तार कर लिया। वहीं जांच के दौरान धर्मेन्द्र सिंह हरमन की कार के नम्बर के आधार पर इसका पता खंगाला गया तो पता चला कि यह दिल्ली के अर्जुन नगर इलाके का रहने वाला है। दिल्ली पुलिस क्राइम ब्रांच की टीम ने जब और विस्तार से तफ़्तीश की तो पता चला कि यह शाहीनबाग में हुए विरोध प्रदर्शन के वक्त भी काफी सक्रिय था।

संक्षिप्त समाचार

कैबिनेट ने दिल्ली के उपराज्यपाल को अधिक अधिकार देने वाले बिल को दी मंजूरी

नई दिल्ली। कैबिनेट ने दिल्ली के उपराज्यपाल को अधिक अधिकार देने वाले बिल को मंजूरी दे दी है। गवर्नमेंट ऑफ एनसीटी दिल्ली ऐक्ट में कुछ संशोधन कर दिल्ली की निर्वाचित सरकार को तय समय में ही एलजी के पास विधायी और प्रशासनिक प्रस्ताव भेजने का प्रावधान भी है। यह बिल इसी सत्र में पारित कराने के लिए सूचीबद्ध किया गया है। इनमें उन विषयों का भी उल्लेख है जो विधानसभा के दायरे से बाहर आते हैं। सरकारी सूत्रों के अनुसार ये संशोधन गवर्नेंस को बेहतर करने और एलजी तथा दिल्ली सरकार के बीच टकराव कम करने के लिए किए जा रहे हैं। अधिकारों के बंटवारे को लेकर सुप्रीम कोर्ट के जनवरी 2019 के फैसले के बाद स्थिति स्पष्ट करने की आवश्यकता हुई है। संशोधन के मुताबिक अब विधायी प्रस्ताव एलजी के पास कम से कम 15 दिन पहले और प्रशासनिक प्रस्ताव सात दिन पहले पहुंचाने होंगे।

दिल्ली में 6 फरवरी से शुरू होगा फ्रंटलाइन वर्कर्स का टीकाकरण

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में फ्रंटलाइन वर्कर्स को 6 फरवरी से कोरोना वायरस लगाए जाएंगे लेकिन उससे पहले उसकी पायलट टेस्टिंग होगी। दिल्ली में करीब 3 लाख 40 हजार फ्रंटलाइन वर्कर्स हैं जिन्हें कोरोना का टीका लगाया जाना है। दिल्ली की मौजूदा 183 वैक्सीनेशन सेंटर पर इन लोगों के टीकाकरण की प्रक्रिया 6 फरवरी से शुरू की जायेगी। पायलट टेस्टिंग में सॉफ्टवेयर अपडेशन चेक किया जायेगा। इसके तहत चिन्हित वैक्सीनेशन साइट पर पहले से तय फ्रंटलाइन वर्कर्स को वैक्सीनेशन के लिये बुलाया जाएगा। एक तरह से पायलट टेस्टिंग ड्राय रन की तरह ही होगा, लेकिन इसमें फ्रंटलाइन वर्कर्स को असल वैक्सीन ही लगाई जायेगी। इस प्रक्रिया में पुलिस और सफाईकर्मियों समेत अग्रिम मोर्चे पर तैनात कर्मियों को कोविड-19 टीके लगाए जाएंगे। अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी। एक अधिकारी ने कहा कि दिल्ली में अग्रिम मोर्चे पर तैनात कर्मियों की संख्या लगभग छह लाख है, जिनमें से 3.5 लाख कर्मियों ने टीका लगवाने के लिये पंजीकरण कराया है। उन्होंने कहा कि शेष कर्मियों का पंजीकरण किया जा रहा है।

दिल्ली के लाजपत नगर में अगले सप्ताह से होगी चालू स्टैक पार्किंग

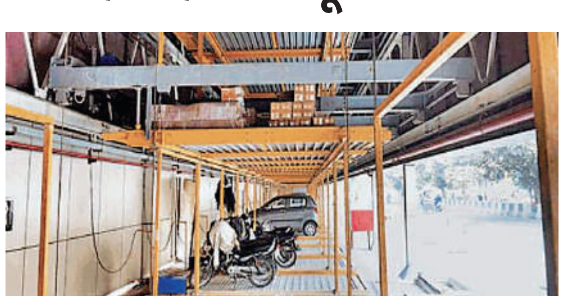

नई दिल्ली। लाजपत नगर में स्टैक पार्किंग बनकर तैयार हो गई है। अगले सप्ताह से इसे लोगों के लिए खोल दिया जाएगा। इससे लाजपत नगर सेंट्रल मार्केट में खरीदारी के लिए आने वाले लोगों को पार्किंग की समस्या से राहत मिल जाएगी। इसके साथ ही यहां के स्थानीय लोगों को भी काफी राहत मिलेगी। हेमू कालाणी स्कूल के सामने बनी इस पार्किंग के शुरू हो जाने से लोगों को मार्केट में प्रवेश से पहले ही अपने वाहन पार्क करने के लिए सुरक्षित जगह मिल जाएगी। इससे ग्राहकों के साथ ही यहां के दुकानदारों को भी काफी सुविधा हो जाएगी। इस मार्केट में राजधानी के अलावा एनसीआर से भी लोग खरीदारी के लिए आते हैं। त्योहार के सीजन में तो मार्केट में पैर रखने की भी जगह नहीं मिलती है। इस पार्किंग में 246 गाड़ियों के खड़ी होने की क्षमता है। मार्केट आने वाले लोगों को वाहन पार्क करने के लिए दो मार्गो पर भटकना पड़ता है, वहीं मार्केट में बीच सड़क पर गाड़ियां पार्क करवा दी जाती हैं, जिससे लोगों को काफी परेशानी होती है। इसके चालू हो जाने से पार्किंग की समस्या का स्थायी समाधान हो जाएगा।

आम आदमी पार्टी लोनी में बना रही अपनी पैठ

» मौसम खान

लोनी। आम आदमी पार्टी लोनी विधानसभा क्षेत्र में अपनी पैठ बना रही है। लोगों के बीच मजबूत पैठ बनाने के लिए जी तोड़ मेहनत भी कर रही है। कभी सदस्यता अभियान, कभी लोगों की समस्याओं को लेकर धरना - प्रदर्शन करना तो कभी जनसंवाद कार्यक्रम का आयोजन कर रही है। लोगों को लगातार पार्टी की नीतियों से अवगत कराया जा रहा है। यह भी कहा जा रहा है कि आम आदमी पार्टी लोगों के हितों को लेकर किस प्रकार संघर्ष करती है। आम आदमी पार्टी गाजियाबाद महिला प्रकोष्ठ की जिला उपाध्यक्ष भावना बिष्ट ने बदपुर गांव वार्ड नं. 14 में जिला पंचायत चुनाव को लेकर जनता के साथ चर्चा की। लोनी विधानसभा क्षेत्र में कार्यकताओं और स्थानीय लोगों के साथ बैठक और जनसंवाद कार्यक्रम भावना बिष्ट लगातार कर रही है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2022 में प्रदेश में विधानसभा चुनाव होना है। हालांकि इससे पहले अभी कुछ समय बाद ही पंचायत चुनाव होगा, जिसकी तैयारी जोरो से की जा रही है। उन्होंने कहा कि पंचायत चुनाव में पार्टी के उम्मीदवारों को जीत की ओर ले जाया जाएगा। जिससे इसमें बड़े पैमाने पर जीत दर्ज कराना है। ह्वआपह्व नेत्री ने कहा कि पार्टी सिर्फ जन समस्याओं को मुद्दा बनाएगी। क्योंकि अभी तक प्रदेश की भाजपा सरकार ने जनता के हित के लिए कुछ नहीं किया है। हर तबका परेशान है। कार्यकताओं से आप नेत्री भावना बिष्ट ने कहा कि हम जनता के बीच जा रहे है, और उनको बता रहे है कि दिल्ली में विकास की प्रगति क्या है। इस मौके पर इनके साथ मुख्य रूप से अरुण गुप्ता, श्रीओम अग्रवाल, कृष्ण कुमार, नरेंद्र चावरिया आदि लोग मौजूद रहे।

एसएससी ग्रुप ऑफ कंपनीज ने श्री राम मंदिर निर्माण हेतु दिये 6,51,755 लाख

» मदरलैंड संवाददाता

बलरामपुर । जनपद में गरीबों जरूरतमंदों के सुख दुःख में साथ देने वाले, कोरोना महामारी के दौरान प्रवासी मजदूरों की सेवा करने वाले व कड़ाके की ठंढक में सैकड़ों जरूरतमंदों को कबंल उपलब्ध कराने वाले एसएससी ग्रुप ऑफ कंपनीज के एमडी धीरेंद्र प्रताप सिंह धीरू के द्वारा श्रीराम जन्मभूमि निधि समर्पण अभियान कार्यक्रम के तहत धनराशि समर्पित की गई ।एसएससी ग्रुप आफ कमंपनीज के एमडी द्वारा व्यक्तिगत रूप से बलरामपुर में सर्वाधिक 5,55,555 तथा पत्नी शशि सिंह द्वारा 11000 भाई रजनीश सिंह द्वारा 11000 भाभी रंजना सिंह द्वारा 11000 माताजी कमलेश कुमारी के द्वारा 11000 एवं बच्चों द्वारा भतीजे समीर सिंह द्वारा 5100, पुत्री चित्रा सिंह द्वारा 5100 रुपए तथा लखनऊ कार्यालय पर 21000,21000 कुल 6,51,755 रुपए श्री राम जन्मभूमि मंदिर निर्माण हेतु समर्पण किया। एसएससी ग्रुप के एमडी द्वारा प्रांत प्रचारक कौशल, विभाग प्रचारक गंगा सिंह जिला प्रचारक अनिल, सदर विधायक पलटू राम के गरिमामय उपस्थिति में समर्पण राशि सौंपी गई ।इस दौरान दर्जा प्राप्त राज्य मंत्री चंद्रराम चौधरी, सदर विधायक पल्टूराम, गैसड़ी विधायक शैलेष सिंह ह्यशैलूह्व, प्रात मार्ग प्रमुख गंगा सिंह, जिला प्रचारक अनिल, जिला कार्यवाह किरीटमणि, विस्तारक सहदेव, भाजपा जिला मंत्री बृजेन्द्र तिवारी, भाजपा मीडिया प्रभारी डी पी सिंह ह्यबैसह्व, झूमा सिंह, संजय शुक्ला, गौरव मिश्रा, गोविंद सिंह, शिवम मिश्रा, अंकित त्रिपाठी, कृष्ण कुमार गिहार, रविंदर गुप्ता आदि लोग उपस्थित रहे ।

विश्व कैंसर दिवस पर एमवीएन विश्वविद्यालय के छात्रों द्वारा जागरूकता कार्यक्रम

» हृदयेश कुमार

फरीदाबाद क एमवीएन विश्वविद्यालय के फामेर्सी विभाग में 4 फरवरी को विश्व कैंसर दिवस मनाया गया क इस अवसर पर फामेर्सी विभाग के प्रथम वर्ष के छात्र एवं छात्राओं ने विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों में जाकर कैंसर के बारे में जागरूकता फैलाई जिसमें उन्होंने कैंसर क्या होता है, इसके कारण इसके उपाय एवं रोकथाम के बारे में बताया क विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ जेवी देसाई एवं कुलसचिव डॉ राजीव रतन ने इसकी सराहना करते हुए कहा कि प्रथम वर्ष के विद्यार्थियों का इस तरह के दिवसों के लिए जागरूकता फैलाना विभाग के उच्च स्तर को दशार्ता है की किस प्रकार से वे अपने विद्यार्थियों को तैयार करते हैं फिर चाहे पढ़ाई ऑफलाइन हो या ऑनलाइन क विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ तरुण विरमानी ने बताया कि इस प्रकार के प्रत्येक दिवस को हमारे विद्यार्थी हमेशा से मनाते आए हैं और मनाते रहेंगे क उन्होंने इस सब का श्रेय विभाग के समस्त शिक्षक एवं गैर शिक्षक गण को दिया क विश्वविद्यालय के प्रबंधक संचालक कांता शर्मा, अध्यक्ष वरुण शर्मा, कुलाधिपति संतोष शर्मा ने इसकी सराहना की एवं विद्यार्थियों को शुभकामनाएं भी दी।

पूर्व चैयरमेन की आपत्तिजनक होर्डिंग्स लगाने का आरोप

» मदरलैंड संवाददाता

लोनी। स्वयं नगर पालिका चेयरमैन को निवेदिका दशार्ते हुए उनके पति पूर्व नपा चेयरमैन के विरुद्ध अभद्र शब्दों के साथ लगाए गए आपत्तिजनक बैनर व पोस्टरों के विरोध में दर्जनों कार्यकताओं संग लोनी बॉर्डर थाने पहुंची नपा चेयरमैन ने मामले में चार लोगों को नामजद कराने के साथ - साथ उक्त षड्यंत्र में शामिल अन्य सभी अज्ञातों पर मुकदमा दर्ज कराते हुए दोषियों के विरूद्ध सख्त से सख्त कार्यवाही कराए जाने के लिए मांग की है। उक्त गंभीर प्रकरण में मुकदमा पंजीकृत कराने के लिए लोनी थाने पहुंची लोनी नगर पालिका परिषद चेयरमैन रंजीता धामा ने जानकारी देते हुए बताया कि सोशल मीडिया पर वायरल हुई पोस्ट को देखी, जिसमें मेरे पति पूर्व नगर पालिका परिषद चैयरमेन के बारे में अनाप - शनाप और आपत्तिजनक बातें लिखी हुई थी, और पोस्टर बैनर को इस तरह डिजाइन किया हुआ था जैसे उसे स्वयं मैंने छपवाया है। जिसे जानकर मैं और मेरा परिवार अत्यंत दुःखी, परेशान व गहरे सदमे में हैं। नगर पालिका परिषद चेयरमैन ने पोस्टर और बैनर छपवाने, लगाने एवं लगवाने का संसाधन उपलब्ध कराने कि मामले में सुशील फौजी निवासी सोनिया विहार लोनी, सन्नी कुमार मित्रा पुत्र सतबीर निवासी लक्ष्मी गार्डन लोनी, अकरम सैफी पुत्र अल्लादिया निवासी अशोक विहार व विशाल को नामजद करने के अलावा गाड़ी संख्या डीएल 1 आरबीटी 1652 का प्रयोग होने के अलावा उक्त षड्यंत्र में किसी भी तरह की मदद करने वाले, अपमानजनक मिथ्या पोस्टर - बैनर छापने वाली प्रिंटिंग प्रेस के मालिक व डिजाइन कृत्ता के खिलाफ कार्रवाई की मांग करने के साथ - साथ यह भी कहा है कि इसके पीछे किसी प्रकार का राजनीतिक या आपराधिक षड्यंत्र पाया जाए तो सभी लोगों के खिलाफ भी सख्त से सख्त कार्रवाई की जाए।

भारत-नेपाल संबंधों का आधार 'धर्म व संस्कृति'

» स्वतंत्र सिंह भुल्लर

नई दिल्ली। भारत-नेपाल संबंधों पर नई दिल्ली के प्रैस क्लब आफ इण्डिया में 'दिल्ली स्ट्डी ग्रुप' द्वारा आयोजित परिचर्चा में भाजपा नेता डा. विजय जौली ने कहा कि भारत-नेपाल संबंधों का आधार 'धर्म व संस्कृति' है। उन्होंने कहा कि नेपाल के मिथिला क्षेत्र में सीता माता जानकी मंदिर व काठमाण्डू स्थित पशुपति नाथ मंदिर की धार्मिक समानताओं तथा दोनों देशों के बीच 'रोटी-बेटी के संबंध' धर्म व सांस्कृतिक एकता दशार्ते हैं। इस अवसर पर नेपाल शहरी विकास राज्य मंत्री राम बीर मानन्धर मुख्य वक्ता रहे।

भाजपा नेता डा. जौली ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के आह्वान पर गत 21 जनवरी 2021 को 10 लाख भारत निर्मित कोविशील्ड व कोवैक्सिन टीके नेपाल को भेंट किये, ताकि कोरोना महामारी से नेपाली भाईयों व बहनों के प्राणों की रक्षा हो सके।

डा. जौली ने इसे नेपाल के प्रति भारतीयों का असीम प्यार व सम्मान बताया। 32 हजार गोरखा सैनिक भारतीय सेना की शान हैं। जबकि 80 लाख से अधिक नेपाली भारत में रहकर जीवनयापन कर रहे हैं।

दिल्ली में कोरोना वायरस के आए 150 नए मामले, छह लोगों की मौत

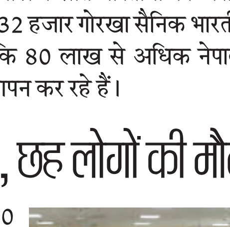

नयी दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी में पिछले 24 घंटे के दौरान कोरोना वायरस के 150 नए मामले सामने आए हैं। इसके बाद दिल्ली में कोरोना संक्रमितों की संख्या 6,35,481 हो गई। स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि बुधवार को महामारी से छह और मरीजों की मौत हो गई, जिसके बाद मृतकों की संख्या बढ़कर 10,864 हो गई। अधिकारी ने बताया कि अब तक 6,23,409 मरीज ठीक हो चुके हैं। बुलेटिन के मुताबिक राजधानी में वर्तमान में 1,208 मरीज उपचाराधीन हैं। बता दें कि देशभर में वैक्सीन आने के बाद कोरोना के मामलों में गिरावट आई है।

लोनी थाना पुलिस ने किए चार जुआरी गिरफ्तार

» मदरलैंड संवाददाता

लोनी। लोनी थाना पुलिस ने चिरोडी बाजार से जुआ खेलते चार जुआरियों को गिरफ्तार किया है। इनके कब्जे से एक ताश की गड्डी व 3090 रुपये नगद बरामद हुए हैं। पुलिस ने आरोपियों को जेल भेज दिया है। लोनी कोतवाली प्रभारी ओम प्रकाश सिंह ने बताया कि चिरौडी चौकी प्रभारी सौरभ शुक्ला पुलिस टीम के चिरौडी बाजार में चैकिंग कर रहे थे। तभी मुखबिर ने रामेश्वर मार्केट के पीछे जुआरियों के जुआ खेलने की सूचना दी। सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने जुआ खेलते चार जुआरियों को गिरफ्तार कर लिया। इनके कब्जे से 3090 रुपये नगद एक ताश की गड्डी बरामद हुई है। गिरफ्तार अभियुक्तों ने अपने नाम बालिस्टर पुत्र छोटे लाल निवासी भगोट, नीतिन पुत्र राजकुमार, दीपक पुत्र मेहरचंद निवासी चिरौडी और राजू उर्फ राजकुमार पुत्र बुल्ली निवासी शकलपुरा बताएं। पुलिस ने गिरफ्तार अभियुक्तों को जेल भेज दिया है।

कोरोना वॉरियर्स को डॉ. कलाम सम्मान से नवाजा

» वरुण आर्य

नई दिल्ली। जो लोग विपरीत परिस्थितियों का सामना करने की क्षमता रखते हैं, वही इतिहास रचते हैं और नए भविष्य का निर्माण करते हैं। पूर्व राष्ट्रपति डॉ. ए पी जे अब्दुल कलाम इसका साक्षात उदाहरण हैं। कोरोना काल में अपनी सेवाएं देने के लिए सभी योद्धाओं को सलाम। मुस्लिम राष्ट्रीय मंच के अध्यक्ष डॉ. इंद्रेश कुमार ने दिल्ली विश्वविद्यालय के श्यामा प्रसाद मुखर्जी कॉलेज में द्वितीय डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम नेशनल डेडिकेशन अवॉर्ड-2021 सम्मान समारोह में कोरोना वारियर्स को सम्मानित करते हुए ये बातें कहीं।

एजुकेशन एंड स्पोर्ट्स कॉउन्सिल ऑफ इंडिया (ईएससीओआई) और इंडियन लेजर एंड रिकरेशनल आर्गेनाईजेशन (इलरो) के संयुक्त तत्वावधान में दिल्ली विश्वविद्यालय के श्यामा प्रसाद मुखर्जी कॉलेज में द्वितीय डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम नेशनल डेडिकेशन अवार्ड 2021 का आयोजन किया गया। पूर्व केंद्रीय मंत्री और कार्यक्रम के पैटर्न अशोक प्रधान कार्यक्रम में वर्चुअल अध्यक्ष रहे। जबकि मुस्लिम राष्ट्रीय मंच के अध्यक्ष डॉ. इंद्रेश कुमार मुख्य अतिथि के तौर पर मौजूद रहे। इन दोनों ने कोरोना काल में विभिन्न क्षेत्रों में अपनी सेवा से उल्लेखनीय योगदान देने वाले 15 कोरोना वारियर्स को इस अवॉर्ड से सम्मानित किया। अवॉर्ड समारोह के तहत चिकित्सा क्षेत्र में डॉ.आनंद कुमार सिंह , नर्सिंग में गिल्डा जोश , पुलिस में संजय कुमार पांडेय, शिक्षाविद में प्रो. सविता रॉय , प्रबंधन में डॉ. संजीव कुमार तिवारी और कला संस्कृति के क्षेत्र में ऋतुराज पांडेय को सम्मानित किया गया । कार्यक्रम का संचालन में श्यामा प्रसाद मुखर्जी कॉलेज की प्राचार्या डॉ. साधना शर्मा ने किया। इस अवसर पर समारोह के आयोजक विपिन शर्मा, पवन त्यागी और मुकेश अग्रवाल ने सभी कोरोना वारियर्स के योगदान की सराहना की और उन्हें धन्यवाद दिया।

भ्रष्टाचार के आरोपी जेई को मिली नियुक्ति नियुक्ति मिलने से ग्रामीणी मे आक्रोश

» शंकरदेव तिवारी

आगरा। खुलेआम भ्रष्टाचार रिश्वत लेने की बात करने वाले आरोपी जेई को विभाग ने द्वारा से उसी स्टेशन पर नियुक्ति दे दी। जिससे लोगों में भारी आक्रोश है। उन्होंने जेई की पुनः नियुक्ति का विरोध किया। उच्चाधिकारियों से उसके विरुध्द कार्यवाही की मांग की।

24 दिसंबर को पिढौरा बिजलीघर पर तैनात जेई संजीव कुमार जैन का एक ऑडियो बाइरल हुआ था।जिसमें जेई अपने साथी जेई को अपने जूनियर के द्वारा बतला रहे थे,कि वो किस काम की कितनी रिश्वत लेते है।बिना रिश्वत के कोई काम नही करते है।जिसके बाद मचे हंगामे से विभाग की खूब किरकिरी हुई थी। जिसमें जेई को हटा दिया गया था,विभागीय जांच की चली।किन्तु अचानक जांच किस दिशा में चली गयी कि जेई को द्वारा उसी स्टेशन पर तैनाती दे दी गयी। जिसका क्षेत्रीय लोगों में भारी आक्रोश दिखा व लोगों ने जेई के दुबारा से आने का जमकर विरोध किया। राटोटी के ग्रामीण रिंकू भदौरिया, विजयकुमार, दिनेश यादव, सतीश, बीरू, दाताराम, रामशंकर, रामबृज, रामरूप, हरीकांत, बदनसिह राकेश आदि ने भारी विरोध करते हुऐ जेई को तुरंत हटाने की मांग की। वही एसडीओ पिनाहट मनोज महाजन ने बताया कि नियुक्त की गयी है । जिसका लोग विरोध कर रहे है मामला उच्चाधिकारियों के संज्ञान मे पहुचा दिया है।

कुश्ती संघ अध्यक्ष राजकुमार चाहर का अधिवक्ताओं ने किया सम्मान

» मदरलैंड संवाददाता

आगरा। गुरुवार को युवा अधिवक्ता संघ के द्वारा आगरा कुश्ती संघ के अध्यक्ष राज कुमार चाहर का स्वाफा बांध कर स्वागत किया। आगरा जनपद में राष्ट्रीय महिला कुश्ती चैंपियनशिप ओलंपिक सिलेक्शन के सफल आयोजन के लिए स्वागत एवं सम्मान किया। इस अवसर पर युवा अधिवक्ता संघ के मण्डल अध्यक्ष नितिन वर्मा एडवोकेट ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्र में महिला कुश्ती चैम्पियनशिप के आयोजन से युवा खिलाड़ियों को प्रोत्साहन तो मिला ही है व कुश्ती जैसे खेल को मुख्य धारा में लाने का काम किया गया है। आगरा में जहाँ दो सांसद नौं विधायक हैं। वहाँ अभी तक स्पोर्ट्स स्टेडियम नहीं बना एवं जो स्टेडियम है वो भी खस्ता हाल है। खेलों को प्रोत्साहन दिया जाना अत्यंत आवयश्क है। क्योंकि स्वस्थ्य शरीर में ही स्वस्थ्य मस्तिष्क निवास करता है। इस अवसर पर अधिवक्ता कृपाल सिंह वर्मा, सुनिलशर्मा, देवेंद्र सिंह, अलेक्स, अनुपम भारद्वाज आदि अधिवक्ता उपस्थित रहे।

झूठी भ्रांतियां ना फैलाएं दक्षिणांचल विद्युत विभाग: राहुल चतुर्वेदी

» मदरलैंड संवाददाता

आगरा। सामाजिक संस्था चिराग यूथ फाउंडेशन के अध्यक्ष राहुल चतुर्वेदी ने दक्षिणांचल विद्युत विभाग के कर्मचारियों द्वारा फैलाई गई ब्याज माफी की झूठी खबर पर नाराजगी व्यक्त करते हुए विद्युत उपभोक्ताओं में भ्रांतियां फैलाने वाले कर्मचारियों पर सख्त कार्रवाई करने की मांग की है।उत्तर प्रदेश दक्षिणांचल विद्युत विभाग के अधिकारियों द्वारा घर घर जाकर बकाया का नोटिस देकर झूठी भ्रांतियां फैलाई गई कि दक्षिणांचल विद्युत विभाग का अवशेष राशि में से अगर दो दिन के अंदर मूल धन जमा कर दें तो ब्याज पूरी तरह माफ करके एनओसी प्रदान कर दी जाएगी। उनका कहना था कि लॉक डाउन के बाद जैसे तैसे लोग अपने व्यापार और नौकरियों पर लौट रहे हैं। इस घोषणा के बाद लोगों ने कहीं न कहीं से उधार लेकर मूल धन जमा करने के लिए केदार नगर टोरेंट ऑफिस गए तो वहां मौजूद दक्षिणांचल विद्युत विभाग के अधिकारियों ने साफ मना कर दिया की आपको पूरी धन राशि जमा करनी होगी वो भी ब्याज समेत।

सामाजिक संस्था चिराग युथ फाउंडेशन के अध्यक्ष राहुल चतुर्वेदी और महामंत्री रोहित वडेरा अन्य सदस्यों और मौजूद उपभोक्ताओं द्वारा के साथ ये मांग की गई ऐसी झूठी भ्रांतियां फैलाने वाले कर्मचारियों पर सख्त से सख्त कार्यवाही की जाए।

संक्षिप्त समाचार

बैंकर्स एवं ब्लॉक लेवल समिति की हुई बैठका

मदरलैंड संवाददाता, आगरा। खेरागढ़ विकास खंड सभागार में बृहस्पतिवार को बैंकर एवं ब्लॉक लेवल समिति की बीएलबीसी बैठक का आयोजन किया गया। जिसमें विकासखंड द्वारा संचालित समूहों के सीसीएल कराए जाने हेतु एवं नए समूह के बचत खाते खोले जाने हेतु बैंकरों के साथ बैठक हुई।जिसमें जिला अग्रणी बैंक प्रबंधक सुरेश राम एवं जिला मिशन प्रबंधक मयंक सिंह ने जल्द से जल्द खाते खुले जाने हेतु आवश्यक जानकारी देते हुए दिशा निर्देश दिए। विकासखंड में संचालित समूहों का मीटिंग एजेंडा ब्लाक मिशन मैनेजर खेरागढ़ धीरेन्द्र सिंह, कौशल नरेश ने प्रस्तुत किया। एडीओ आईएसबी सुरेश चाहर ने समूहो से संबंधित जानकारी देते हुए सभी का आभार व्यक्त किया। इस दौरान लीड बैंक मैनेजर सुरेश राम, जिला मिशन प्रबंधक मयंक सिंह, एडीओ आईएसबी सुरेश चाहर, ब्लाक मिशन मैनेजर धीरेन्द्र सिंह, कौशल, रवि कुमार एवं नव चयनित बीसी सखी एवं समूह सखी मौजूद रही।

एक करोड़ 6 लाख की शराब विनिष्ट करायी गयी

मदरलैंड संवाददाता, मैनपुरी। न्यायालय के आदेशानुसार थाना करहल मैनपुरी के विभिन्न 258 अभियोगों से सम्बंधित करीब 40000 हजार लीटर देशी व अंग्रेजी शराब नाजायज जिसकी कीमत एक करोड़ छः लाख रुपये को विनिष्ट कराया गया । इस मौके पर अपर पुलिस अधीक्षक मधुवन कुमार , उपजिला मजिस्ट्रेट रतन वर्मा , क्षेत्राधिकारी अशोक कुमार प्रभारी निरीक्षक शिव कुमार चौहान ,व0उ0नि0 संजीव कुमार मौजूद रहे ।

फॉरेस्ट विभाग के अधिकारी पकड़ना नहीं चाहते तेंदुआ दिखा रहे हैं जंगल का रास्ता

मदरलैंड संवाददाता, किठौर। थाना क्षेत्र के फतेहपुर नारायण गांव और भडोली के जंगल में मादा तेंदुए के परिवार का आगमन लगभग 15 दिन से लोगों को दहशत में जीने पर मजबूर कर रहा है मामला हाईलाइट होने पर फॉरेस्ट विभाग के कर्मचारियों ने दो पिंजरे भी गांव के नजदीक लाकर रख दिए हैं मगर बताया जाता है तेंदुआ उन पर कूद फांद कर आगे भी निकल गया और फॉरेस्ट विभाग आंख मिचोली का गेम खेल कर बैकफुट पर है। कुछ ग्रामीणों ने जानकारी देते हुए बताया कि लगभग डेढ़ हफ्ते से क्षेत्र के गांव फतेहपुर नारायण के लोग और भड़ोली के किसान मादा तेंदुए के गांव के करीब पहुंचने से दहशत में है मगर फॉरेस्ट विभाग के अधिकारियों ने कोई मजबूत पिलान तेंदुए को पकड़ने के लिए तैयार नहीं किया है जबकि तेंदुआ एक नहीं कई बताए जाते हैं।

चौरी चौरा शताब्दी महोत्सव पर रैली आयोजित

मदरलैंड संवाददाता, रामपुर। अपर जिलाधिकारी प्रशासन जगदम्बा प्रसाद गुप्ता एवं नगर मजिस्ट्रेट रामजी मिश्र ने अम्बेडकर पार्क से चौरी चौरा शताब्दी महोत्सव के अवसर पर आयोजित रैली को हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया। उन्होंने रैली का नेतृत्व करते करते हुए बच्चों का उत्साहवर्धन किया। स्कूली बच्चों एवं एनसीसी से जुड़े छात्र-छात्राओं द्वारा समाधि स्थल पर रैली का समापन किया गया। रैली में राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय, हरि इण्टर कालेज, रामलीला पब्लिक स्कूल, दीक्षित कालेज हाफ हायर एजूकेशन के एनसीसी कैडेट, पॉलीटेक्निक, खुर्शीद कन्या इण्टर कालेज, आईटीआई के एनसीसी कैडेट, राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, जैन इण्टर कालेज, सांई सेकेण्ड्री स्कूल के छात्र-छात्राओं द्वारा रैली के माध्यम से लोगों को राष्ट्र प्रेम और देशभक्ति की भावना का संदेश दिया।

पुलिस मुठभेड़ में तीन बदमाश घायल, लूटा हुआ सामान भी बरामद

» शकील सैफी

मेरठ।,थाना किठौर क्षेत्र के अंतर्गत एसएसपी के आदेश पर थाना किठौर पुलिस किला परीक्षितगढ़ पुलिस व एसओजी टीम ने संयुक्त रूप से बीती आधी रात के बाद किठौर थाना क्षेत्र के खंद्रावली गांव के चौराहे पर बदमाशों से मुठभेड़ हो गई जिसे 3 बदमाशों के पैरों में गोली लगी है पुलिस ने बदमाशों के पास से लूटा गया मोबाइल दो मोटरसाइकिल बरामद की हैं इन्हीं बदमाशों के पास से पुलिस ने चार जिंदा कारतूस चार तमंचे 6 खोके बरामद हुए हैं इन बदमाशों पर जिले के कई थानों में पहले भी मुकदमे कायम है।

इस संबंध में थाना प्रभारी अरविंद मोहन शर्मा ने जानकारी देते हुए बताया कि रात लगभग दो बजे मुखबिर द्वारा सूचना मिली कि कुछ बदमाश खंद्रावली चौराहे पर खड़े हुए है। सूचना पर एसओजी मेरठ प्रभारी वरूण शर्मा, किठौर इंस्पेक्टर अरविंद मोहन शर्मा, परीक्षितगढ़ इंस्पेक्टर एपी मिश्रा ने पुलिस फोर्स के साथ घेराबंदी की। घेराबंदी होता देख बदमाशों ने पुलिस पर फायरिंग करना शुरू कर दिया। जवाबी फायरिंग में तीन बदमाश घायल हो गए। पुलिस ने मौके से तीन घायलों सहित चार बदमाशों को हिरासत में ले लिया।

बदमाशों ने अपने नाम मोंटी पुत्र नरेश, अजय पुत्र सुरेन्द्र, सुमित पुत्र विजयपाल, मोंटू पुत्र महकार बताएं। बताया गया कि बदमाशों के पास से थाना किठौर से लूटा गया एमआई मोबाइल, परीक्षितगढ़ थाने क्षेत्र से लूटी गई सीडी डिलक्स मोटरसाइकिल व एक बिना नंबर स्पलेन्डर मोटरसाइकिल बरामद हुई है।

आंदोलनकारियों के परिजनों को शॉल, प्रतीक चिन्ह देकर किया गया सम्मानित

» मदरलैंड संवाददाता

मैनपुरी। जिलाधिकारी महेंद्र बहादुर सिंह, पुलिस अधीक्षक अविनाश पांडेय ने स्वतंत्रता आंदोलन में प्राण न्योछावर करने वाले स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के परिजनों का कलेक्ट्रेट सभागार में, मुख्य विकास अधिकारी ईशा प्रिया, अपर जिलाधिकारी बी.राम, अपर पुलिस अधीक्षक मधुबन कुमार सिंह ने बेवर शहीद मंदिर पर वीर शहीदों, स्वतंत्रता संग्राम में भागीदारी करने वाले आंदोलनकारियों के परिजनों को शॉल, प्रतीक चिन्ह देकर सम्मानित करते हुए कहा कि आप सबके पूर्वजों के कारण ही आज देश के लोग खुली हवा में सांस ले रहे हैं, देश की सीमाओं पर विषम परिस्थितियों में अपने दायित्वों का निर्वहन करने वाले सैनिकों के कारण हमारा देश सुरक्षित है, देश हमेशा वीर शहीदों के प्रति कृतज्ञ रहेगा। कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी, पुलिस अधीक्षक ने स्व. बिहारी लाल की धर्मपत्नी गंगा देवी कश्यप, पुत्र मुन्नालाल कश्यप, स्व. लाखन सिंह के पुत्र अवधेश सिंह वही कलेक्ट्रेट परिसर में स्थापित शहीद स्मारक पर वंदे मातरम् गान प्रस्तुत करने वाली दीपिका सिंह, शिवांसी राठौर, अर्चना तोमर, दीक्षा पाल, आयुषी यादव, तिनिस्का सक्सैना, शिवांगी राज, यशी दुबे, दीक्षा, आरूषी शाक्य, आराध्या यादव को प्रतीक चिन्ह देकर सम्मानित किया।

करहल तहसील मुख्यालय पर मनाया गया चौरी चौरा शताब्दी महोत्सव

» अजय सक्सेना

मैनपुरी। कस्बा करहल के सरकारी दफ्तरों पर चौरी चौरा शताब्दी महोत्सव का आयोजन किया गया इस अवसर पर वंदे मातरम् गायन के वीडियो अपलोडिंग को गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में दर्ज कराने के लिए बंदे मातरम् के गायन का वीडियो अपलोड किया गया। इसी क्रम में करहल तहसील मुख्यालय पर उपजिलाधिकारी रतन वर्मा ने चौरी चौरा एवं स्वतंत्रता संग्राम के शहीदों को नमन करते हुए सेल्यूट मुद्रा में वंदेमातरम् के प्रथम छंद गायन का वीडियो अपलोड किया ।तहसील मुख्यालय पर तहसीलदार अरुण कुमार समेत तहसील के अन्य कर्मचारियों एवं अधिवक्ताओं ने भी वंदे मातरम के गायन का वीडियो अपलोड किया ।करहल के नगर पंचायत कार्यालय पर भी ईओ प्रभात रंजन यादव समेत अन्य लोगों ने वंदे मातरम के गायन का वीडियो अपलोड किया।

मतदाताओं के लिए फरवरी 2021 तक बढायी गयी ई-इपिक डाउनलोडिंग करने की सीमा

» मदरलैंड संवाददाता

मेरठ। अपर जिलाधिकारी प्रशासन उप जिला निर्वाचन अधिकारी मदन सिंह गब्रयाल ने जन सामान्य को सूचित करते हुये बताया कि भारत निर्वाचन आयोग द्वारा सम्प्रति ई-इपिक कार्यक्रम का शुभारंभ राष्ट्रीय मतदाता दिवस दिनांक 25 जनवरी 2021 को किया गया। कार्यक्रम के अंतर्गत प्रथम चरण दिनांक 25 जनवरी 2021 से 31 जनवरी 2021 तक नए मतदाताओं, जिनके नाम संक्षिप्त पुनरीक्षण 2021 में जोडे गये है एवं जिनका यूनिक मोबाईल नंबर डेटाबेस में उपलब्ध है तथा द्वितीय चरण दिनांक 01 फरवरी 2021 से अन्य समस्त मतदाताओं द्वारा ई-इपिक डाउनलोड किये जाने के संबंध में निर्देषित किया गया है। उन्होने बताया कि आयोग द्वारा प्रथम चरण हेतु लक्षित नएमतदाताओंमेंई-इपिक डाउनलोडिंग के उत्साह एवं अधिक मांग को दृष्टिगत रखते हुये नए मतदाताओं द्वारा ई-इपिक की डाउनलोडिंग हेतु निर्धारित प्रथम चरण जो दिनांक 25 जनवरी 2021 से 31 जनवरी 2021 तक थी, को फरवरी 2021 के अंत तक विस्तारित किया गया है।

सामान्य मतदाताओं द्वारा ई-इपिक डाउनलोडिंग हेतु निर्धारित द्वितीय चरण की तिथि को पुनः पृथक से आयोग द्वारा घोषित किया जा सकता है ।

चौरी चौरा महोत्सव पर शहीदों को नमन करते हुए प्रस्तुत किया गया राष्ट्रीय गीत

» पूजा जैन

रामपुर।प्रदेश सरकार में राज्यमंत्री बलदेव सिंह औलख, जिलाधिकारी आन्जनेय कुमार सिंह, पुलिस अधीक्षक शगुन गौतम, मुख्य विकास अधिकारी गजल भारद्वाज, जिलाध्यक्ष बीजेपी अभय गुप्ता, अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व राम भरत तिवारी द्वारा राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की गई साथ ही शहीद स्मारक स्थल पर स्थापित शहीदों की प्रतिमाओ पर श्रद्धाजंलि अर्पित की। तत्पश्चात गाँधी समाधि पर आयोजित कार्यक्रम में राजकीय खुर्शीद इण्टर कालेज की छात्रा अनुराधा ने चौरी चौरा महोत्सव के अवसर पर शहीदों को नमन करते हुए राष्ट्रीय गीत वन्दे मातरम् प्रस्तुत किया। शहीदों को नमन के साथ ही राज्यमंत्री, जिलाधिकारी, मुख्य विकास अधिकारी सहित उपस्थित अधिकारियों एवं अन्य गणमान्य नागरिकों ने स्कूली बच्चों के साथ वन्दे मातरम का गायन किया। इस दौरान विभिन्न विद्यालयों के छात्राओं ने देशभक्ति के गीत प्रस्तुत किए। राज्यमंत्री ने अपने सम्बोधन में कहा कि देश की आजादी के लिए जिन वीरों ने कुबार्नी दी है ।

मुनि श्री 108 सुरत्न सागर जी महाराज ससंघ का हुआ नगर आगमन

» मदरलैंड संवाददाता

मैनपुरी। कस्बा करहल में मुनि श्री 108 सुरत्न सागर जी महाराज ससंघ का मंगल आगमन हुआ। जनपद इटावा से आते हुए करहल पहुंचे मुनि श्री का जैन समाज के लोगों ने भव्य स्वागत किया। जैन धर्म की जय जयकार के साथ नगर में आगमन हुआ। इस अवसर पर अनिल कुमार जैन मास्टर,विमल कुमार जैन,अवनीश रपरिया,राजेश मुजवार, विशाल रपरिया, विनय मुजवार, अबधेश जैन, आदेश जैन, सुशील जैन, मनीष जैन, पंकज जैन, दिलीप कुमार जैन, रितिक जैन, जतिन जैन आदि लोग मौजूद रहे।

स्कूटी सवार महिला स्वास्थ्यकर्मी की कंटेनर से मौत के मामले में, आरोपी ट्रक चालक गिरफ्तार

» मदरलैंड संवाददाता

मैनपुरी । जनपद मैनपुरी के थाना कुरावली क्षेत्र के एक गांव निवासी स्कूटी सवार महिला स्वास्थ्यकर्मी को कंटेनर के चालक ने तेजी व लापरवाही से चलते हुए टक्कर मार दी थी। जिसमें महिला स्वास्थ्यकर्मी की मौके पर ही दर्दनांक मौत हो गई थी। घटना के बाद आरोपी ट्रक चालक मौके से फरार हो गया। घटना के बाद मृतका के परिजनों ने अज्ञात ट्रक चालक के खिलाफ मुकदमा पंजीकृत कराया। उसी मामले में आज थाना पुलिस ने आरोपी ट्रक चालक को गिरफ्तार कर जेल भेजने की कार्रवाई की। बताते चलें कि पूरा मामला जनपद मैनपुरी के थाना कुरावली क्षेत्र का है।जहां के ग्राम महादेवा निवासी महिला साधना यादव पत्नी विजय कुमार कुरावली के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में एएनएम के पद पर तैनात थी।जो पल्स पोलियो के दौरान नानामऊ प्राथमिक केंद्र से डयूटी कर वापस अपनी स्कूटी संख्या UP84 V 7105 से सीएचसी कुरावली पार आ रही थी।जैसे ही स्कूटी सवार महिला स्वास्थ्यकर्मी जीटी रोड स्थिति पशु चिकित्सालय के पास पहुंची। तभी सामने से आ रहे कंटेनर संख्या वढ16 एळ 3713 के चालक ने तेजी व लापरवाही से चलाते हुए स्कूटी में जोरदार टक्कर मार दी। जिससे महिला स्वास्थ्यकर्मी की मौके पर ही दर्दनांक मौत हो गई।

नाबालिक से गेंगरेप का तीसरा आरोपी गिरफ्तार, भेजा गया जेल

» मदरलैंड संवाददाता

मैनपुरी। जनपद मैनपुरी के एक थाना क्षेत्र के एक गाँव में बीते 15 जनबरी की सुबह छः बजे के करीब शौंच को गयी किशोरी को तीन कार सवार बदमाशों ने अगवा कर लिया था।कार सवार बदमाशों ने अगवा की गयी किशोरी को दिल्ली के इन्द्रापुरम में लेजाकर अलगातार आठ दिन तक गेंगरेप जैसी घटना को अंजाम दिया गया था। इस मामले में दो दिन पहले थाना पुलिस ने एक बालअपचारी समेत दो गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया। उसी मामले में फरार तीसरे आरोपी को थाना पुलिस ने गिरफ्तार कर सलाखों के पीछे दिया। बताते चलें कि पूरा मामला जनपद मैनपुरी के थाना औंछा क्षेत्र का है। जहाँ के एक गाँव निवासी शौंच करने गयी 13 वर्षीय किशोरी तीन कार सवार बदमाशों ने 15 जनवरी की सुबह करीब छः बजे अगवा कर लिया था। जिसके बाद कार सवार बदमाश उस अगवा की गयी किशोरी को दिल्ली के इन्द्रापुरम में ले जाकर उसके साथ लगातार गेंगरेप जैसे घटना को अंजाम दिया गया था।

बाल भारत केसरी बनने पर ललित का ग्रामीणों ने किया जोरदार स्वागत

» मदरलैंड संवाददाता

सादाबाद।बाल भारत केसरी बनने पर अपने घर पहुचे नगला कला के पहलवान ललित का ग्रामीणों ने जोरदार स्वागत किया। समाजसेवी श्यामवीर सिंह ने भी वहां पहुचकर ललित को बधाई दी। ग्रामीणों द्वारा उसे मथुरा रोड से खुली जीप में बैठा कर गाव नगला कला तक लाया गया। गाव में आयोजित समारोह में उसे सम्मानित किया गया।पहलवान हरिकेश सिंह ने बताया कि हरियाणा के सोनीपत में 1 फरवरी से 3 फरवरी को बाल भारत केसरी दंगल का आयोजन किया गया। दंगल में देश के सभी नामी गिरामी पहलवानों ने हिस्सा लिया। उन्होंने बताया कि ललित के दंगल में चार मुकाबले हुए जिनमें अपने प्रतिद्वंद्वी पहलवानों को पछाड़ते हुए ललित ने फाइनल मुकाबले में प्रवेश किया। हरिकेश पहलवान ने बताया कि भारत केसरी की फाइनल कुश्ती का मुकाबला ललित व पटियाला के पहलवान के बीच हुआ। ललित ने 2016-20 के बीच प्रदेश स्तर के लिए पदक जीते थे। वह तीन बार जिला बाल केसरी भी रह चुका है राष्ट्रीय स्तर पर पहली बार किसी बाल पहलवान ने छोटे से गांव से निकल कर क्षेत्र व जिले का नाम राष्ट्रीय स्तर पर रौशन किया है इससे ग्रामीणों में खासा उत्साह है इस दौरान ललित पहलवान,हरिकेश पहलवान,भुरा पहलवान,पन्ना लाल,प्रेम सिंह, गोवर्धन, महेंद्र सिंह श्यामवीर सिंह प्रधान,राजुद्दीन,बोबी, तेजवीर पप्पू चैधरी आदि ग्रामीण मौजूद थे

सूचना

सूचित करना है कि मै मधुसूदन सिंह पुत्र मोहनवीर सिंह निवासी मेथोडिस्ट चर्च, मौहल्ला संतोमालन नजीबाबाद, जिला बिजनौर मेरे छोटे पुत्र अंकित उर्फ रोहित सिंह का चाल-चलन खराब हो गया है। वह शराब पीकर मेरे व परिवार के साथ गाली-गलौच करने के साथ मारपीट करता है। मैने अपने पुत्र अंकित से सब प्रकार के सामाजिक, पारिवारिक, आर्थिक, धार्मिक व कारोबारी संबंध समाप्त कर लिये है। मैने उसे अपनी चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है। उसके किसी भी कृत्य से मेरा कोई मतलब नहीं होगा वह अपने किये के लिए खुद जिम्मेदार होगा।

सूचना

सूचित करना है कि मैं भूरे खान पुत्र स्वर्गीय मोहम्मद जान निवासी ग्राम मिसरीखेल शाहजहांपुर जिला मेरठ का निवासी हूं। मैं और मेरा परिवार अपने सगे भाई पप्पू खान एवं भाभी मुजा-हिरा के गलत चाल चलन के कारण अपना संबंध विच्छेद कर रहा हूं। इनसे मेरा और मेरे परिवार का भविष्य में कोई वास्ता नहीं है। इनके किसी भी अच्छे बुरे कार्य की जिम्मेदारी उनकी खुद की होगी।

newsdesk@motherlandvoice.org
editor@motherlandvoice.org

चोरी चोरा आंदोलन के शताब्दी पर कार्यक्रम का आयोजन

» सरताज अहमद

मुजफ्फरनगर। भारतीय स्वतंत्रता संग्राम की प्रेरणादायी जनक्रांति चोरी चोरा आंदोलन के 100 वे वर्ष में प्रवेश के अवसर पर आयोजित चौरी चोरा शताब्दी महोत्सव का नुमाइश मैदान में हुआ शुभारंभ, विभिन्न प्रकार के सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ शानदार समारोह,देश के शहिदो के परिजनों को जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों ने किया सम्मानित, जिलाधिकारी सेल्वा कुमारी जे , एसएसपी अभिषेक यादव, बीजेपी जिलाध्यक्ष विजय शुक्ला, खतौली विधायक विक्रम सैनी, मुख्य विकास अधिकारी आलोक कुमार यादव, अपरजिलाधिकारी प्रशासन अमित सिंह, अपरजिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व आलोक कुमार, पुलिस अधीक्षक नगर अर्पित विजयवर्गीय, नगरपालिका अध्यक्ष अंजू अग्रवाल, जिला विद्यालय निरीक्षक गजेंद्र सिंह, बेसिक शिक्षा अधिकारी मायाराम, उपजिलाधिकारी सदर दीपक कुमार, उपजिलाधिकारी अजय अम्बष्ट, उड सिटी कुलदीप सिंह सहित काफी प्रशासनिक अधिकारी व गणमान्य लोग रहे मौजूद।

भाजपा युवा मोर्चा द्वारा चोरा चोरी शताब्दी पर शहीदों को नमन

» मदरलैंड संवाददाता

मुजफ्फरनगर। भाजपा युवा मोर्चा के द्वारा चोरा चोरी कांड के शताब्दी दिवस पर उत्तर प्रदेश के प्रत्येक जिले में शहीदों के सम्मान में शहीद स्मारक को और प्रतिमाओं पर माल्यार्पण का कार्यक्रम आयोजित किया गया आज भारतीय जनता पार्टी युवा मोर्चा मुजफ्फरनगर द्वारा भी जिला अध्यक्ष कुशवेंद्र तोमर जी के नेतृत्व में युवा मोर्चा के कार्यकताओं द्वारा शहीद प्रेमपाल प्रतिमा कुकड़ा ब्लॉक पर माल्यार्पण किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि भारतीय जनता पार्टी के जिला अध्यक्ष श्री विजय शुक्ला जी मुख्य रूप से उपस्थित रहे विजय शुक्ला जी ने बताया की युवा मोर्चा द्वारा पूरे उत्तर प्रदेश में कार्यक्रम किए जा रहे हैं उन्होंने बताया कि शहीदों की देश को आजाद कराने में बहुत महत्वपूर्ण भूमिका रही है और पूरा देश उनका सदैव ऋणी रहेगा और देश के सभी स्मारक चिन्ह और प्रतिमा हमें उनकी याद दिलाते रहेंगे वे हमारे दिलों में सदैव अमर रहेंगे कार्यक्रम में युवा मोर्चा के तरुण पाल जिला उपाध्यक्ष युवा मोर्चा भाजपा ने अपने युवा साथियों के साथ भारी संख्या में कार्यकर्म में भाग लिया कार्यक्रम में लोकेश अनिल पाल मोनू पाल अमित धीमान सुशील गोयल हर्मन ,सचिन, विकास, नीतीश , दीपक, सागर, अजय, संदीप,संजय पाल, अमित गौतम, आदि मुख्य रूप से उपस्थित रहे ।

हाथरस गेट के जगदीशचन्द्र बने प्रभारी

» सोनू चैधरी

हाथरस। थाना हाथरस गेट के प्रभारी चतर सिंह राजौरा को आगरा के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक द्वारा जांच में दोषी पाए जाने पर उनके खिलाफ अलीगढ़ मंडल के डीआईजी द्वारा कार्यवाही करते हुए पुलिस कप्तान विनीत जायसवाल द्वारा उन्हें थाना हाथरस गेट प्रभारी के पद से हटा दिया गया है और उनके स्थान पर तेजतर्रार जगदीश चंद्र को थाना हाथरस गेट का नया प्रभारी नियुक्त किया गया है।

उक्त संबंध में पुलिस कप्तान कार्यालय द्वारा जानकारी देते हुए बताया गया है कि प्रभारी निरीक्षक हाथरस गेट चतर सिंह राजौरा के विरुद्ध वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक आगरा द्वारा जाँच में दोषी पाये जाने के फलस्वरुप दण्ड के रुप में परिनिन्दा प्रविष्टि प्रदान की गयी है।

जिसके क्रम में पुलिस महानिरीक्षक, अलीगढ परिक्षेत्र अलीगढ द्वारा उनका प्रभारी निरीक्षक पद हेतु अनुमोदन निरस्त कर दिया गया है। जिसके अनुपालन मे पुलिस अधीक्षक द्वारा उनका स्थानांतरण प्रभारी डीसीआरबी/प्रभारी ए.एच. टी.यू./ मानवाधिकार/जनसूचना सैल में कर दिया गया है तथा निरीक्षक जगदीश चन्द्र को प्रभारी निरीक्षक थाना हाथरस गेट के पद पर नियुक्त किया गया है। उल्लेखनीय है कि थाना हाथरस गेट के नवनियुक्त तेजतर्रार इंस्पेक्टर जगदीशचंद्र पूर्व में कोतवाली सदर के भी प्रभारी रह चुके हैं और उनके द्वारा कई सराहनीय कार्य भी किए गए थे।

संक्षिप्त समाचार

बाल भारत केसरी बनने पर ललित का ग्रामीणों ने किया जोरदार स्वागत

मदरलैंड संवाददाता , सादाबाद। बाल भारत केसरी बनने पर अपने घर पहुचे नगला कला के पहलवान ललित का ग्रामीणों ने जोरदार स्वागत किया। समाजसेवी श्यामवीर सिंह ने भी वहां पहुचकर ललित को बधाई दी। ग्रामीणों द्वारा उसे मथुरा रोड से खुली जीप में बैठा कर गाव नगला कला तक लाया गया। गाव में आयोजित समारोह में उसे सम्मानित किया गया।पहलवान हरिकेश सिंह ने बताया कि हरियाणा के सोनीपत में 1 फरवरी से 3 फरवरी को बाल भारत केसरी दंगल का आयोजन किया गया। दंगल में देश के सभी नामी गिरामी पहलवानों ने हिस्सा लिया। उन्होंने बताया कि ललित के दंगल में चार मुकाबले हुए जिनमें अपने प्रतिद्वंद्वी पहलवानों को पछाड़ते हुए ललित ने फाइनल मुकाबले में प्रवेश किया। हरिकेश पहलवान ने बताया कि भारत केसरी की फाइनल कुश्ती का मुकाबला ललित व पटियाला के पहलवान के बीच हुआ। ललित ने 2016-20 के बीच प्रदेश स्तर के लिए पदक जीते थे। वह तीन बार जिला बाल केसरी भी रह चुका है राष्ट्रीय स्तर पर पहली बार किसी बाल पहलवान ने छोटे से गांव से निकल कर क्षेत्र व जिले का नाम राष्ट्रीय स्तर पर रौशन किया है इससे ग्रामीणों में खासा उत्साह है इस दौरान ललित पहलवान,हरिकेश पहलवान, भुरा पहलवान,पन्ना लाल,प्रेम सिंह, गोवर्धन, महेंद्र सिंह श्यामवीर सिंह प्रधान,राजुद्दीन,बोबी, तेजवीर पप्पू चैधरी आदि ग्रामीण मौजूद थे

ट्रेन से कटकर अज्ञात युवक की मौत

नजीबाबाद (चिंगारी)। बीती रात कल्हेड़ी फाटक से आगे फजलपुर के समीप रेलवे ट्रैक पर ट्रेन से कटकर एक युवक की मौत हो गई। काफी प्रयास के बाद भी मृतक की शिनाख्त नहीं हो पाई है। सूचना मिलने पर एसआई विनोद कुमार ने हलका पुलिसकर्मियों के साथ मौके पर पहुंचकर मृतक के शव को कब्जे में ले लिया। मृतक की आयु करीब 25 वर्ष थी। पुलिस ने मृतक के शव को सीलकर पोस्टमार्टम के लिए बिजनौर भेज दिया। मृतक के कपड़ों से कोई आईडी न मिलने के कारण उसकी शिनाख्त नहीं हो पाई।

रिमझिम बारिश से मौसम फिर हुआ ठंडा

नजीबाबाद (चिंगारी)। पिछले दो दिन से लगातार तेजी से बदलते मौसम के बीच आज सुबह अचानक आसमान में बादल छाने के बाद रिमझिम बारिश होने से गर्म होता मौसम फिर ठंडा हो गया। बारिश से बाजारों में कीचड़ फैल गई। गुरूवार को सुबह से कभी हल्की तो कभी तेज बारिश की फुव्वारे पड़ती रही। बारिश के कारण मौसम का मिजाज बदल गया।

छात्राओं को कोरोना के टीकें लगाये गये

नजीबाबाद (चिंगारी)। कोरोना के खिलाफ जंग लड़ने के लिए केंद्र सरकार की ओर से चलाए जा रहे देशव्यापी अभियान के अंतर्गत विजन कॉलेज की छात्राओं के कोरोना के टीके लगाए गए। समीपुर स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में प्रभारी चिकित्साधिकारी डॉक्टर शील गौतम की देखरेख में एएनएम कमलेश देवी ने विजन कॉलेज की छात्रा इलैक्ट्रोहोम्योपेथी एसोसिएशन के जोनल कोऑर्डिनेटर डॉ. जुनैद अंसारी की पुत्री आलिया जबी के साथ काफी छात्राओं को कोरोना का पहला टीका लगाया गया। प्रभारी चिकित्साधिकारी डॉ. शील गौतम ने बताया कि कोरोना की वैक्सीन बेहद जरूरी है। कोरोना से बचना है तो वैक्सीन लगवानी चाहिए।

अवैध शराब माफियाओं पर तितावी पुलिस का शिकंजा

» मदरलैंड संवाददाता

मुजफ्फरनगर। तितावी पुलिस ने लालूखेड़ी चेकपोस्ट से चेकिंग के दौरान हरियाणा मार्का अवैध शराब सहित दो शराब तस्करो को गिरफ्तार किया।जिनके कब्जे से हरियाणा मार्का अवैध शराब की 20 बोतल व 20 आधे पुलिस ने बरामद किए तितावी थाना प्रभारी राजेन्द्र वशिष्ठ ने तितावी थाने का कार्य संभालने के बाद से ही एक दर्जन से भी ज्यादा शराब तस्करों को सलाखों के पीछे भेज चुके है। शराब तस्कर सरवन पुत्र सुरेश पाल निवासी सिलावर थाना आदर्श मंडी जिला शामली व विनीत पुत्र सतीश निवासी जड़ौदा थाना मंसूरपुर को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया।

आवारा लड़को से कालिज की छात्राए परेशान

» कांति प्रसाद

गढमुक्तेश्वर। सिंभावली इंटर कालिज की छात्राओ का आवारा लडको व शरारती तत्वो ने कालिज आना मुश्किल किया हुआ है। इतना ही नही भले छात्रो को भी शरारती तत्वों से खतरा उत्पन्न हो गया है। पहले भी कई बार छात्रो व शरारती तत्वों के बीच झगडे हो चके है कुछ दिन पूर्व हरौडा मोड बाजार के बीच भी लडको के झगडे में गोलीयां तक चलने की घटना हो चुकी हैं। क्या यह पुलिस की निष्क्रियता है अथवा शरारती युवाओ की दबंगाई है। थाना सिंभावली क्षेत्र में स्थित इंटर व डिग्री कालिजों में हजारो छात्र-छात्राऐं प्रतिदिन पढने आते हैं कोरोना लॉकडाउन के बाद धीरे-धीरे स्कूल कालिज खुलने पर जैसे-जैसे छात्राओ की संख्या बढी है शरारती तत्वो ने भी छात्राओ के साथ छेडछाड व दुर्व्यवहार करना शुरू कर दिया है। जिसको लेकर आये दिन विवाद होने लगे है। बृहस्पतिवार को इंटर कालिज के प्रधानाचार्य ओंकार शर्मा ने शिकायती पत्र देकर व अखिल विद्यार्थी परिषद के कुछ छात्रो ने एकत्र होकर थाने पहुंचकर पुलिस अधिकारीयो से क्षेत्र में घुमने वाले आवारा लडको व शरारती तत्वो से कालिज की छात्राओ को सुरक्षा दिलाने की मांग की है। छात्रो ने बताया कि बुद्ववार को शरारती तत्वों ने एक छात्रा के साथ पहले दुर्व्यवहार किया ओर विरोध करने पर मारपीट भी की है। विदित रहे कालिज खुलने पर सिंभावली के हरौडा मोड व रेलवे रोड मार्ग पर आये दिन छात्राओ के साथ बदतमीजी होती रहती है जिसमें कुछ छात्राऐं तो घटना के विषय में शिकायत करती है लेकिन अधितर शर्म के कारण घटना के विषय में किसी को नही बताती है। दोषीयों के विरूद्व कार्रवाई करने और पुलिस गशत बढाने के निर्देश दिये थे पुलिस ने जनपद मेरठ से बुलाये गये घटना में शामिल चार आरोपीयों को गिरफ्तार करने के बाद दो अन्य क्षेत्र के एक गांव के दो आरोपीयों की गिरफ्तारी करके केश को ठंडे बस्ते में डाल दिया।

दो पक्षो में कहासुनी होने पर जमकर विवाद हुआ

» मदरलैंड संवाददाता

गढमुक्तेश्वर। सिंभावली क्षेत्र में दो पक्षो में किसी बात को लेकर कहासुनी होने पर जमकर विवाद हुआ। मामला पुलिस के पास तो पहुंचा है लेकिन कुछ लोग दोनो पक्षों के बीच समझौते का प्रयास कर रहे हैं। थाना सिंभावली क्षेत्र में हरौडा मोड पर दो पक्षो में किसी बात को लेकर कहासुनी होने पर जमकर विवाद हुआ। जिसके बाद एक पक्ष ने पुलिस से शिकायत की तो दूसरा पक्ष भी अपनी बात रखने पहुंच गया। जिसके बाद क्षेत्र के ही कुछ प्रभावशाली लोग दोनो पक्षों के बीच समझौता कराने का प्रयास कर रहे हैं।

घायल मिले बछड़े का उपचार कराया, बाद में गौशाला भिजवाया

नजीबाबाद (चिंगारी)। नगर के मौहल्ला सेवाराम में सड़क पर घायल पड़े बछड़े का राष्ट्रीय युवा वाहिनी के पदाधिकारियों ने पशु चिकित्सक को बुलाकर उपचार कराया।

उपचार के बाद बछड़े को गौशाला भिजवाया दिया गया। राष्ट्रीय युवा वाहिनी के नगर मंत्री अक्षय वर्मा एवं राहुल टांक को सूचना मिली थी कि उनके आवास के बाहर गली में एक घायल बछड़ा पड़ा हुआ है।

उन्होंने जिलाध्यक्ष पंडित प्रफुल्ल वशिष्ठ के साथ मौके पर पहुंचकर वहां पड़े घायल बछड़े जिसके पिछले पैर मे चोट लगने के कारण फ्रैक्चर हो गया था। इस वजह से अत्यधिक खून बह रहा था। राष्ट्रीय युवा वाहिनी के पदाधिकारियों ने तुरंत पशु चिकित्सक एवं नगर पालिका को सूचित किया।

बछड़े को पानी पिलाया गया तथा उसके पैर में पट्टी बांधी गई।

पशु चिकित्सक ने मौके पर पहुंचकर घायल बछड़े को इंजेक्शन लगाकर उपचार किया। कुछ देर बाद बछडे.को आराम मिलने पर नगर पालिका के वाहन से गौशाला भिजवाया गया।

चौरा चोरी शताब्दी समारोह में गणमान्य लोगों ने भाग लिया

» मदरलैंड संवाददाता

गढमुक्तेश्वर। गढ क्षेत्र में चौरा चोरी शताब्दी समारोह की कड़ी में कई स्थानों पर कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। जिसमें सम्मानित लोगो जन प्रतिनिधियों एवं अधिकारीयों ने भाग लिया। गढ नगर में गढ नगर पालिका तथा शाहपुर रोड स्थित डीएम पब्लिक स्कूल में चौरा चोरी शताब्दी समारोह के कार्यक्रम आयोजित किये गये जिनमें एसडीएम विजय वर्धन तोमर, पालिका चैयरमेन सोना सिंह, स्कूल प्रबंधक राजेन्द्र सिंह, सुभाष सिंह, राजीव सिरोही, विनय त्यागी, ठा. सतवीर सिंह, मुन्नालाल आदि ने भाग लिया। कार्यक्रम की कडी में रैली निकालते हुऐ शहीद पार्क पर पहुंचकर शहीदो को श्रद्धांजलि दी गई।

महताब खां चांद भाईचारा रत्न से सम्मानित

नजीबाबाद (चिंगारी)। मौलाना आजाद मेडिकल कॉलेज सभागार दिल्ली में आयोजित सम्मान समारोह में नजीबाबाद निवासी महताब खां चांद को भाईचारा रत्न से सम्मानित किया गया। संयुक्त राष्ट्र के अन्तर धार्मिक सद्भावना सप्ताह के अंतर्गत दिल्ली में पूर्व केन्द्रीय मंत्री भारत सरकार स्व. आरिफ बेग की जयंती पर हमारा नारा मिशन भाईचारा के तहत अंजुमन अमन दोस्त इंसान, दोस्त राष्ट्र भक्ति फाउंडेशन व ब्लू क्रॉस रोवर्स क्र्यू के संयुक्त तत्वावधान में भाईचारा मुहिम के 43 वर्ष पूरे होने पर सामाजिक सदभाव समरसता वतन दोस्ती एवं रचनात्मक कार्यों के लिए महताब खां चांद को यह सम्मान दिया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि रईस खान पठान दर्जा प्राप्त केन्द्रीय मंत्री भारत सरकार, पूर्व आईएएस एसपी राय नुरुलहसन बेग राष्ट्रीय अध्यक्ष राष्ट्र शक्ति फाउंडेशन, धर्म गुरु स्वामी विश्वानंद, सतनाम सिंह महाराज, बौद्ध धर्म गुरु दाताधाम, पादरी एस जौजफ, मुफ्ती मोहम्मद बदरुल इस्लाम आदि मौजूद रहे।

परिजन छत पर धूप सेंकते रहे, चोर माल समटेते रहे

नजीबाबाद (चिंगारी)। चोरों ने दिन-दहाड़े एक घर में घुसकर वहां से अलमारी में रखे लाखों रूपए के सोना-चांदी के आभूषण व नकदी चोरी कर ली। घटना की सूचना पुलिस को दी गई। बुधवार को दोपहर नगर के मौहल्ला मुगलूशाह निवासी पीर साहब वाली मस्जिद के इमाम मौलाना मौ. खालिद घर से मस्जिद गए हुए थे। परिवार के अन्य सभी लोग मकान की छत पर धूप में बैठे हुए थे। इसी का चोरों ने फायदा उठाते हुए घर में घुसकर वहां अलमारी में रखा सोने का लॉकेट, सोने के बूंदे, चांदी की पायल व करीब एक लाख रूपए की नकदी चोरी कर ली। मौ. खालिद के बेटे फरमान की इसी माह शादी की तैयारियां चल रही थी। चोरों ने पूरे घर की तलाशी लेते हुए सारा सामान खुर्द-बुर्द कर दिया। परिजन जब छत से नीचे उतरकर आये तो घर का हाल देखकर उन्हें चोरी का पता चला। परिजनों ने बताया कि चोर शादी के लिए रखी एक लाख रूपए की नकदी व लाखों रूपए के जेवर चोरी करके ले गये है। घर में दिन-दहाड़े लाखों रूपए की चोरी की घटना से मौहल्ले में हड़कंप मच गया। चोरी की खबर क्षेत्र में फैलने के बाद मौके पर भीड़ जमा हो गई। सूचना मिलने पर जाब्तागंज पुलिस चैकी के इंचार्ज एके मिश्रा ने पुलिसकर्मियों के साथ मौके पर पहुंचकर घटना की जानकारी ली तथा आसपास लगे सीसीटीवी कैमरे देखे। साथ ही चोरों ने रात में नगर के मौहल्ला दरोदग्रान निवासी ग्रिल व्यापारी गुड्डू की घर के समीप खड़ी कार से बैटरा चोरी कर लिया। घटना की सूचना पुलिस को दी गई।

सुमन वर्मा को मिला विश्व भारती हिंदी सम्मान

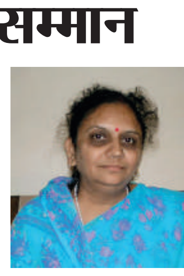

नजीबाबाद (चिंगारी)। स्थानीय रमेश नगर कालोनी निवासी समाजसेविका व लेखिका सुमन वर्मा को हिंदी साहित्य सृजन में उनके अभूतपूर्व योगदान व उत्कृष्ट हिंदी सजृन के लिए विश्व भारती हिंदी सम्मान-2020 प्रदान किया गया है। हिंदी पुस्तक बैंक जबलपुर द्वारा सुमन वर्मा को दिये गये सम्मान पत्र में कहा गया है कि हिंदी के प्रति आपका लगाव एवं आत्म समर्पण हिंदी को विश्व पटल पर एक नई दिशा व एक नई पहचान देंगा। उन्हें हिंदी भाषा को लेकर लगातार आगे बढ़ने के लिए शुभकामनाएं दी गई है। सुमन वर्मा को यह सम्मान मिलने पर नगर की समाजसेवी महिलाओं मंजू वर्मा, कृष्णकांता गोयल, फूलमाला वर्मा, सुशीला गुप्ता आदि ने हर्ष जताते हुए उन्हें बधाई दी है।

विश्व कैंसर दिवस पर निकाली जागरूकता रैली

» जावेद आलम

अमरोहा। विश्व कैंसर दिवस के मौके पर गुरुवार को अजमत सोशल वेलफेयर सोसाइटी की से जागरुकता रैली निकाली गई। जिसमें कैंसर का ज्ञान, बचाएं जान आदि नारे लगाते हुए लोगों को कैंसर के प्रति जागरुक किया गया। मोहल्ला लकड़ा रैली का शुभारंभ प्रबंधक जावेद आलम ने किया। उन्होंने कहा कि कैंसर की बीमारी से बचने के लिए एहतियात बेहद जरुरी है। दीपक कुमार, डॉ.सरताज, डॉ.प्रेम, मौलाना अकरम, नावेद आलम, मंयक चौहान, शमशाद, अर्जित, अजहर, सोनू आदि मौजूद रहे।

सपा की शहर कमेटी घोषित

» मदरलैंड संवाददाता

हाथरस। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के निर्देश पर एवं जिला अध्यक्ष व एमएलसी जसवंत सिंह यादव की अनुमति से नवनियुक्त शहर अध्यक्ष हेमन्त गौड द्वारा आज सपा शहर कमेटी का गठन करते हुए उसकी घोषणा की गई है और कमेटी में सभी समाज के लोगों को स्थान देकर सम्मान दिया गया है। समाजवादी पार्टी के शहर अध्यक्ष हेमन्त गौड द्वारा आज घोषित की गई शहर कमेटी में डॉ. लक्ष्मण सिंह उर्फ पप्पू महासचिव, मदन मोहन शर्मा उर्फ चिंटू शर्मा, आनंद कुशवाहा, प्रताप पाली नगर उपाध्यक्ष, योगेश समाधिया नगर कोषाध्यक्ष, भूपेन्द्र उपाध्याय नगर प्रवक्ता, निखिल कुमार अग्रवाल, राजेश सविता, राकेश गुप्ता, रामकुमार शर्मा, अशोक दिवाकर, आजाद कुरैशी, टीकम सिंह माहौर नगर सचिव मनोनीत किए गए हैं। जबकि कार्यकारी सदस्यों में नेमपाल प्रजापति, अंकित वर्मा, महेश यादव पूर्व प्रधान, शुभम बाल्मीकि, राजू कुरैशी, विकास सविता, सीताराम सविता, रामशरण तुरैहा, ललतेश ठाकुर, धर्मेंद्र चैधरी व नरेंद्र कुशवाहा को बनाया गया है।

कैंसर के विरूद्ध जनजागरण अभियान चलायेंगे: डॉ.सुधीर

» मदरलैंड संवाददाता

गजरौला। विश्व कैंसर दिवस पर वेंक्टेश्वरा ग्रुप ऑफ इन्स्टीट्यूशन्स एवं वेंक्टेश्वरा मेडिकल कॉलेज के संयुक्त तत्वावधान में कैंसर जैसी भयावह जानलेवा बिमारी के प्रति लोगो को जागरुक करने के उददेश्य से कैंसर जागरुक रैली एवं कैंसर से बचाव, व इसके प्रभावी उपचार पर एक दिवसीय सेमिनार का आयोजन किया गया। जिसमें देश के जाने माने चिकित्सकों ने विभिन्न प्रकार के कैंसर, उनके लक्षण, रोकथाम/बचाव एवं प्रभावी उपचार के बारे में विस्तार से जानकारी दी। गुरुवार को वेंक्टेश्वरा विश्वविद्यालय/संस्थान के डॉ सी.वी रमन केन्द्रीय सभागार में कैंसर से बचाव, रोकथाम एवं प्रभावी उपचार विषय पर आयोजित सेमीनार का शुभारम्भ वेंक्टेश्वरा समूह के चेयरमैन डॉ. सुधीर गिरि, प्रतिकुलाधिपति डॉ. राजीव त्यागी, मुख्य वक्ता व विख्यात चिकित्सक, डॉ. एससी गुप्ता एवं कुलपति डॉ. पीके भारती ने सरस्वती माँ की प्रतिमा के सन्मुख दीप प्रज्जवलित करके किया।

समूह चेयरमैन डॉ. सुधीर गिरि ने कहा कि पूरे देश के साथ-साथ वेंक्टेश्वरा समूह जानलेवा कैंसर के विरूद्ध इसके बचाव व रोकथाम के लिए जनजागरण अभियान चलायेगा। मुख्यवक्ता वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. एससी गुप्ता ने बताया कि विश्व में सैकडों प्रकार के कैंसर में से स्तन कैंसर, सर्वाइकल कैंसर, ब्लड कैंसर, फैफडो का कैंसर, गर्भाशय कैंसर, मुख एवं गले का कैंसर सबसे प्रमुख है। कुलपति डॉ. पीके भारती, वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. अतुल वर्मा, डॉ. ऐना ब्राउन ने भी सेमिनार को सम्बोधित किया। इस अवसर पर कुलसचिव डॉ. पीयूष पाण्डे, डॉ. प्रभात श्रीवास्तव, अलका सिंह, डॉ. जेएन राव, मोहित शर्मा, अरुण गोस्वामी, अंजलि शर्मा, रीना जोशी, रजनी, विश्वास राणा आदि उपस्थित रहे।

चितकारा इंटरनेशनल स्कूल ने की पहल, नई राष्ट्रीय शिक्षा पालिसी से प्रेरित बहुभाषी संचार प्रणाली की शुरूआत

» **विनोद कुमार, चंडीगढ**

अब किसी भाषा की अधिक जानकारी न होना बच्चों के अभिभावकों और स्कूल के आपसी संवाद मे बाधा नहीं बनेगा। चितकारा इंटरनेशनल स्कूल ने चितकारा इनफोबाईट के नाम से स्कूल में उपयोग के लिए बहुभाषीय आडियो सर्कुलर्स को तैयार किया है। स्कूल के कम्युनिकेशन सिस्टम में अब अंग्रेजी के साथ साथ हिंदी व पंजाबी के उपयोग से न सिर्फ सभी अभिभावकों को फायदा होगा बल्कि सूचनाओं का आदान प्रदान भी आसान तरीके से हो सकेगा। इस पहल के जरिए चितकारा स्कूल का उद्देश्य उत्तर भारत के स्कूलों की संवाद की प्रणाली में नयापन लाना है जो कि ज्यादातर केवल अंग्रेजी भाषा के प्रति केंद्रित रहे हैं। चितकारा यूनिवर्सिटी की कंटेंट एंड लैंग्वेज इंटीग्रेटीड लैब (सी.एल.आई.एल.) से प्रेरणा लेते हुए, स्कूल सभी के लिए भाषाई विविधता और समान शिक्षा को बढ़ावा देने पर ध्यान केंद्रित कर रहा है। इससे पहले, चितकारा यूनिवर्सिटी की सी.एल.

आई.एल. लैब ने न केवल छात्रों की विविध भाषा संबंधी जरूरतों को पूरा करने का काम किया है, बल्कि लोगों को बोलने और भाषा की कठिनाइयों को इशारों, चिन्हों या संकेतों के जरिए व्यक्त करके मदद की है। इसके अलावा हाल ही में घोषित राष्ट्रीय शिक्षा नीति में भी बहुभाषीय संवाद को बढावा देने की बात कही गई है। चितकारा इनफोबाइट उस उद्देश्य को भी पूरा करने में मदद करेगा। इस पहल की सफलता के बारे में स्कूल की विजनरी प्रिंसीपल डॉक्टर नियति चितकारा ने कहा, चितकारा इनफोबाईट हमारे हितधारकों की बदलती भाषाई जरूरतों को पूरा करता है और सबके लिए प्रेरणादायी है। बच्चों के माता पिता द्वारा इस नई पहल को लेकर दिखाई गई सकारात्मक व उत्साहवर्धक प्रतिक्रिया से हम अभिभूत हैं और हम आशा करते हैं कि वे इस पहल का ज्यादा से ज्यादा लाभ उठाएंगे। डाक्टर नियति चितकारा के विचारों को समर्थन देते हुए एक अभिभावक का कहना है कि चितकारा स्कूल ने अभिभावकों की वास्तविक चिंता को सबसे आसान व अद्भुत तरीके से दूर कर दिया है।

हाई कोर्ट ने गुरमीत राम रहीम की याचिका की खारिज

चंडीगढ़। रोहतक जिले की सुनारिया जेल में सजा काट रहे डेरा सच्चा सौदा के प्रमुख गुरमीत राम रहीम को हाईकोर्ट को राहत देने से इनकार कर दिया है। हाई कोर्ट ने सीबीआई कोर्ट में रंजीत सिंह की हत्या के मामले की सुनवाई टालने की याचिका को वापस लेने की छूट देते हुए अर्जी खारिज कर दी। दर-असल, हाई कोर्ट बार असोसिएशन द्वारा काम निलंबन रखने के चलते इस मामले में हाई कोर्ट बार का कोई वकील पेश नहीं हुआ, जिस कारण दिल्ली के एक वकील ने राम रहीम की पैरवी करते हुए याचिका वापस

लेने का आग्रह किया। इसके बाद हाई कोर्ट ने याचिका वापस लेने की छूट देते हुए इसे खारिज कर दिया। कोर्ट ने ट्रायल कोर्ट को कहा कि अगर सुविधाजनक हो तो वह पहले अन्य सह-आरोपियों के वकील की दलील सुन सकता है। बता दें कि राम रहीम ने याचिका दायर कर सीबीआई कोर्ट में पूर्व डेरा प्रबंधक रंजीत सिंह की हत्या के मामले की सुनवाई 4 सप्ताह तक टालने का निर्देश देने का आग्रह किया था। इस मामले में पंचकूला की सीबीआइ कोर्ट में फाइनल बहस होनी है। दायर याचिका में गुरमीत राम रहीम द्वारा कहा गया कि उसका वकील गंभीर बीमारी से ग्रस्त है और उसकी कोरोना रिपोर्ट भी पॉजिटिव है इसलिए उसके मामले की सुनवाई 4 सप्ताह तक टाली जाए।

संक्षिप्त समाचार

गुरु गोबिंद सिंह कॉलेज में वर्ल्ड वेटलैंड्स डे मनाया

मदरलैंड संवाददाता, चंडीगढ़। गुरु गोबिंद सिंह कॉलेज फॉर वुमन, सेक्टर 26, चंडीगढ़ की एनवायरनमेंट सोसाइटी, वसुधा ने पर्यावरण विभाग, चंडीगढ़ प्रशासन के प्रायोजन के तहत 2 फरवरी 2021 को थीम वेटलैंड्स एंड वॉटरह्न पर वर्ल्ड वेटलैंड्स डे - 2021 मनाया गया। छात्रों को नेचर-वॉक के लिए सुखना लेक और नगर वन में ले जाया गया। उन्हें मीठे पानी के स्त्रोत के रूप में वेटलैंड्स के महत्व के बारे में जानकारी दी गई और उन्हें बहाल करने के लिए प्रोत्साहित किया गया। आयोजन में छात्रों ने बड़े जोश और उत्साह के साथ भाग लिया। प्रिंसिपल डॉ. जतिंदर कौर ने हमारे पर्यावरण को बचाने की दिशा में एक अच्छी पहल करने के लिए छात्रों की सराहना की।

अब सड़क चाहिए जुमले नहीं: आप

मदरलैंड संवाददाता, चंडीगढ़। आम आदमी पार्टी वार्ड नंबर-4 की टीम ने इंदिरा कलोनी मनीमाजरा की खस्ता हाल में सड़कों से संबधित पत्र नगर निगम कमिशनर की अनुपस्थिति में एडिशनल कमिशनर अनिल गर्ग जी और मेयर रविकांत शर्मा जी को सोंपा। इससे पहले पार्टी हस्ताक्षर अभियान चलाया जिसमें स्थानीय निवासियो ने बढ़ चढ़कर समर्थन दिया। आम आदमी पार्टी एक साल से निरन्तर कलोनी की सड़क को लेकर आवाज उठा रही है मगर नगर निगम की तरफ से किसी तरह का कोई एक्शन नहीं लिया गया। पार्टी जनरल सेक्रेटरी साहिल चावर ने कहा है की हम जनता के बीच भाजपा के कुशासन को लेकर जाते रहेंगे। आप मनीमाजरा टीम के लीडर पंकज शर्मा ने कहा कि पुरे मनीमाजरा में जल्द ही भाजपा का चुनावी घोषना पत्र लेकर लोगों के पास जाकर भाजपा के विकास का रिपोर्ट कार्ड दिखाऐंगे। इस कार्य को सफल बनाने में कलोनी अध्यक्ष राम ठाकुर, उपाध्यक्ष बिजेंद्र डूलगच, पंकज ठाकुर, कृष्ण ठाकुर, सारिका मैम का पुर्ण योगदान दिया।

27 भूतपूर्व सैनिक सिक्योरिटी गार्ड्स को मिला केंद्रीय लेबर कोर्ट, सैक्टर 9 द्वारा स्टे

मदरलैंड संवाददाता, चंडीगढ़। केंद्रीय ई एस.आई अस्पताल में जेम पोर्टल प्रणाली द्वारा हाउस कीपिंग व सिक्योरिटी गार्ड का टेंडर बदलने पर पुराने वर्करों पर निकालने की कोशिश की गई। आल कांटरैकचुअल कर्मचारी संघ यू.टी चंडीगढ़ व भारतीय मजदूर संघ, चंडीगढ़ ने इस शोषण व अत्याचार के विरोध संयुक्त रूप से धरना प्रदर्शन किया। शिकायत पर केंद्रीय लेबर कोर्ट ,सैक्टर -9 की कार्यवाही के बाद असिस्टेंट लेबर कमिश्नर राजेन्द्र सिंह राजपूत ने ई.एस.आई के विभिन्न पदों पर कार्यरत ठेकेदार कंपनियों का नया टेंडर अगली कार्रवाई तक स्थगित कर दिया व अस्पताल प्रशासन व सभी ठेकेदार कंपनियों से अगली पेशी तक जवाब देने का निर्देश दिया।

चंडीगढ़-मनाली हाईवे पर हुए सड़क हादसे में महिला की मौत

कुल्लू। हिमाचल प्रदेश के कुल्लू जिले में एक कार दुर्घटनाग्रस्त हो गई। इस हादसे में कार सवार महिला की मौत हो गई। हादसे की सूचना मिलते ही पलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का मुआयना किया। महिला कुल्लू के परडी की रहने वाली है। बताया जा रहा है कि चंडीगढ़-मनाली राष्ट्रीय राजमार्ग पर कुल्लू से आगे कटराईं के पास एक कार दुर्घटनाग्रस्त हो गई है, जिसमें एक महिला की मौत हो गई है। मृतका की पहचान बबली के रुप में हुई। सड़क दुर्घटना में बबली को चोटें आई थी और इलाज के लिए उसे जिला अस्पताल कुल्लू लाया गया, यहां अस्पताल में डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। अस्पताल प्रशासन ने इसकी जानकारी पुलिस को दी और पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को अपने कब्जे में ले लिया और पोस्टमार्टम की प्रक्रिया आरंभ कर दी है। पोस्टमार्टम करने के बाद शव को परिजनों को सौंपा जाएगा। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है।

मंडी जिले में कोरोना वायरस से 23 और शिक्षक हुए संक्रमित

शिमला। हिमाचल प्रदेश के मंडी में पिछले 24 घंटे के दौरान 23 और शिक्षक कोरोना वायरस से संक्रमित पाए गए हैं। इससे अभिभावकों और शिक्षकों की चिंता बढ़ गई है। अब तक मंडी जिले में कोरोन से 31 नए मामले सामने आए हैं। पांच शिक्षक वरिष्ठ माध्यमिक स्कूल डैहर और चार शिक्षक वरिष्ठ माध्यमिक स्कूल करसोग और अन्य संक्रमित सुंदरनगर और जोगिंद्रनगर के स्कूलों से हैं। जानकारी के अनुसार, स्कूल खुलने के तीन दिन बाद ही बुधवार को राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला डिडवीं की एक मिड-डे मील वर्कर की कोरोना रिपोर्ट पॉजिटिव आई है।

ज्वालामुखी नगर परिषद के अध्यक्ष व उपाध्यक्ष ने ली शपथ

ज्वालामुखी। आज ज्वालामुखी नगर परिषद के अध्यक्ष धर्मेंद्र शर्मा व उपाध्यक्ष शिव कुमार को उपमंडलाधिकारी अंकुश शर्मा ने पद गोपनीयता की विधिवत रूप से शपथ दिलवाई। इस मौके पर पूर्व विधायक संजय रत्न विशेष रूप से मौजूद रहे। गौरतलब है कि ज्वालामुखी में 6 पार्षद कांग्रेस समर्थित और 1 पार्षद बीजेपी समर्थित चुन कर आया है। उसके बाद प्रधान व उपप्रधान के चयन के बाद आज उन्हें एसडीएम ज्वालामुखी अंकुश शर्मा द्वारा शपथ दिलवाई गई। नगर परिषद के मन्दिर मार्ग में नए बने कम्युनिटी सेंटर हाल में शपथ ग्रहण समारोह का आयोजन किया गया।

इस मौके पर कार्यकारी अधिकारी कंचन बाला, पार्षद मीरा कौंडल, धर्मेंद्र शर्मा, विमल शर्मा, मनु शर्मा, बबली शर्मा, रिपाली चौधरी, शिव गोस्वामी उपस्तिथ रहे। इस बारे में उपमंडलाधिकारी ज्वालामुखी अंकुश शर्मा ने बताया कि आज नगर परिषद नवनिर्वाचित प्रधान धर्मेंद्र शर्मा व उपप्रधान शिव गोस्वामी को शपथ दिलवाई गई। नगर परिषद अध्यक्ष धर्मेंद्र शर्मा ने कहा कि सभी पार्षद मिलकर शहर के सौन्दर्यकरण के लिए भरपूर प्रयास करेंगे और नगर परिषद की पिछले कार्यकाल में रुकी हुई सभी परियोजनाओं को सुचारू करने का प्रयास किया जाएगा और जनता ने जो आशीर्वाद दिया है उस कसौटी पर खरा उतरेंगे।

इस अवसर पर अपने संबोधन में पूर्व विधायक संजय रतन ने उम्मीद जताई कि नई नगर परिषद सबको साथ लेकर सबका विकास करेगी।

पीआरसीआई ने एमसीएमडीएवी कॉलेज में यंग काम्युनिकेटर्स कल्ब की शुरूआत की

चंडीगढ़। पब्लिक रिलेशंस कौंसिल ऑफ इंडिया (पीआरसीआई) के चंडीगढ़ चैप्टर ने युवाओं में काम्युनिकैशंस स्किल्स में पैनापन लाने के साथ साथ इंडस्ट्री -ऐकेडमिया पार्टनरशिप को मजबूती देने की दिशा में सेक्टर 36 स्थित एमसीएमडीएवी कॉलेज में यंग काम्युनिकेटर्स कल्ब (वाईसीसी) का गठन किया है। पीआरसीआई चंडीगढ़ चैप्टर के चैयरमेन व पूर्व आईएएस अधिकारी विवेक अत्रे और एमसीएमडीएवी कॉलेज की प्रिंसीपल डॉ निशा भार्गव ने विधिवत रुप से एक समझौते पर हस्ताक्षर कर इस कल्ब का गठन किया। इस अवसर पर कॉलेज मैनेजमेंट के अतिरिक्त पीआरसीआई के नैश्नल सीनियर वाईस प्रेजीडेंट सीजे सिंह,

पीआरसीआई के नार्थ जोन प्रमुख व डीपीआर - पंजाब युनिवर्सिटी रेणुका सलवान और पीआरसीआई चंडीगढ़ चैप्टर के सचिव सुदीप रावत भी शामिल हुये। इस अवसर पर पीआरसीआई के प्रयासों की प्रशंसा करते हुये कॉलेज की प्रिंसीपल डॉ निशा भार्गव ने कहा कि उनकी यह पहल स्टूडेंट्स और फैकल्टी में काम्युनिकैशंस और लीडरशिप क्षमताओं को ओर अधिक प्रभावी बनायेगा जिससे की उनके व्यक्तिगत और व्यवसायिक जीवन में लाभ मिलेगा। विवेक अत्रे ने बताया कि पीआरसीआई का सोलन स्थित शूलिनी युनिवर्सिटी के बाद यह दूसरा वाईसीसी का गठन है जिसके अंतर्गत स्टूडेंट्स के लिये काम्युनिकैशंस से जुड़े लैक्चर, वर्कशाप्स आयोजित किये जायेंगें जोकि उनके कैरियर में प्रभावी साबित होंगें। कॉलेज ने इसी कड़ी में डॉ मनजोत कौर को कल्ब का कौंसलर और डॉ प्रीति गंभीर को कार्डिनेटर नियुक्त किया है जबकि आशीष मौदगिल को कॉलेज की ओर से पीआरसीआई में अपना कार्डिनेटर नियुक्त किया है।

सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय द्वारा उद्योगों का वर्गीकरण

धर्मशाला। महा प्रबन्धक, जिला उद्योग ने जानकारी देते हुए बताया कि सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय ने उद्योगों के वर्गीकरण के लिए कतिपय मानदंड की अधिसूचना जारी करते हुए उद्योगों को सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम में मानदण्डों के आधार पर वगीर्कृत किया है।

उन्होंने बताया कि सूक्ष्म उद्यम में वह उद्योग शामिल है जहां संयंत्र और मशीनरी या उपस्कर में विनिधान एक करोड़ रूपए से अधिक नहीं है और टर्न ओवर 5 करोड़ रुपए से अधिक नहीं है। लघु उद्यम में जहां संयंत्र और मशीनरी या उपस्कर में विनिधान 10 करोड़ रुपए से अधिक नहीं है और टर्न ओवर 50 करोड़ से अधिक नहीं है तथा मध्यम उद्यम जहां संयंत्र और मशीनरी या उपस्कर में विनिधान 50 करोड़ रुपए से अधिक नहीं है और आवर्तन टर्न ओवर 250 करोड़ से अधिक नहीं है, वगीर्कृत किए गए हैं।

उन्होंने बताया कि इस अधिसूचना के अंतर्गत एक जुलाई, 2020 के पश्चात उद्योगों को ह्यउद्यम रजिस्ट्रेशनह्ण के तहत पंजीकृत करना पड़ेगा। इस पंजीकरण के अंतर्गत स्वघोषणा के आधार पर उद्यम रजिस्ट्रीकरण पोर्टल में ऑनलाइन उद्यम रजिस्ट्रेशन के लिए आवेदन किया जा सकता है, जिसमें दस्तावेज, कागजात, प्रमाण-पत्रों को अपलोड करने की कोई आवश्यकता नहीं है। रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया पूरी होने पर ई-प्रमाण-पत्र जारी किया जाएगा। उन्होंने बताया कि ऐसे उद्यम जिनके पास पैन नहीं है, को 31 मार्च, 2021 तक की अवधि के लिए स्वघोषणा के आधार पर माना जाएगा और उसके पश्चात पैन और जी.एस.टी. आई.एन. अनिवार्य है। उन्होंने बताया कि इसके लिए रजिस्ट्रेशन पूर्णतयः निःशुल्क है।

महा प्रबन्धक ने बताया कि ऐसे उद्योग जो स्थायी तौर पर पंजीकृत/ई.एम. भाग-11 यू.ए.एम. के अधीन पंजीकृत हैं, सभी विद्यमान उद्यम को एक जुलाई, 2020 या उसके पश्चात उद्यम रजिस्ट्रेशन पोर्टल पर फिर से रजिस्टर करना होगा तथा इन उद्योगों को नई अधिसूचना के अनुसार फिर से वगीर्कृत किया जाएगा। ऐसे उद्योग जो 30 जून, 2020 से पहले पंजीकृत विद्यमान उद्यम केवल 30 मार्च, 2021 तक की अवधि के लिए विधिमान्य होंगे।

उन्होंने बताया कि अधिक जानकारी के लिए महा प्रबन्धक, जिला उद्योग, धर्मशाला के कार्यालय के दूरभाष नम्बर 01892-223242 पर अथवा किसी भी कार्य दिवस पर कार्यालय में स्वयं आकर सम्पर्क कर सकते हैं।

भारतीय जनता पार्टी को पंचायती राज चुनावों में भारी जनमत प्राप्त हुआ

शिमला। भाजपा जिला अध्यक्ष रवि मेहता ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी को पंचायती राज चुनावों में भारी जनमत प्राप्त हुआ है जिससे कांग्रेस पूरी तरह घबराई हुई है।

उन्होंने कहा कि आज जिस प्रकार से कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष कुलदीप राठौर प्रेस वार्ता को संबोधित कर रहे हैं वह निंदनीय है, उनके प्रेस में वक्तव्य पूरी तरह से दिखाता है कि कांग्रेस के नेता भाजपा के अच्छे प्रदर्शन से बौखलाए हुए हैं।

उन्होंने कहा कि प्रदेश अध्यक्ष द्वारा प्रदेश सरकार पर लगाए हुए सारे आरोप निराधार है, आज वह अफसरों की सूची बनाने की बात कर रहे हैं इससे साफ दिखाई देता है कि कांग्रेस के अध्यक्ष को पता नहीं कि वह क्या बोलना चाहते हैं।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष कुलदीप राठौर को विश्वास नहीं हो रहा है कि जनता कांग्रेस पार्टी में विश्वास खो चुकी है।

जिस प्रकार से कांग्रेस के विधायक और कांग्रेस के कार्यकर्ता भाजपा पर आरोप लगा रहे हैं वह सब निराधार है। उन्होंने कहा कि कल दीप राम द्वारा दिए गए बयान को अगर ध्यान से देखा जाए तो वह साफ दिखता है कि वह एक रटा रटाया बयान है और दीप राम द्वारा यह बयान कांग्रेस नेताओं के दबाव में दिया गया है। दीप राम स्वयं भाजपा की ओर से उपाध्यक्ष पद के दावेदार थे और उन्होंने चुनावी प्रक्रिया में अपनी दावेदारी का नामांकन भी भरा है।

उन्होंने कहा कि आज कांग्रेस हताश और निराश है और कांग्रेस के नेताओं को समझ नहीं आ रहा है कि वह अपना वर्चस्व जनता के बीच किस तरह बना कर रखें।

हिमाचल प्रदेश में फिर मौसम के मिजाज बदले, पहाड़ों में बर्फबारी

शिमला। उत्तर भारत में मौसम ने एक बार फिर अपना मिजाज बदला है। हिमाचल, कश्मीर व उत्तराखंड में बर्फबारी हो रही है। वहीं, मैदानी क्षेत्र पंजाब व हरियाणा में हल्की बारिश हो रही है। बुधवार को हिमाचल के रोहतांग दर्रे सहित लाहौल-स्पीति, किन्नौर, कुल्लू और चम्बा जिलों के ऊंचे क्षेत्रों में ताजा हिमपात हुआ है। लंबे समय बाद कुफरी में भी हल्का हिमपात और शिमला में बारिश के साथ ओलावृष्टि हुई। अटल टनल के दोनों छोर पर आधा फुट से अधिक हिमपात हुआ है। प्रशासन ने एहतियातन अटल टनल सैलानियों के लिए बंद कर दी है। मनाली से टनल की ओर जाने वाले पर्यटकों को सोलंगनाला तक भेजा गया, जबकि दोपहर बाद पर्यटकों को नेहरूकुंड तक ही भेजा गया।

निर्माण में हो रही देरी को को लेकर गुससाये किसानों ने आज देहरा बाजार में जलूस निकालकर विरोध जताया

ज्वालामुखी। हिमाचल प्रदेश मत्स्य विभाग कांग्रेस के चेयरमैन नरदेव कंवर की अगुवाई में रतयाल टंगोह बल्लियां वनचेलियां सडक मार्ग जो कि सिहोरपाईं से बाहना को जाती है के निर्माण में हो रही देरी को को लेकर गुससाये किसानों ने आज देहरा बाजार में जलूस निकालकर विरोध जताया उसके बाद ग्रामीण देहरा के एक्सीयन पीडब्लयूडी से मिले व सडक निर्माण जल्द षुरू करने की मांग की

नरदेव कंवर ने कहा कि पिछले 40 वर्षों से यह सड़क पीडब्ल्यूडी में पड़ी हुई है लेकिन आज तक इसका काम वैसे के पैसा अधूरा पड़ा है बरसात में वहां के लोगों को भारी दिक्कत का सामना करना पड़ता है स्कूल के बच्चों को जाने में बहुत मुश्किल होती है यहां तक कि बीमार कोई व्यक्ति हो या कोई महिला प्रेग्नेंट हो उसको ले जाने के लिए भी यहां के लोग मंजे में उठाकर लेकर जाते हैं नरदेव कमर ने कहा किन की समस्या अगर अति शीघ्र विभाग के द्वारा सॉल्व नहीं हुई तो वह आने वाले दिनों में आंदोलन करने से भी गुरेज नहीं करेंगे अगली रणनीति के तहत डीसी कांगड़ा और उसके बाद हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर के पास भी धरना के लिए यहां की जनता तैयार होगी ।

आज मुख्य रूप से इस आंदोलन में जो शामिल हुए मत्स्य विभाग के प्रदेश के चेयरमैन पुष्पेंद्र ठाकुर मत्स्य विभाग के जिलाध्यक्ष देहरा अमित शर्मा एस ई डी पी ओ निर्मला जी रीमा देवी भावना कुमारी कुलदीप कुमार निर्मला देवी बुंडू राम आदि ने इस आंदोलन में हिस्सा लिया ।

करोना संकटकाल के घोटालेबाजों को बचा रही सरकार-दीपक शर्मा

ज्वालामुखी। प्रदेश भाजपा सरकार भ्ष्टाचर्र खत्म करने के प्रति गम्भीर नहीं है।भृष्टाचारियों को बचा रही है।इससे साफ जाहिर होता है कि करोना संकटकाल में सरकार की मिलीभगत से ही भ्ष्टाचर्र फैलाया गया था।यह आरोप प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता दीपक शर्मा ने आज जारी प्रैस ब्यान में भाजपा सरकार पर लगाए।उन्होंने कहा कि करोना संकटकाल में सरकार द्वारा किए गए भ्ष्टाचर्र के जितने भी मामले कांग्रेस ने उजागर किए उन मामलों को सरकार ने दबा दिया है।सेनेटाइजर घोटाले में विजिलेंस विभाग ने पिछले पांच महीने से सरकार से कथित दोषियों के खिलाफ अभियोजन की स्वीकृति मांगी है लेकिन सरकार ने मामला न केवल लटका रखा है बल्कि दोषियों को पदोन्नति का तोहफा दे कर सम्मानित किया गया है।यह दुर्भाग्यपूर्ण है और भाजपा सरकार के भ्ष्टाचर्र के प्रति दृष्टिकोण को दशार्ता है।कांग्रेस प्रवक्ता ने कहा कि इसी तरह जो अन्य पीपीई किट घोटाला,मास्क घोटाला,स्वास्थ्य निर्देशक रिश्वत आदि मामले करोना काल में सामने आए थे उन सब की लीपापोती की गई है और मामलों को दबा दिया गया है।दीपक शर्मा ने कहा कि कांग्रेस पार्टी ने साफ तौर पर उस समय कहा था कि इन सब भृष्ट मामलों में सरकार की मिलीभगत है जो कि अब सामने आ रही है।कांग्रेस नेता ने कहा कि जब सारी मानवता पर मौत का संकट मंडरा रहा था तो भाजपा सरकार उस समय में भी धन कमाने के अवसर ढूंढ रही थी।इससे बड़ा भ्ष्टाचर्र का उदाहरण कोई और नहीं हो सकता।इससे भाजपा का भृष्ट दोमुंही चेहरा सामने आया है।कांग्रेस नेता ने कहा कि भाजपा सरकार ने करोना संकटकाल में जनता द्वारा दान दिए गए धन का दुरुपयोग किया है और स्वास्थ्य क्षेत्र में बड़े स्तर पर भ्ष्टाचर्र किया गया है।अतः हमारी सरकार से मांग है कि करोना संकटकाल में खर्च किए गए धन बारे सरकार श्वेत पत्र जारी करे ताकि जनता को बस्तुस्थिति पता चल सके।

इंडिया शेल्टर ने ‘हाउसिंग फाइनेंस कंपनी लेंडिंग फॉर अफोर्डेबल हाउसिंग अवॉर्ड’ जीता

शिमला। इंडिया शेल्टर फाइनेंस कॉपोर्रेशन लिमिटेड को हाल ही नई दिल्ली, सचिवालय में इनक्लूसिव फाइनेंस इंडिया अवॉर्ड्स के लिए ‘हाउसिंग फाइनेंस कंपनी लेंडिंग फॉर अफोर्डेबल हाउसिंग अवॉर्ड’ से सम्मानित किया गया है।

इंडिया शेल्टर फाइनेंस कॉपोर्रेशन ने कम आय वाले परिवारों को किफायती ऋण प्रदान करने की दिशा में सफलतापूर्वक काम किया है। ये वर्ग अक्सर किफायती दरों पर आवास ऋण प्राप्त करने की सुविधा से वंचित ही रह जाता है।

हाउसिंग फाइनेंस कंपनी लेंडिंग फॉर अफोर्डेबल हाउसिंग अवॉर्ड, अवॉर्ड का चयन, संगठन की पहुंच, एसेट गुणवत्ता, विकास और सुरक्षित और बेहतर घरों तक पहुंच प्राप्त करने में उनकी मदद करके देश के सुविधाओं से वंचित वर्गों के विकास के प्रति

प्रतिबद्धता पर आधारित था।

कंपनी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्री अनिल मेहता को केन्द्रीय राज्य मंत्री श्री अनुराग ठाकुर, माननीय वित्त और कॉर्पोरेट मामले, भारत सरकार द्वारा सम्मानित किया गया।

श्री मेहता ने कहा कि हम जो करते हैं वह उच्चतम प्रभाव वाली आर्थिक गतिविधियों में से एक है, जहां हमने लगभग 70,000 परिवारों की मदद की है। हम 14 राज्यों में लगभग 1,300 लोगों को रोजगार प्रदान कर रहे हैं और निकट भविष्य में पूरे देश में हमारी उपस्थिति का विस्तार करने के लिए विभिन्न योजनाओं पर काम कर रहे हैं।

इंडिया शेल्टर फाइनेंस कॉपोर्रेशन पहली पीढ़ी के शहरी परिवारों को 2010 से आवास ऋण तक पहुंच बनाने में मदद करने में सबसे आगे रहा है। कंपनी ने बीते कई सालों से काम किया है ताकि परेशानी रहित ऋण प्रबंधन प्रक्रिया को स्थापित किया जा सके जो सहज, सरल और मध्य और निम्य आय वर्ग में कार्यरत है। कंपनी आने वाले वर्ष तक अपनी क्षमताओं को दोगुना करने का लक्ष्य लेकर आगे बढ़ रही है। इंडिया शेल्टर औसतन कमाई करने वाले भारतीय नागरिक का सबसे बड़ा सपना पूरा कर रहा है जो एक घर का मालिक बनने के तौर पर देखा जाता है। इंडिया शेल्टर एक घर खरीदने या निर्माण या अपने वर्तमान घर को नया रंग-रूप प्रदान करने के लिए अपने सपने को वास्तविकता में बनाने के लिए सेवाएं प्रदान करने हेतु हर समय उपलब्ध है।

श्री मेहता ने बताया कि कंपनी की सफलता में सबसे प्रमुख योगदान ग्राहकों का कंपनी में भरोसा है। हम ग्राहकों को दस्तावेजों का काम आसानी से पूरा करने का मौका देते हैं और ऋण की मंजूरी से लेकर वितरण तक का काम काफी तेजी से किया जाता है। ग्राहकों को कोई भी परेशानी दिए बिना पूरी प्रक्रिया आसानी से पूरी की जाती है। कम आय वाले आवेदकों को बिना आय दस्तावेज के भी ऋण प्रदान किया जाता है। ग्राहकों की सुविधा के अनुसार उसके घर या ऑफिस में ही सभी सेवाएं प्रदान की जाती हैं। ऋण की स्थिति के बारे में एसएमएस और वॉयस कॉल अपडेट की सुविधा भी है। ग्राहकों के लिए सभी दिन उपलब्ध कस्टमर सपोर्ट भी है। इन सब सुविधाओं के चलते ग्राहक तेजी से आईएसएफसी से जुड़ रहे हैं।

बाहर मोह..... अंदर विद्रोह

आज जब कि केन्द्र में सत्तारूढ़ भाजपा के सामने चक्रवर्ती बनने की चुनौती है, अगले कुछ ही महीनों में पांच राज्यों में विधानसभा चुनाव होने वाले है, जिनमें से पश्चिम बंगाल भाजपा के लिए सबसे बड़ी चुनौती है, ऐसे में पार्टी में कतिपय स्वयं भू नेताओं द्वारा इस तरह का माहौल पैदा करना अपने पैरों पर कुल्हाड़ी मारने से अधिक क्या होसकता है? अब इन नेताओं को यह कौन समझाए कि लोकतंत्र में जनता सर्वोपरी होती है, नेता नहीं किंतु ये नेतागण चाहते ह

क्या मोदी का सूर्यह्य अब अस्ताचल की ओर है.....?

क्या अब देशपर राज कर रही भारतीय जनता पार्टी में सब कुछ ठीक नहीं चल रहा है? क्या पार्टी अध्यक्ष की चलक नड़ानी के अध्यक्ष बनने के बाद खत्म हो गई है? राज्यस्तरीय नेता अब राष्ट्रीय नेताओं के लिए चुनौती बन गए है? पार्टी के अंदरूनी क्षेत्रों और कुछ मुखर नेताओं के बीच चल रही गुतुगू से तो ऐसा ही लग रहा है, अब ये राज्यस्तरीय नेता अपने आपका कद राष्ट्रीय नेताओं से बड़ा मानने लगे है, जब कि ये आज जो भी है, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की ही बदौलत है, किंतु यह आम चर्चा है कि उत्तरप्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहरलाल खट्टर तथा गृहमंत्री अमित शाह की राजनीतिक कार्यशैली प्रधानमंत्री की छवि को क्षति पहुंचा रही है और नेता अपने आपको ह्लशीर्षह्य की श्रेणी में मानने लगे है।

आज जब कि केन्द्र में सत्तारूढ़ भाजपा के सामने ह्लचक्रवर्तीह्य बनने की चुनौती है, अगले कुछ ही महीनों में पांच राज्यों में विधानसभा चुनाव होने वाले है, जिनमें से पश्चिम बंगाल भाजपा के लिए सबसे बड़ी चुनौती है, ऐसे में पार्टी में कतिपय स्वयं भू नेताओं द्वारा इस तरह का माहौल पैदा करना ह्लअपने पैरों पर कुल्हाड़ी मारने से अधिक क्या होसकता है? अब इन नेताओं को यह कौन समझाए कि लोकतंत्र में जनता सर्वोपरी होती है, नेता नहीं किंतु ये नेतागण चाहते है कि ह्लसत्ता की लगामह्य उन्हीं के दांतों के बीच दबी रहे और कोई अन्य ह्लचूं चपड़ह्ल न करे, इसीलिए अब हर भाजपाशासित राज्य में मुखियाओं द्वारा अपनी मनमर्जी के फैसले लिये जा रहे है, फिर वे चाहे जनता के हितों के खिलाफ ही क्यों न हो?

ये नेता तो ठीक, ये सत्ता से जुड़े है और सत्ता की बागडोर इनके दांतों तले दबी है, किंतु मध्यप्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री और मोदी जी के ही पूर्व शासनकाल की मंत्री उमाश्री भारती तो ऐसा लगता है कि खुलकर मैदान में आ गई है, उनका यह कहना कि ह्लकौए खीर खा रहे है और हंस दाना चुग रहे हैह्ल का भावार्थ हर कोई समझने को बैचेन है, भारत की राजनीत में ह्लकौआह्य कौन और ह्लहँसह्य कौन? इस सवाल का जवाब हर कोई खोज रहा है, वैसे स्वयं उमाजी ने ही अपने एक अन्य ट्वीट में उसके संकेत दे दिए है, उन्होंने भाजपा के वरिष्ठ नेता सुब्रमण्यम स्वामी को अपना ही रोंह्य बताया तथा रूपमाता, अटल जी व अडवानी जी को अपना नेता बताया, अब चूंकि राजमाता विजयराजे सिंधिया व माननीय अटल जी तो इस असार संसार से विदा ले चुके है, सिर्फ आडवानी जी ही मौजूद है, जिनकी मौजूदा स्थिति में पूरी उपेक्षा कर रखी है, अतः उमाजी का इशारा किस तरफ था, यह किसी से भी छिपा नहीं है, एक जमाना था जब अटल अडवानी और डॉ. जोशी भाजपा के केन्द्र बिन्दू हुआ करते थे, किंतु आज ये नेता किस स्थिति में है, अटल जी नौ माह अस्पताल में पड़े रहे, उनकी किसी ने भी कोई खोज खबर नहीं ली और जब वे स्वर्ग सिधारे तो सभी बड़े नेता उनकी अन्त्येष्ठी में शामिल हुए, किंतु शेष दो वरिष्ठ नेताओं श्री लालकृष्ण आडवानी व डॉ. मुरली मनोहर जोशी की दुरावस्था आज किसी से भी छुपी नहीं है।

अब जिन नेताओं का राजनीति ध्येय ही शिखर तक पहुंचाने वाली सीढ़ी को शिखर तक पहुंचने के बाद तोड़कर फेंक देनेह्य का रहा हो, उनसे अपने बुजुर्गो को पर्याप्त व यथोचित सम्मान देने की उपेक्षा कैसे की जा सकती है? शायद

उमाजी के ट्वीट का इशारा भी इसी ओर रहा होगा.... क्योंकि वे पार्टी के अंदर रहकर होगी, वैसे अब तक का राजनीतिक इतिहास गवाह है कि उमाजी जब जब भी मुखर हुई है, तब राजनीतिक भूकम्प जरूर आया है, फिर चाहे उस भूकम्प की शिकार वे स्वयं ही क्यों न हुई हो? किंतु वे कभी भी असामान्य देखकर शांत नहीं रही।

इसलिए अब यही देखना दिलचस्प होगा कि इस राजनीतिक भूकम्प से कितनी बहु मंजिली इमारतों की नींव हिलती है और कितने महल धराशायी होते है?

त्रासदी सिर्फ यही है कि केन्द्र में सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी की बड़ी चुनौती के बीच यह भूकम्प लाया गया है? इससे किसको कितनी क्षति वहन करना पड़ेगी, यह भविष्य ही बताएगा, फिलहाल गुतगू का दौर जारी है।

–ओमप्रकाश मेहता

संपादकीय

प्रधानता आत्मा को

मनुष्य सामान्यतः जो बाह्य में देखता, सुनता, समझता है वह यथार्थ ज्ञान नहीं होता। किन्तु भ्रमवश उसी को यथार्थ ज्ञान मान लेता है। अवास्तविक ज्ञान को ही ज्ञान समझकर और उसके अनुसार अपने कार्य करने केकारण मनुष्य अपने मूल उद्देश्य सुख–शान्ति की दिशा में अग्रसर न होकर विपरीत दिशा में चल पड़ता है। यथार्थ ज्ञान की अनुभावक मनुष्य की अंतरात्मा ही है। शुद्ध, बुद्ध एवं स्वयं चेतन होने से उसको अज्ञान का अंधकार कभी नहीं व्यापसकता। परमात्मा का अंश होने से वह उसी तरह सत, चित एवं आनंद है, जिस प्रकार परमात्मा के समीप असत्य की उपस्थिति संभव नहीं है उसी प्रकार उसके अंश आत्मा में भी असत्य का प्रवेश सम्भव नहीं। मनुष्य की अंतरात्मा जो कुछ देखती, सुनती और समझती है, वही सत्य और यथार्थ ज्ञान है। अंतरात्मा से अनुशासित मनुष्य ही सत्य के दर्शन तथा यथार्थ ज्ञान की उपलब्धि कर सकता है। यथार्थ ज्ञान की उपलब्धि हो जाने पर मनुष्य के सारे शोक–संतापों का स्वतः समाधान हो जाता है। अंतरात्मा की बात सुनना और मानना ही उसका अनुशासन है। मनुष्य की अन्तरात्मा बोलती है, किन्तु उसकी वाणी सूक्ष्मातिसूक्ष्म होती है, जिसे बाह्य एवं स्थूल श्रवणों से नहीं सुना जा सकता। मनुष्य की अन्तरात्मा बोलती है किन्तु मौन विचार स्फुरण की भाषा में, जिसे मनुष्य अपनी कोलाहलपूर्ण मानसिक स्थिति में नहीं सुन सकता। अन्तरात्मा की वाणी सुनने के लिए जरूरी है मनुष्य का मानसिक कोलाहल बन्द हो। अन्तरात्मा का सान्निध्य मनुष्य को उसकी आवाज सुनने योग्य बना देता है। यों मनुष्य की अन्तरात्मा उसमें ओतप्रोत है, पर उसका सच्चा सान्निध्य पाने के लिए उसे जानना आवश्यक है। परिचयहीन निकटता भी एक दूरी होती है। रेलयात्रा में कन्धे से कन्धा मिलाये बैठे दो आदमी अपरिचित होने के कारण समीप होने पर भी एक–दूसरे से दूर होते हैं। अजनबी छोड़िए, जिन्दगी भर एक दूसरे केसाथ रहने पर भी आन्तरिक परिचय के अभाव में कई लोग एक–दूसरे से दूर ही रहते हैं। अन्तरात्मा जानने का एक ही उपाय है कि उसके विषय में सदा जिज्ञासु तथा सचेत रहा जाए। जो जिसके विषय में जितना अधिक जिज्ञासु एवं सचेत रहता है, वह उसकेविषय में उतनी ही गहरी खोज करता है और निश्चय ही उसे पा लेता है। आत्मा के विषय में अधिक से अधिकजिज्ञासु एवं सचेत रहिए। अपनी आत्मा से परिचित होंगे, उसकी वाणी सुनेंगे, सच्चा मार्ग निर्देशन पाएंगे, तो अज्ञान से मुक्त हों यथार्थ सुख–शान्ति के अधिकारी बनेंगे।

शरीर से मॉरीशस के और आत्मा से हिंदी के रहे अभिमन्यु अनत

तो उन्हें साहित्य अकादमी सम्मान, सोवियत लैंड नेहरू पुरस्कार, मैथिलीशरण गुप्त सम्मान, यशपाल पुरस्कार, जनसंस्कृति सम्मान, उ.प्र. हिंदी संस्थान का सम्मान प्राप्त हुआ। अभिमन्यु के पूर्वज बीते जमाने मे अंग्रेजों द्वारा गन्ने की खेती के लिए श्रम करने हेतु लाये गए थे। मजदूरों के रूप में मॉरीशस आये भारतीय अंततः वहीं पर बस गए। अभिमन्यु की भारतीय सोच ने उन्हें हिन्दी की सेवा के लिए प्रोत्साहित किया और उन्होंने अपने पूर्वजों की मातृभूमि का ऋण अच्छी तरह से चुकाया है। वे मॉरीशस धरती के भारतीय कथा–शिल्पी कहे जाते हैं। उन्होने हिन्दी कविता को एक नया आयाम दिया। अठारह वर्षों तक हिन्दी विषय मे अध्यापन करने के बाद तीन वर्षों तक अभिमन्यु अनत युवा मंत्रालय में नाट्य प्रशिक्षक रहे।

मॉरीशस में जन्म लेने व वही रहने पर भी मॉरीशस की मात्र भाषा को छोड़कर हिंदी साहित्य के बड़े साधक रहे अभिमन्यु अनत एक ऐसा जीवन्त उदाहरण है जिन्होंने कबीर की तरह स्कूली शिक्षा के बजाए साहित्यकारों को जीकर और उन्हें आत्मसात करके साहित्य की पगडंडियों पर चलना सीखा।इसी अनवरत साधना के बल पर वे एक परिपक्व साहित्यकार के रूप में लब्धप्रतिष्ठ हुए।हालांकि उनका जन्म 9 अगस्त सन1937 को मारीशस की धरती पर हुआ परन्तु उनके शरीर का खून हिंदुस्तानी होने के कारण उनका दिल भारत के लिए ही धड़कता रहा।अभिमन्यु अनत ने हिंदी भाषा मे

उपन्यास, कहानी, कविता, निबंध, बाल साहित्य, यात्रावृत्तान्त

लिखकर हिंदी साहित्य को उन्नत किया।उनके द्वारा लिखे गए उपन्यासो में ,लहरों की बेटी, मार्क ट्वेन का स्वर्ग, फैसला आपका, मुड़िया पहाड़ बोल उठा और नदी बहती रही, आंदोलन, एक बीघा प्यार, जम गया सूरज, तीसरे किनारे पर, चौथा प्राणी, लाल पसीना, तपती दोपहरी, कुहासे का दायरा, शेफाली, हड़ताल कब होगी, चुन-चुन-चुनाव, अपनी-अपनी सीमा, गांधीजी बोले थे, शब्द, भंग, पसीना बहता रहा, आसमान अपना आँगन, अस्ति-अस्तु, हम प्रवासी, अपना मन उपवन शामिल है।वही

कहानी श्रंखला भी उनकी कम नही है।उनकी कहानियों में खामोशी की चीत्कार, एक थाली समंदर, इनसान और मशीन, वह बीच का आदमी, अब कल आएगा यमराज शामिल है।जबकि उनके नाटको में विरोध, तीन दृश्य, गूँगा इतिहास, रोक दो कान्हा चर्चित रहे तो यात्रा संस्मरण रूप में, यादों का पहला पहर खासा मशहूर रहा।साथ ही उनके कविता संग्रह , गुलमोहर खौल उठा, नागफनी में उलझी साँसें, कैक्टस के दाँत की रौचकता देखते ही बनती है।

तभी तो उन्हें साहित्य अकादमी सम्मान, सोवियत लैंड नेहरू पुरस्कार, मैथिलीशरण गुप्त सम्मान, यशपाल पुरस्कार, जनसंस्कृति सम्मान, उ.प्र. हिंदी संस्थान का सम्मान प्राप्त हुआ। अभिमन्यु के पूर्वज बीते जमाने मे अंग्रेजों द्वारा गन्ने की खेती के लिए श्रम

करने हेतु लाये गए थे। मजदूरों के रूप में मॉरीशस आये भारतीय अंततः वहीं पर बस गए। अभिमन्यु की भारतीय सोच ने उन्हें हिन्दी की सेवा के लिए प्रोत्साहित किया और उन्होंने अपने पूर्वजों की मातृभूमि का ऋण अच्छी तरह से चुकाया है। वे मॉरीशस धरती के भारतीय कथा-शिल्पी कहे जाते हैं। उन्होने हिन्दी कविता को एक नया आयाम दिया। अठारह वर्षों तक हिन्दी विषय मे अध्यापन करने के बाद तीन वर्षों तक अभिमन्यु अनत युवा मंत्रालय में नाट्य प्रशिक्षक रहे। मॉरीशस के ह्यमहात्मा गांधी इंस्टीटयूटह्ल में भाषा प्रभारी के पद से सेवानिवृत्त होने के बाद अभिमन्यु अनत ने वहीं के ह्यरवींद्रनाथ टैगोर इंस्टीटयूटह्ल का निदेशक पद ग्रहण किया था। सदा ही शांत व सौम्य व्यक्तित्व के धनी अभिमन्यु हिन्दी जगत के शिरोमणि माने गए। अपनी लेखनी को सशक्त बनाने के लिए कई बार उन्होंने पद को भी ठोकर मार दी थी। मॉरीशस में हिन्दी साहित्य और अभिमन्यु को एक दूसरे के पूरक कहे तो अतिश्योक्ति नही होगी । किसी भी भारतीय साहित्यकार के साथ अभिमन्यु अनत का तुलनात्मक अध्ययन कर शोध का विषय हो सकता है। उनकी लेखनी ने हमेशा मॉरीशस के आमजन की परेशानियों को उकेरा जाता रहा है। उन्हें कभी भी सत्ता का भय आक्रांत नहीं कर पाया। उन्होंने कई बार अपनी लेखनी के माध्यम से सत्ता को चुनौती दी। भारत की सांस्कृतिक संपन्नता मॉरीशस की तुलना में अधिक है, भारत में उनकी प्रतिष्ठा का अपना अलग महत्व है। साहित्य की विभिन्न विधाओं में 60 से अधिक पुस्तकों के रचयिता अनत का उपन्यास ह्यलाल पसीनाह्ल कालजयी कृति के रूप में विख्यात है।मॉरीशस के उपन्यास सम्राट कहे जाने वाले अभिमन्यु अनत के कुल 29 उपन्यास छप चुके हैं। पहला उपन्यास ह्यऔर नदी बहती रहीह्ल सन 1970 में प्रकाशित हुआ था तथा उनका आखिरी उपन्यास ह्यअपना मन उपवनह्ल प्रकाशित हुआ है। उनका एक उपन्यास ह्यलाल पसीनाह्ल सन 1977 में छपा था, जो भारत से गये गिरमिटिया मजदूरों की मार्मिक कहानी है। अब इसका अनुवाद ह्यफ्रेंच भाषाह्ल में भी हो चुका है। इस दृष्टि से वे हिंदी को अंतरराष्ट्रीय मंच तक पहुंचाने वाले हिंदी भाषा के साहित्यकार कहे जा सकते है। जो अपने आप मे हिंदी के लिए गौरवशाली है।

–डॉ श्रीगोपाल नारसन

लोकतंत्र का मतलब है जन भागीदारी

जिस प्रकार माता-पिता की संपत्ति में उसकी हर संतान को बराबर का अधिकार होता है ठीक उसी प्रकार राष्ट्र की संपत्ति में देश के हर नागरिक को बराबर का अधिकार होना चाहिए। सही और सच्चे लोकतंत्र की निगरानी और नियंत्रण का दायित्व न्यायपालिका का होता है, निष्पक्ष और ईमनदार न्यायापालिका ही लोकतंत्र की रक्षा नहीं कर सकती है। भारत में सामाजिक लोकतंत्र स्थापित करने के लिए ही संविधान में प्रतिनिधित्व की व्यवस्था की गई है। जातीय भेदभाव सामाजिक व्यवस्था की ही देन है जो सामाजिक लोकतंत्र की प्रस्थापना में बहुत बड़ी बाधा है। जातियों में बंटे हुए शूद्रों में एकता नहीं, यहां तक की खान-पान, उठना-बैठना, बोलचाल में भिन्नता ऐसी है जैसे एक जाति, दूसरी जाति के खिलाफ अघोषित युद्ध में खड़ी हो। ऐसे सामाजिक वातावरण में भारतीय समाज में सामाजिक लोकतंत्र स्थापित करना बहुत बड़ी चुनौती है। जातियों में बांटे गए लोगों का सामाजिक ध्रवीकरण कैसे हो? भाईचारा कैसे बने? इसके लिए सामाजिक और शैक्षणिक रूप से पिछड़े लोगों की जनगणना होनी चाहिए। डॉ. बीआर अंबेडकर ने भारतीय संविधान में बहुजन समाज के सभी वर्गो अनुसूचित जाति, जनजाति एवं अन्य पिछड़ा वर्ग एवं अन्य सभी के लिए शासन-प्रशासन में प्रतिनिधित्व की व्यवस्था की, किंतु शासक जातियां समय-समय पर इस प्रतिनिधित्व पर हमला करती रही है। सन-1930 की जनगणना के अनुसार देश में अन्य पिछड़ा वर्ग की आबादी 52 प्रतिश थी। इन आंकड़ों को इस्तेमाल करते हुए अन्य पिछड़ा वर्ग के 1257 समुदाय का वर्गीकरण हुआ। सन 1989 के लोकसभा चुनावों में जनता दल ने अपने चुनावी घोषणा पत्र में मंडल कमीशन की सिफारिशों को लागू करने की घोषणा की और 7 अगस्त 1990 को तत्कालीन प्रधानमंत्री विश्वनाथ प्रताप सिंह ने मंडल कमीशन की रिपोर्ट को लागू करने की घोषणा की। श्री बिन्देश्वरी प्रसाद मंडल की अध्यक्षता में मंडल कमीशन सन-1979 में तत्कालीन जनता पार्टी सरकार के द्वारा स्थापित किया गया, जिसमें सामाजिक एवं आर्थिक रूप से पिछड़ों की पहचान करने का जिम्मा आयोग को दिया। इसमें विभिन्न धर्मों के लोग और पंथों की 3743 जातियां शामिल थी जो देश की कुल जनसंख्या का लगभग 54 प्रतिशत है को सामाजिक, शैक्षिक और आर्थिक मापदंडों के आधार पर सामाजिक और शैक्षिक पिछड़ापन घोषित करते हुए 27: आरक्षण देने की बात कही। जिसका हमेशा किसी न किसी रूप में विरोध किया। सन-2005 में निजी शिक्षण संस्थानों में अन्य पिछड़ा वर्ग, अनुसूचित जाति और अनसूचित जनजातियों के लिए आरक्षण को सुनिश्चित करने के लिए 93वें सांविधानिक संशोधन लाया गया। जिसने अगस्त 2005 में सर्वोच्च न्यायालय के फैसले को प्रभावी रूप से उलट दिया। 2006 में सर्वोच्च न्यायालय की सांविधानिक पीठ में एम नागराज और अन्य बनाम युनियन बैंक और अन्य के मामलों में सांविधानिक वैधता की धारा 16 (4) (ए),16 (4) (ब) व धारा 335 के प्राविधान को सही ठहराते हुए केन्द्रीय सरकार के शैक्षणिक संस्थानों में अन्य पिछड़ा वर्ग के लिए आरक्षण शुरू किया गया। ये सब डॉ. बीआर अंबेडकर द्वारा लिखित भारतीय संविधान के मूल अधिकारों में समता का अधिकार के अनुच्छेद 16 (4) (क), 16 (4) (ख) के अनुसार दिया गया है। भारत बार-बार गुलाम क्यों हुआ? देश की एकता और अखंडता आज भी खतरे में क्यों है? क्योंकि भारत में सामाजिक लोकतंत्र नहीं है। संविधान गैरबराबरी पर आधारित समाज व्यवस्था को नकारता है। संविधान की धारा 38 (1) राज्य को इस बारे में निर्देशित करती है। लेकिन कुछ लोगों ने इस व्यवस्था की स्थापना करना तो बहुत दूर, आज तक धारा 38(1) का कभी जिक्र तक नहीं किया। इसका मतलब वे बराबरी की सामाजिक व्यवस्था की पहल करना ही नहीं चाहते हैं। फिर जाति भेदभाव का तांडव न्यायपालिका में दिखना स्वाभाविक है। उच्चतम न्यायालय के एक न्यायाधीश ने एम. नागराज केस के निर्णय में कहा कि संविधान की धारा 16(4) क फंडामेंटल राइट नहीं बल्कि इनेवलिंग प्रोविजन है। इसका मतलब बैज को पदोन्नति में प्रतिनिधित्व मौलिक अधिकार नहीं है, उसे हटाया जा सकता है। हैरत तो इस बात की है कि यदि कोई यह कहे कि मानव शरीर में बायाँ हाथ तो शरीर का अंग है किंतु दाहिना नहीं। यह कितनी हास्यास्पद बात है कि भारतीय संविधान का पार्ट थर्ड फंडामेंटल राइट है। संविधान की धारा 16(4)क संविधान के पार्ट थर्ड फंडामेंटल राइट का हिस्सा है। फिर कैसे कहा जा सकता है कि धारा 16(4)क फंडामेंटल राइट नहीं। शासक जातियों का यह निर्णय मात्र बैज ही नहीं बल्कि व्ठब के भविष्य पर भी घातक हमला है। शासक जातियों को इस बात का पता है कि सामाजिक और शैक्षणिक पिछड़ेपन के आधार पर अनुसूचित जाति जनजाति को उनकी जनसंख्या के अनुपात में प्रतिनिधित्व मात्र लोक सेवाओं में ही नहीं बल्कि पदोन्नति में भी प्रदान किया गया है। यदि यह प्रावधान जारी रहा तो आने वाले समय में उसी आधार पर अन्य पिछड़ा वर्ग के लोग अपनी जनसंख्या के अनुपात में लोक सेवा में ही नहीं, पदोन्नति में भी प्रतिनिधित्व की मांग करेंगे। इन्हीं धारणाओं के साथ शासक जातियां अछूतों के प्रतिनिधित्व पर हमलाकर टेलर प्रस्तुत करती रही है। आरक्षण इमदाद नहीं है। अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति तथा अन्य पिछड़ा वर्ग का संवैधानिक अधिकार ही नहीं बल्कि लोकतंत्र की निगरानी और नियंत्रण का खोजी यंत्र है। कौन कंगाल है? और कौन मालोमाल है? उनकी सामाजिक पहचान क्या है? वे कौन लोग हैं जो खैरात लेने वालों की लाइन में लगे हैं और वे कौन लोग हैं जो खैरात देने वालों की लाइन में है? खैरात लेने वाले लोगों को, खैरात लेने वालों की लाइन में खड़ा होने के लिए किसने मजबूर किया? क्या वे देश के नागरिक नहीं? यदि इस देश के नागरिक हैं तो उनकी सामाजिक पहचान भी होगी। यदि उनकी सामाजिक पहचान सुनिश्चित है तो फिर उनका संवैधानिक अधिकार भी सुनिश्चित होना चाहिए। अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और अन्य पिछड़ा वर्ग की सामाजिक पहचान जाति है। जिनका धर्म शास्त्रों ने शिक्षा का दरवाजा बंद किया, जिसके कारण वे सामाजिक और शैक्षणिक रूप से पिछड़े। आज शासक जातियों के शिक्षा के बाजारीकरण की व्यवस्था में अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति तथा अन्य पिछड़ा वर्ग की शिक्षा के क्षेत्र में कितनी संख्या है प्रतिनिधित्व की व्यवस्था से ही पोल खुलती है। अनुसूचित जाति अनुसूचित जनजाति और अन्य पिछड़ा वर्ग के छात्र उच्च शिक्षण संस्थानों में कितना प्रताड़ित किए जाते हैं इससे समय समय पर पर्दा उठता भी रहा है और शासक जातियों के षड्यंत्र का पता भी लगता रहा है। अनुसूचित जाति अनुसूचित जनजाति और अन्य पिछड़ा वर्ग के बच्चे सामान्य वर्ग के बच्चों की तुलना में उनसे कम मेधावी नहीं किंतु उन्हें उच्च शिक्षण संस्थानों में प्रवेश करने के पहले साल से ही उनका भविष्य चैपट करने का सिलसिला प्रारंभ हो जाता है। सेशनल में उन्हें इतना पीछे धकेल दिया जाता है कि वे या तो बीच में ही संस्थान छोड़कर चले जाते हैं या सुसाइड कर लेते हैं। और उनमें से कुछ जो अन्तिम वर्ष तक टिकते हैं उन्हें अंतिम वर्ष तक इसे झेलना पड़ता है। प्रतिनिधित्व व्यवस्था जहाँ एक तरफ लोगों की भागीदारी की निगरानी करती है वही नियंत्रण भी। सरकार का नैतिक दायित्व है कि वह प्रतिनिधित्व नीति के तहत इस बात की जांच पड़ताल करें कि किसको उसका हिस्सा नहीं मिला है। किसका हिस्सा कौन खा रहा है? देश के सभी नागरिकों को उनकी जनसंख्या के अनुपात में, समाजिक जीवन के सभी क्षेत्रों में भागीदारी सुनिश्चित करने का मात्र एक ही उपाय है जन आंदोलन। जन आंदोलन से ही मूलनिवासी बहुजन समाज अर्थात अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और अन्य पिछड़ा वर्ग अपने अधिकारों को हासिल कर सकता है। जो अधिकार देश के प्रत्येक नागरिक को भारतीय संविधान के अनुसार प्राप्त है।

–मेघराज सिंह

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक व संपादक संजय कुमार उपाध्याय द्वारा हैल्थ ऑफ भारत व दैनिक अमन प्रेस आर. जेड.-138, रविनगर एक्सटेंसन, नियर पार्क हॉस्पिटल, न्यू दिल्ली-110018 से मुद्रित एवं एस-503ए स्कूल ब्लॉक, शक्करपुर दिल्ली-110092 से प्रकाशित। सभी लेखों आदि से संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं है। किसी भी कानूनी वाद-विवाद का निपटारा दिल्ली न्यायालय में ही किया जाएगा। संपादकः संजय कुमार उपाध्याय। आर.एन.आई नं. DELHIN/2019/78266

म्यांमार में तख्तापलट से मिजोरम में मची उथल-पुथल

आइजोल। पड़ोसी देश म्यामांर में तख्तापलट के बाद मची राजनीतिक उथल-पुथल से मिजोरम में चिन समुदाय के लोग चिंतित हो गए हैं। उन्हें म्यामांर में हालात बिगड़ने के बाद वहां रहने वाले रिश्तेदारों के पलायन का डर सता रहा है। बीते दिनों म्यामांर में लोकतांत्रिक तरीके से चुनी गई आंग सान सू की की सरकार के खिलाफ सैन्य बलों ने सत्ता पर कब्जा कर लिया। मिजोरम पड़ोसी देश के साथ 404 किमी लंबी सीमा साझा करता है जहां चिन समुदाय की बड़ी आबादी रहती है। ये लोग म्यामांर में जुंटा की अगुवाई में हुई हिंसा के बाद शरण के लिए यहां आ गए थे। मिजोरम की राजधानी आइजोल में अकेले 3,000 चिन समुदाय की आबादी रहती है। आइजोल के चिन निवासी लालननत्लुआंगा ने बताया कि मिजोरम में समुदाय को डर है कि अब और लोग यहां आएंगे। इसके अलावा अधिकतर लोगों के करीबी रिश्तेदार म्यामांर में रहते हैं। फिलहाल वह इंतजार कर रहे हैं क्योंकि सैन्य सरकार ने अभी आम लोगों की आवाजाही पर रोक नहीं लगाया है। लेकिन डर है कि जल्द ही हमारे लोग वहां फंस जाएंगे।

लालननत्लुआंगा ने कहा कि लोग इस कार्रवाई से नाराज हैं लेकिन हम प्रार्थना करने के बजाय और कुछ नहीं कर सकते। मिजोरम के प्रमुख मिजो और चिन समुदाय का जातीय वंश एक ही है और दोनों ईसाई धर्म के अनुयायी हैं। हालांकि दोनों के बीच रिश्तेदार कभी सौहार्दपूर्ण तो कभी मुश्किल भी रहे हैं। वहां स्थानीय अधिकारियों के जबरन निर्वासन समेत कई बार झड़प की खबरें आईं हालांकि दोनों समुदाय किसी तरह की दुश्मनी से इनकार करते हैं। चिन समुदाय का म्यांमार से पलायन 1989 से शुरू हुआ। 1988 में म्यामांर में लोकतंत्र के समर्थन में हुए विरोध प्रदर्शन के दौरान सैन्य बलों ने बड़े पैमाने पर प्रदर्शनकारियों पर अत्याचार किया। इसके बाद चिन समुदाय के कई लोग सीमा इलाके के अलावा घने जंगलों के रास्ते या फिर नदी पार करके आइजोल आ गए। अब दोबारा वहां तख्तापलट होने से चिन और मिजो दोनों समुदायों को वहां से लोगों के भागकर मिजोरम आने का डर सता रहा है।

आइजोल में छात्र संगठन ने म्यांमार में लोकतंत्र की बहाली के लिए प्रदर्शन किया। इसमें चिन समुदाय के लोगों ने भी हिस्सा लिया।

भारत में चिन समुदाय के लोगों की कानूनी स्थिति अस्पष्ट है। भारत शरणार्थियों को मान्यता नहीं देता है और चिन समुदाय के लोगों ने सुरक्षा प्राप्त करने के लिए दिल्ली में यूनाइटेड नेशंस हाई कमिश्नर फॉर रिफ्यूजी से संपर्क भी नहीं किया।

चीन से खैरात में मिली वैक्सीन से पाकिस्तान ने शुरू किया टीकाकरण

इस्लामाबाद। पाकिस्तान ने चीन से फ्री में मिली कोरोना वायरस वैक्सीन से देशव्यापी टीकाकरण अभियान शुरू किया है। पाकिस्तान में प्रधानमंत्री इमरान खान के राजधानी इस्लामाबाद में टीकाकरण अभियान को लॉन्च किया। पाकिस्तान के सभी चारों प्रांतों में एक साथ टीकाकरण शुरू किया गया और तय कार्यक्रम के अनुसार सबसे पहले स्वास्थ्य कर्मियों को टीका लगाया जा रहा है। इसके बाद बुजुर्गों को और फिर अन्य लोगों को टीका दिया जायेगा। सोमवार को पाकिस्तान को चीन की ओर से टीके की पांच लाख खुराक दी गई थी। टीकाकरण के राष्ट्रव्यापी अभियान के शुरू होने के बाद सभी चार प्रांतों के प्रमुख शहरों के अलावा पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में भी टीकाकरण का कार्य किया जा रहा है। टीकाकरण अभियान की शुरूआत के दौरान योजना मंत्री असद उमर ने कहा कि एक साथ शुरू हुए टीकाकरण से संयुक्त रूप से राष्ट्रीय स्तर पर किए गए प्रयास का पता चलता है।

स्वास्थ्य सलाहकार डॉ फैसल सुल्तान ने कहा कि चीन की सिनोफार्म प्रभावी सिद्ध हुई है। उन्होंने कहा कि मैं आपको सिनोफार्म टीके के बारे में बताना चाहता हूं कि यह 79 से 86 प्रतिशत तक प्रभावी है। साल के अंत तक देश की 70 फीसदी जनसंख्या को टीका लग जाएगा। बताया जा रहा है कि चीन ने सिनोवेक की कोरोना वैक्सीन फ्री में देने के एवज में पाकिस्तान के सामने शर्त रखी थी कि वह खुद के खर्च से इस वैक्सीन को लेकर जाए। लेकिन, गरीबी से जूझ रहे पाकिस्तान ने एक हवाई जहाज भेजने की प्लानिंग करने में ही कम से कम 1 महीना खर्च कर दिया। किसी अन्य देश से वैक्सीन की खैरात मिलती न देखकर इमरान खान सरकार ने आखिरकार रविवार को एक स्पेशल विमान चीन भेजकर वैक्सीन को मंगवाया।

तख्तापलट के खिलाफ डाक्टरों की बगावत

यांगून। म्यांमार में सेना के तख्तापलट के खिलाफ जनता का गुस्सा अब सामने आने लगा है और लोग इसके विरोध में सड़कों पर उतर आए हैं। यहां आम जनता द्वारा हार्न और ढोल बजाकर विरोध करने के बाद अब डाक्टर भी बगावत पर उतर आए हैं। जगह-जगह सेना के खिलाफ भारी विरोध प्रदर्शन हो रहा है। इन विरोध प्रदर्शनों में जनता के साथ अब मेडिकल स्टाफ भी शामिल हो गया है। 70 अस्पतालों में काम करने वाले कर्मचारियों ने बुधवार को तख्तापलट के विरोध में काम करना बंद कर दिया है।

तख्तापलट का विरोध कर रहे लोगों ने कहा है कि सेना ने कोरोना वायरस महामारी के दौरान कठिनाइयों का सामना कर रही एक कमजोर आबादी के ऊपर अपने हितों को थोपा है। कोरोना वायरस से म्यांमार में अबतक 3,100 से अधिक लोगों की जान जा चुकी है। समूह ने बयान में कहा, ह्यहम नाजायज सैन्य शासन के किसी भी आदेश को मानने से इंकार करते हैं। यांगून के एक डॉक्टर ने बताया, ह्यमैं चाहता हूं कि सैनिक अपने स्थानों पर वापस जाएं, इसलिए हम अस्पतालों में नहीं जा रहे हैं। मेरे पास समय सीमा नहीं है कि मैं कब तक इस हड़ताल को जारी रखूंगा। यह स्थिति पर निर्भर करता है। छात्र और युवा समूह भी इस अभियान में शामिल हो गए हैं।

भारत के किसान आंदोलन पर ब्रिटेन की संसद में चर्चा कराने पर विचार

लंदन। भारत के किसान आंदोलन को लेकर दुनियाभर में चर्चा है। किसानों के प्रदर्शन की गूंज अब ब्रिटिश संसद में सुनाई दे सकती है। ब्रिटेन की संसद की याचिका समिति किसानों के प्रदर्शन और भारत में प्रेस की आजादी पर 'हाउस ऑफ कॉमन्स' परिसर में चर्चा कराने पर विचार करेगी। दरअसल, इस सबंध में एक ऑनलाइन याचिका पर 1,06,000 से ज्यादा हस्ताक्षर किये गये हैं। यह चर्चा 'वेस्टमिंस्टर हॉल' में हो सकती है। ई-याचिका पर हस्ताक्षर करने वालों की सूची में प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन का नाम भी कथित तौर पर दिख रहा है, जो उन्होंने पश्चिम लंदन से संसद में कंजर्वेटिव पार्टी के सदस्य की हैसियत से किए हैं। वहीं, ब्रिटिश प्रधानमंत्री के आधिकारिक आवास सह कार्यालय, 10 डाउनिंग स्ट्रीट ने बुधवार को इस बात से इनकार किया कि जॉनसन ने याचिका पर हस्ताक्षर किए हैं। ब्रिटिश सरकार के एक प्रवक्ता ने कहा कि मीडिया की स्वतंत्रता मानव अधिकारों की सुरक्षा के लिए महत्वपूर्ण है और दुनिया भर के पत्रकारों को अपनी नौकरी करने और गिरफ्तारी या हिंसा के डर के बिना अधिकारियों को जवाबदेह रखने के लिए स्वतंत्र होना चाहिए।

प्रवक्ता ने कहा, स्वतंत्र प्रेस हमारे लोकतंत्रों में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है और सरकार मीडिया स्वतंत्रता गठबंधन के सदस्य के जरिए इसे अपना समर्थन देती है। संसद की आधिकारिक याचिका वेबसाइट पर प्रदर्शनकारियों की सुरक्षा और प्रेस स्वतंत्रता सुनिश्चित करने के लिए भारत सरकार से आग्रह करें शीर्षक की याचिका में ब्रिटिश सरकार से किसान प्रदर्शन और प्रेस की आजादी पर सार्वजनिक बयान देने के अनुरोध किया गया है। संसद की वेबसाइट पर अगर किसी ई-याचिका पर 10,000 से ज्यादा हस्ताक्षर प्राप्त होते हैं, तो ब्रिटेन की सरकार के लिए आधिकारिक बयान देना जरूरी हो जाता है, जबकि किसी याचिका पर एक लाख से ज्यादा हस्ताक्षर होते हैं तो उस मुद्दे पर चर्चा के लिए विचार किया जाता है। हाउस ऑफ कॉमन्स के प्रवक्ता ने कहा कि याचिका पर सरकार की प्रतिक्रिया इस महीने के अंत तक आने की उम्मीद है और चर्चा कराए जाने पर विचार किया जा रहा है।

प्रवक्ता ने कहा कि वेस्टमिनिस्टर हॉल में चर्चा कराने पर फिलहाल अस्थायी तौर पर रोक है। यहीं पर याचिकाओं पर चर्चा होती है लेकिन समिति इस चर्चा को जल्द से जल्द कराने की घोषणा कर सकती है। इस बीच, ब्रिटेन में इंडिन जर्नलिस्ट्स एसोसिएशन (आईजेए) ने अन्य अंतरराष्ट्रीय मीडिया संगठनों के साथ मिलकर किसान आंदोलन को कवर कर रहे पत्रकारों की गिरफ्तारी पर चिंता जताई है और भारत सरकार से देश में पत्रकारों की सुरक्षा सुनिश्चित करने का आग्रह किया है।

पाकिस्तान ने फिर किया परमाणु मिसाइल परीक्षण

इस्लामाबाद। संयुक्त राष्ट्र में भारत के फाल्स फ्लैग ऑपरेशन को लेकर दुनिया के सामने गिड़गिड़ा रहा पाकिस्तान अब मिसाइल पर मिसाइल परीक्षण कर रहा है। पाकिस्तान से सतह से सतह पर मार करने वाली परमाणु हमला करने में सक्षम गजनवी मिसाइल का सफल परीक्षण करने का दावा किया है। यह मिसाइल 290 किलोमीटर तक 700 किलोग्राम तक के परमाणु वॉरहेड के अलावा पारंपरिक आयुध को लेकर जाने में सक्षम है। जनवरी के आखिर में पाकिस्तान ने शाहीन-3 मिसाइल का टेस्ट किया था। एक स्थानीय समाचार पत्र की रिपोर्ट में कहा गया है कि पाकिस्तानी सेना की प्रॉपगैंडा विंग इंटर-सर्विस पब्लिक रिलेशंस ने एक बयान जारी कर बताया है कि आर्मी स्ट्रेटेजिक फोर्सेज कमांड की वार्षिक फील्ड ट्रेनिंग एक्सरसाइज के दौरान यहा टेस्ट किया गया है। हालांकि, सेना ने यह नहीं बताया है कि यह परीक्षण कहां आयोजित किया गया। अगस्त 2019 के आखिरी हफ्ते में भी पाकिस्तान ने गजनवी मिसाइल का परीक्षण किया था। गजनवी मिसाइल को हत्फ-3 मिसाइल के नाम से भी जाना जाता है।

पाकिस्तान ने गजनवी मिसाइल को 1987 से बनाना शुरू किया था। इस मिसाइल को पाकिस्तानी सेना में लगभग 20 साल बाद 2007 में शामिल किया गया था। इस मिसाइल की लंबाई 8.5 मीटर के आसपास है। चीन के सहयोग से बनी इस मिसाइल को पाकिस्तान के नेशनल डेवलपमेंट कॉम्पलैक्स ने विकसित किया है। पाकिस्तान मिसाइल कंट्रोल रिजीम ट्रीटी का सदस्य नहीं है, ऐसे में चीन 300 किलोमीटर से ज्यादा दूरी तक मार करने वाली मिसाइल की तकनीकी को नहीं दे सकता है। छोटी दूरी तक मार करने वाली गजनवी मिसाइल सॉलिड फ्यूल से चलने वाली मिसाइल है। इस मिसाइल को रेल और सड़क मार्ग से कहीं भी ले जाई जा सकती है। चीन ने एम-11 मिसाइल वर्ष 1987 में पाकिस्तान को दी थीं। एम-11 की तकनीक का इस्तेमाल करके पाकिस्तान ने गजनवी मिसाइल का निर्माण किया है।

स्पेसएक्स ने शुरू किया एक नया मिशन

वाशिंगटन। अमेरिकी अरबपति ने स्पेसएक्स की पूरी फ्लाइट को ही खरीद लिया है। अब तक लोगों को उड़ान के लिए विमान खरीदते सुना होगा लेकिन अंतरिक्ष यान पहली बार खरीदा गया है। स्पेसएक्स ने एक नया मिशन शुरू किया है। इसका नाम है इंस्पीरेशन-4 मिशन। इस मिशन के तहत चार लोगों को धरती की कक्षा में अंतरिक्ष की यात्रा कराई जाएगी। आइए जानते हैं स्पेसएक्स की फ्लाइट खरीदने के पीछे अरबपति का क्या मकसद है? स्पेसएक्स इस साल के आखिरी चार महीनों में अंतरिक्ष की ओर अपनी पहली नागरिक उड़ान भेजेगा। इसके लिए फॉल्कन-9 रॉकेट और ड्रैगन कैप्सूल का उपयोग किया जाएगा।

अमेरिकी अरबपति जैरेड आइजैकमैन ने इसके लिए सारा खर्च दिया है। इतना ही नहीं उन्होंने अपने साथ तीन और यात्रियों को ले जाने का फैसला किया है। इस यात्रा में बेहद आम लोगों को अंतरिक्ष की सैर कराने की जिम्मेदारी है। जैरेड चाहते हैं कि वो इस यात्रा के जरिए सेंट जूड चिल्ड्रन रिसर्च हॉस्पिटल के लिए 200 मिलियन डॉलर्स यानी 1459 करोड़ रुपए का फंड जुटाएं। इनमें से आधी रकम वो खुद देंगे। उनके साथ अंतरिक्ष की यात्रा में जाने के लिए उन्होंने इस हॉस्पिटल की एक फीमेल हेल्थ वर्कर का चयन भी कर लिया है। जो लोग इस अस्पताल को फरवरी तक डोनेशन देंगे उनमें से किसी एक तीसरी सीट और चौथी सीट उस बिजनेसमैन को मिलेगी जो शिफ्ट4 पेमेंट का उपयोग करता होगा। जैरेड की कंपनी का नाम शिफ्ट 4 पेमेंट है। जैरेड इसके अलावा टेक और फाइटर जेट्स का व्यवसाय करते हैं। जैरेड आइजैकमैन ने कहा कि मैं धरती पर अगले 50 से 100 साल जिंदा रहना चाहता हूं। ताकि मैं वो नजारा देख सकूं कि जब लोग अपने रॉकेट से उड़ रहे होंगे। परिवार छुट्टियां मनाने चांद पर जा रहे होंगे। बच्चे स्पेससूट पहनकर स्कूल जा रहे होंगे। मुझे ये पता है और ऐसे कई लोगों को पता है कि हम लोग भविष्य में ऐसी दुनिया में प्रवेश करने वाले हैं।

जैरेड आइजैकमैन से जब फ्लाइट खरीदने को लेकर सवाल पूछा गया तो उन्होंने कहा कि बच्चों को जब कैंसर से दूर रख पाएंगे तभी मैं वो भविष्य देख पाउंगा, जिसकी मैंने अभी कल्पना की है।

इस यात्रा से जमा किए गए पैसों को सेंट जूड चिल्ड्रन रिसर्च हॉस्पिटल को दूंगा ताकि वो बच्चों के कैंसर का इलाज कर सकें। जैरेड आइजैकमैन स्पेसएक्स के ड्रैगन कैप्सूल से संभवतः अक्टूबर के महीने में अपनी यात्रा शुरू करेंगे। अगले एक हफ्ते में बाकी के यात्रियों का चयन कर लिया जाएगा। इसके बाद इन लोगों को ड्रैगन कैप्सूल उड़ाने और धरती की कक्षा में सर्वाइवल की ट्रेनिंग दी जाएगी। स्पेसएक्स के मालिक एलन मस्क ने कहा कि यह दुनिया की पहली निजी अंतरिक्ष यात्रा होगी, जो बच्चों की भलाई के लिए होगी। जैरेड आइजैकमैन अपनी यात्रा के खुद कमांडर होंगे।

अधिकारियों के साथ मुठभेड़ के बाद एक महिला की मौत

लेनोर सिटी। पुलिस अधिकारियों के साथ मुठभेड़ में टेनेसे की एक महिला की गोली लगने से मौत हो गई। टेनेसे ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टिगेशन (टीबीआई) ने बताया कि लेनोर सिटी की ट्रैसी होप वॉल्टर-हेन्सली (56) को पकड़ने के लिए गए अधिकारियों और उसके बीच मुठभेड़ हुई। बाद में स्वात दल जब उसके घर में दाखिल हुआ तो, वह वहां मृत मिली। टीबीआई ने बताया कि लौडन काउंटी शेरिफ कार्यालय के अधिकारी सुबह करीब साढ़े नौ बजे उसके घर गए थे। वॉल्टर-हेन्सली ने उन पर गोली चला दी, जिसके जवाब में अधिकारियों ने भी गोली चलाई। प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार स्वात दल को मदद के लिए बुलाया गया था और उसने एक रोबोट वाले कैमरे का इस्तेमाल कर घर में देखा तो महिला जमीन पर गिरी हुई थी। अधिकारियों ने इसकी जानकारी अभी नहीं दी है कि महिला ने खुद को गोली मार ली थी या अधिकारियों की गोली लगने से उसकी मौत हुई। घटना में कोई अधिकारी हताहत नहीं हुआ है। टीबीआई मामले की जांच कर रही है।

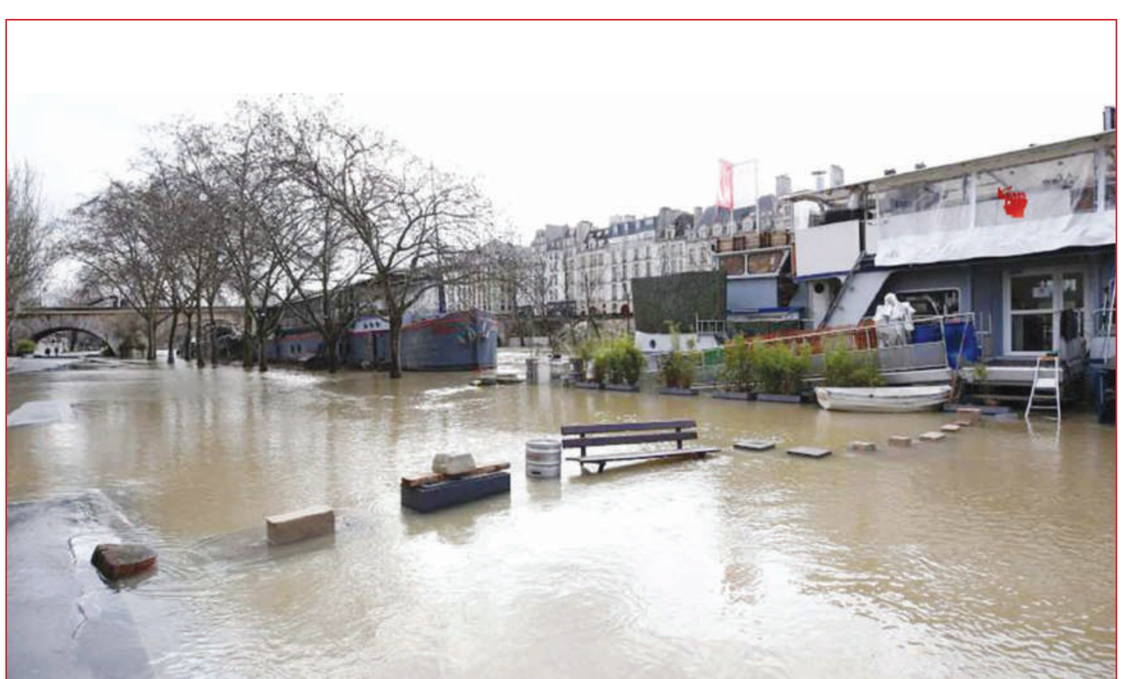

पेरिस में भारी बारिश के कारण साइनी नदी के तटों पर पानी भर गया। फोटो-ईएमएस

गैलेक्सी में हो सकता है 5 गुना ज्यादा डार्क मेटर

केंब्रिज। वैज्ञानिकों को एक गैलेक्सी टूसकाना-2 में कुछ अजीब सा देखने को मिला है। इसके सितारे गैलेक्सी के केंद्र से दूर किनारे की ओर हैं। जिस तरह ये गैलेक्सी के गुरुत्वाकर्षण के कारण इसमें बंधे हुए हैं, वैज्ञानिकों का मानना है कि इसके अंदर दरअसल डार्क मैटर है और उसी का असर है कि 1.63 लाख प्रकाशवर्ष दूर इस गैलेक्सी में ये अजीबोगरीब नजारा देखने को मिल रहा है।

माना जाता है कि ब्रह्मांड का 85 फीसदी हिस्सा डार्क मैटर ही है। टूसकाना-2 से पहली बार ऐसे संकेत मिले हैं कि इसमें डार्क मैटर इस तरह से हैं। वैज्ञानिकों का मानना है कि पहले इसका जितना द्रव्यमान माना जाता था, दरअसल, उससे तीन से पांच गुना ज्यादा है। एमआईटी के ग्रैजुएट छात्र अनिरुद्ध चीति ने बताया है, ह्यजितना द्रव्यमान टूसकाना-2 में हमें लग रहा था, इतनी दूर स्थित सितारों को बांधे रखने के लिए उससे कहीं ज्यादा (द्रव्यमान) है। इसका मतलब है कि ऐसी दूसरी गैलेक्सीज में भी ऐसा डार्क मैटर होगा। इस रिसर्च के आधार पर यह भी माना जा रहा है कि यह गैलेक्सी ब्रह्मांड में सबसे पहले हुईं विलय की घटनाओं में से एक का नतीजा रही होगी।

जिन दो गैलेक्सी की टक्कर हुई होगी, उनमें से एक ज्यादा पुरानी और एक थोड़ी पुरानी रही होगी। इसके नतीजतन सितारे बाहर की ओर ज्यादा फैले हैं।

टूसकाना-2 जैसी ब्रह्मांड की शुरूआती गैलेक्सी पर की गई मैसेच्यूसेट्स इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नॉलजी की रिसर्च से संकेत मिले हैं कि पहले बनीं गैलेक्सीज में डार्क मैटर ज्यादा रहा होगा।

अमेरिका ने किसानों के आंदोलन पर दी सधी प्रतिक्रिया

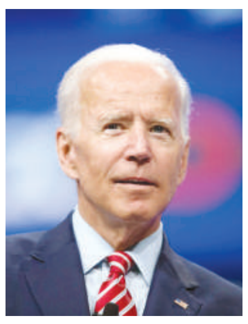

वॉशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन प्रशासन ने भारत में किसानों के आंदोलन को लेकर अपनी सधी हुई प्रतिक्रिया दी है। अमेरिका के विदेश मंत्रालय ने कहा कि शांतिपूर्ण प्रदर्शन किसी भी लोकतंत्र के लिए जीवंतता का एक प्रमाण होता है और भारत की सर्वोच्च अदालत ने भी इसे माना है। अमेरिका ने कहा कि हम मतभेदों को सुलझाने के लिए विभिन्न पक्षों में बातचीत का समर्थन करते हैं।

साथ ही भारतीय बाजारों की कार्यकुशलता का सुधारने और निजी सेक्टर के निवेश का स्वागत करते हैं। अमेरिका ने कहा कि सामान्य तौर पर अमेरिका भारतीय बाजारों की कार्यकुशलता को सुधारने तथा बड़े पैमाने पर निजी सेक्टर के निवेश को आकर्षित करने के लिए उठाए गए कदमों का स्वागत करता है। हम मानते हैं कि लोगों तक इंटरनेट समेत सूचनाओं की निर्बाध पहुंच अभिव्यक्ति की आजादी के लिए मूल अधिकार है। यह एक सफल लोकतंत्र के लिए जरूरी प्रमाण है।

अमेरिका का यह बयान ऐसे समय पर आया है जब भारत में नए कृषि कानूनों को लेकर बड़े पैमाने पर किसानों का प्रदर्शन चल रहा है। पिछले दिनों किसानों के प्रदर्शन के दौरान राजधानी दिल्ली में जमकर हिंसा हुई थी। किसानों के प्रदर्शन के समर्थन में दुनिया की पॉप स्टार रिहाना, ग्रेटा थनबर्ग के आने के बाद भारत के नामचीन लोगों ने भी करारा जवाब दिया है। भारत ने पॉप गायिका रिहाना और पर्यावरण कार्यकर्ता ग्रेटा थनबर्ग जैसी वैश्विक हस्तियों द्वारा किसान आंदोलन का समर्थन किए जाने पर कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त की है।

बॉलीवुड के कई अभिनेताओं, क्रिक्रेटरों और केंद्रीय मंत्रियों ने सरकार के रुख का समर्थन किया है। पूर्व क्रिकेटर सचिन तेंडुलकर, अनिल कुंबले और रवि शास्त्री ने 'इंडिया टूगेदर' (भारत एकजुट है) और 'इंडिया अगेंस्ट प्रोपगेंडा' (भारत दुष्प्रचार के खिलाफ है) हैशटैग के साथ ट्वीट किए हैं। इसके बाद थरूर ने यह टिप्पणी की है।

पूर्व विदेश राज्य मंत्री ने कहा, ह्यकानून वापस लीजिए और समाधान पर किसानों के साथ चर्चा कीजिए तथा आप इंडिया टूगेदर पाएंगे।

श्रीलंका ने भारत को बड़ा रणनीतिक झटका, कंटेनर टर्मिनल बनाने को लेकर हुए समझौते हुए बाहर हुआ

कोलंबो। श्रीलंका ने भारत को बड़ा रणनीतिक झटका दिया है। कोलंबो बंदरगाह पर कंटेनर टर्मिनल बनाने को लेकर श्रीलंका ने भारत और जापान के साथ समझौता किया था, इससे श्रीलंका ने बाहर होने का फैसला किया है। टर्मिनल के निर्माण को इलाके में चीन के बढ़ते प्रभाव को काउंटर करने के कदम के तौर पर देखा जा रहा था। कोलंबो बंदरगाह पर पूर्वी कंटेनर टर्मिनल का निर्माण चीन के विवादित 50 करोड़ डॉलर की लागत वाले कंटेनर टर्मिनल के नजदीक किया जा रहा है। इस टर्मिनल में भारत और जापान की 49 फीसदी की हिस्सेदारी थी। श्रीलंकाई सरकार ने कहा कि अब वहां टर्मिनल का विकास अकेले ही करेगी। इसका स्वामित्व श्रीलंका पोर्ट्स अथॉरिटी के पास रहेगा और इसकी लागत 80 करोड़ डॉलर होगी।

ये समझौता मई 2019 में हुआ था। समझौते के कुछ महीने बाद ही श्रीलंका में गोटाबाया राजपक्षे सत्ता में आए थे। हालांकि, पिछले कुछ वक्त से गोटाबाया राजपक्षे को गठबंधन में शामिल राष्ट्रवादी ताकतों के विरोध का सामना करना पड़ रहा है। राष्ट्रवादी संगठनों का कहना है कि राष्ट्रीय संपत्तियों को विदेशियों को नहीं बेचा जाना चाहिए। राजपक्षे ने दो हफ्ते पहले ही क्षेत्रीय भू-राजनीतिक समीकरणों का हवाला देकर कहा था कि परियोजना पर काम जारी रहेगा। कोलंबो में भारतीय उच्चायोग ने भी श्रीलंका की सरकार से समझौते को लेकर अपनी प्रतिबद्धताओं का सम्मान करने की अपील की थी।

गोटाबाया राजपक्षे के भाई महिंदा राजपक्षे श्रीलंका के प्रधानमंत्री हैं। महिंदा राजपक्षे जब साल 2005 से लेकर साल 2015 तक राष्ट्रपति थे, तब उन्होंने चीन से अरबों का कर्ज लिया था। कोरोना की वजह से श्रीलंका की अर्थव्यवस्था बुरी तरह प्रभावित हुई है, इसके बाद श्रीलंका इस साल चीन से और ज्यादा कर्ज ले सकता है। दिसंबर 2017 में, चीन के कर्ज का भुगतान ना कर पाने पर श्रीलंका को हंबनटोटा बंदरगाह चीन के हवाले करना पड़ा था। श्रीलंका ने समझौते के तहत बंदरगाह को चीनी कंपनी को 99 साल के लिए लीज पर दे दिया था जिसे लेकर पूरी दुनिया में चिंता जाहिर की गई थी।

भारत और अमेरिका को डर है कि हंबनटोटा जैसे अहम रणनीतिक क्षेत्र में चीन का पैर जमाना हिंद महासागर में उसे सैन्य बढ़त के मौके दे सकता है। साल 2014 में जब चीनी पनडुब्बियां कोलंबो टर्मिनल पर अघोषित रूप से आ धमकी तब भारत ने इस लेकर कड़ा विरोध दर्ज कराया था। भारत के विरोध के बाद से श्रीलंका ने चीनी पनडुब्बियों को टर्मिनल पर आने की इजाजत नहीं दी है। हालांकि, श्रीलंका के नए कदम से भारत को रणनीतिक रूप से बड़ा नुकसान होने वाला है।

चीन की आक्रामक, जबरन कार्रवाई का विरोध करेंगे: बाइडन प्रशासन

वाशिंगटन। बाइडन प्रशासन ने चीन को अमेरिका का बड़ा प्रतिद्वंद्वी स्वीकार करते हुए कहा है कि वह बीजिंग की आक्रामक एवं प्रतिरोधी कार्रवाइयों का विरोध करेगा। अमेरिका और चीन के संबंध पहले कभी इतने खराब नहीं रहे। दोनों देशों के बीच व्यापार, कोरोना वायरस महामारी की उत्पत्ति, विवादित दक्षिण चीन सागर में आक्रामक सैन्य कार्रवाई और मानवाधिकार एवं ताइवान समेत कई मामलों पर तनाव की स्थिति है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता नेड प्राइस ने अपने पहले संवाददाता सम्मेलन में कहा, ह्यह्यहम जब चीन की बात करते हैं, तो हम बीजिंग के प्रति हमारे रणनीतिक दृष्टिकोण की बात करते हैं। हमारी चीन के साथ गंभीर प्रतिद्वंद्वता है। हम उसके साथ संबंधों को रणनीतिक प्रतिद्वंद्वता के चश्मे से देखते हैं।

प्राइस ने कहा कि चीन के कदमों ने अमेरिकी कर्मियों को नुकसान पहुंचाया है और वैश्विक संस्थाओं में अमेरिकी गठबंधनों एवं प्रभाव को खतरा पैदा किया है। उन्होंने कहा कि चीन ने मानवाधिकारों का गंभीर उल्लंघन किया है। प्राइस ने कहा, हम चीन की आक्रामक एवं प्रतिरोधी कार्रवाई का विरोध करेंगे, अपनी सैन्य बढ़त को बनाए रखेंगे, लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा करेंगे, उन्नत तकनीक में निवेश करेंगे और अपनी अहम सुरक्षा साझेदारियों को बनाए रखेंगे। उन्होंने एक प्रश्न के उत्तर में चीन से अपील की कि वह ताइवान पर सैन्य, कूटनीतिक एवं आर्थिक दबाव बनाना बंद करें और ताइवान के लोकतांत्रिक रूप से चुने गए नेतृत्व के साथ अर्थपूर्ण वार्ता करे। व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव जेन साकी ने कहा कि चीन के प्रति बाइडन प्रशासन का दृष्टिकोण रणनीतिक है। उन्होंने कहा कि बाडइन प्रशासन अमेरिका के सहयोगियों के साथ संबंध और मजबूत करने की दिशा में काम करेगा।

उपखंड स्तरीय जनसुनवाई कार्यक्रम विधायक हुडला की मौजूदगी में संपन्न हुआ

» मदरलैंड, राहुल जोशी

मंडावर। तहसील परिसर कार्यालय में गुरुवार को उपखंड स्तरीय जनसुनवाई की गई। जिसमें स्थानीय विधायक ओम प्रकाश हुडला की उपस्थिति में यह जनसुनवाई कार्यक्रम सफल रहा। मंडावर तहसील अंतर्गत आने वाले समस्त ग्राम पंचायतों के लोगों को इस जनसुनवाई में समस्या समाधान के लिए आमंत्रित किया गया। उपखंड अधिकारी के अनुसार अब तक जनसुनवाई राज्य आदेश अनुसार ब्लॉक स्तर पर महवा में होती थी ।आज पहली बार विधायक की इच्छा अनुसार यह जनसुनवाई मंडावर कस्बे में की जा रही है। जिससे मंडावर तहसील अंतर्गत सभी ग्राम पंचायतें इसका फायदा उठा सकें। आज जनसुनवाई कार्यक्रम में लगभग 40 जन समस्याओं में से 29 का तुरंत ही विधायक हुड़ला के प्रयासों से स्थानीय अधिकारियों व उच्चाधिकारियों से वार्ता कर निस्तारण किया गया। विधायक हुडला ने कहा कि मंडावर में इस प्रकार जनसुनवाई कार्यक्रम एक नवाचार था। लगभग सभी विभागों के अधिकारी यहां उपस्थित थे । फिर भी महुआ विधानसभा के किसी भी व्यक्ति को किसी भी प्रकार की समस्या हो तो मैं सदा आपके साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ा रहूंगा। विधायक ने फरियादियों की समस्याओं को सुना व अधिकारियों को मौके पर भेजकर अतिक्रमण, राशन, बिजली, पानी की समस्याओं को हल करवाया। इस अवसर पर तहसीलदार मंडावर व महुआ, विकास अधिकारी पंचायत समिति महुआ, मुख्य ब्लॉक चिकित्सा अधिकारी, प्रभारी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मंडावर, मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी, अधिशासी अभियंता विद्युत विभाग व सिंचाई विभाग, जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग, क्षेत्रीय थानाधिकारी, महिला बाल विकास परियोजना अधिकारी, सहित अन्य विभागों के अधिकारी भी मौजूद रहे। वही वही लाभार्थियों ने तुरंत ही समस्या समाधान होने पर खुशी जाहिर की व विधायक हुड़ला का आभार प्रकट किया। स्थानीय निवासियों ने बताया कि जिस समस्या को लेकर 15 किलोमीटर दूर महुआ जाना पड़ता था वह आज यही हल हो गई।

आजाद मंच भारत करेगा प्रत्येक राज्य में सामान्य वर्ग आयोग गठन की मांग

- सामान्य वर्ग का कोई आयोग नहीं, आयोग नहीं तो बजट भी नहीं
- आखिर क्यों जरूरी है सामान्य वर्ग आयोग : राना ठाकुर

राना ठाकुर अध्यक्ष आजाद मंच भारत ए सिविल सोसाइटी ऑफ इंडिया।

जयपुर। सरकारें जिस तरह बजट में करोड़ों रुपये का आंवटन विशेष वर्गों के लिए कर रही है। जबकि गरीब हर वर्ग में होता है। यह बात आजाद मंच भारत ए सिविल सोसाइटी ऑफ इंडिया के राष्ट्रीय अध्यक्ष राना ठाकुर ने कही कि प्रत्येक वर्ग में गरीब छात्र तो फिर विशेष वर्ग को ही सरकारी लाभ क्यों? सामान्य वर्ग के छात्रों को क्यों नहीं? उन्होंने कहा खासकर क्षात्रों की बात करें तो शिक्षा कोचिंग रोजगार की हर वर्ग के क्षात्र की जरूरत है। मगर इसका भारी भरकम आर्थिक बोझ गरीब नही उठा पाता। मगर सरकारें इस विशेष अनुदान को जाति और वर्ग विशेष को ही देती है । चूंकि सरकार सीधा जनता को तो देती नही उसके लिए तय आयोग इस कार्य को अंजाम देते है। प्रत्येक राज्य में सामान्य वर्ग के लिए कोई आयोग गठन की मांग मगर जनरल कास्ट का कोई आयोग भारत मे नही है कुछ राज्यों में बना भी तो केंद्र की अनदेखी से वह काम नही कर रहा । ऐसे में हर राज्य में सामान्य वर्ग आयोग की मांग आजाद मंच भारत के तत्वावधान में इसके अध्यक्ष राना ठाकुर ने रखी राना ने शीघ्र ही इसकी जनजागृति के लिए राज्यों में विशेष अभियान चलाया है राजस्थान के जयपुर में भी शीघ्र इस मांग को उठाया जाएगा।

संक्षिप्त समाचार

ब्राह्मण समाज राजगढ़ की नवीन कार्यकारिणी घोषित

मदरलैंड, देशबंधु जोशी, राजगढ़। शनिवार को ब्राह्मण धर्मशाला में होगी कार्यकारिणी की मीटिंग। ब्राह्मण समाज राजगढ़ की नवीन कार्यकारिणी की घोषणा की गई ।समाज के नवनिर्वाचित अध्यक्ष श्री राजेश शर्मा ठेकेदार ने बताया की कार्यकारिणी में श्री भगवान सहाय शर्मा वरिष्ठ उपाध्यक्ष, किशोर मुखर्जी , वीरेंद्र शर्मा पंडित नरेंद्र अवस्थी , कुलदीप गंगावत उपाध्यक्ष ,श्री प्रदीप शर्मा सचिव , मुकेश कुमार जैमन सह सचिव, सुरेश्वर दयाल शर्मा कोषाध्यक्ष, मदन लाल शर्मा सह कोषाध्यक्ष एवं व्यवस्थापक, विपिन भारद्वाज संगठन मंत्री , पंडित उदयभान शर्मा एवं दिनेश शास्त्री गुरुकुल संस्कार ,विरेन्द्र दाधीच सामूहिक विवाह , ओम प्रकाश शर्मा व अशोक पालीवाल प्रतिभा सम्मान प्रभारी, संजय राजस्थानी सांस्कृतिक प्रकोष्ठ राजेश शर्मा पंचायत समिति अंकेक्षक , श्री प्रकाश दीक्षित एवं बाबूलाल शर्मा व्यवस्थापक चंदो बाई धर्मशाला, अखिलेश वशिष्ठ एवं कपिल जैमन आईटी सेल प्रभारी नियुक्त किए गए। इसके अलावा मार्गदर्शक मंडल में पूर्व में रहे समाज के अध्यक्षों को एवं संरक्षक मंडल में समाज के विशिष्ट एवं वरिष्ठ जनों को लिया गया है। विधिक परामर्श मंडल में समाज के 8 विधि सलाहकारों को रखा गया है। एवं महिला प्रकोष्ठ का निर्माण भी किया गया जिसमें समाज की 5 महिलाओं को स्थान दिया गया है। कार्यकारिणी में ग्रामीण प्रकोष्ठ के अंतर्गत विभिन्न ग्रामीण क्षेत्रों के 23 विप्र बंधुओं को सम्मिलित किया गया है ।मीडिया प्रकोष्ठ में क्षेत्र के सभी पत्रकार बंधुओं को सम्मिलित किया गया है। अध्यक्ष राजेश शर्मा ने बताया कि शीघ्र ही नवीन कार्यकारिणी के शपथ ग्रहण समारोह एवं प्रथम बैठक दिनांक 6 फरवरी शनिवार को सांय 4 बजे आयोजित की जावेगी।

नगरपालिका बोर्ड की आठ जनवरी को बजट बैठक

मदरलैंड, हीरालाल भूरानी, खैरथल। कोराना काल एवं पालिका चुनाव के कारण बाधित हुई नवगठित नगरपालिका बोर्ड की साधरण सभा का आयोजन आठ जनवरी को आहुत किया गया है। नगरपालिका के अधिशाषी अधिकारी के अनुसार 8 जनवरी को सुबह 11 बजे शुरू होने वाली बैठक में संशोधित बजट 2020-21 व 2021-22 पर विचार विमर्श किये जाने के अतिरिक्त अन्य मुद्दों पर चर्चा कर निर्णय पारित किये जाएंगे। उन्होंने बताया कि एजेंडे में शामिल मुद्दों में शहरी क्षेत्र सौंदर्यीकरण व विकास के मुद्दे, कर्मचारियों के स्थायीकरण, पदोन्नति व नवीन पदों का सृजन,अंकेक्षण विभाग द्वारा गठित पैरा का निस्तारण, भूमि शाखा में लंबित पत्रावलियों का अनुमोदन एवं भवन निर्माण स्वीकृति, विभिन्न प्रयोजनारथ पूर्व स्वीकृत आवंटन पत्रावलियों पर चर्चा, राजस्थान नगरीय क्षेत्र भवन विनिमय 2020 का अनुमोदन कोराना महामारी विवाह स्थलों को शुल्क व ब्याज में छूट, जलदाय विभाग की सिंगल फेज बोरिंग वेल का संघारण व रखरखाव आदि है। पार्षदों द्वारा प्रस्तुत मुद्दों पर चर्चा की जाएगी।

विप्र समाज विकास समिति की बैठक हुई कबड्डी प्रतियोगिता का लिया निर्णय

मदरलैंड संवाददाता, बहरोड़। विप्र समाज विकास समिति के तत्वाधान में सोडावास कस्बे में गुरुवार को विप्र समाज की बैठक पप्पू शर्मा की अध्यक्षता में हुई। जिसमें निर्णय लिया गया कि सभी विप्र समाज के जीते हुए सरपंचों का स्वागत समारोह एवं 75 प्रतिशत से अधिक अंक लाने वाले विद्यार्थियों का सम्मान समारोह एवं बुद्धिजीवी व भामाशाहो का भी सम्मान किया जाएगा। बैठक में आगामी बैठक में निश्चित कार्यक्रम रखने का सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया। इस मौके पर कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन करने के लिए बात बैठक में रखी। कबड्डी कार्यक्रम नीमराना में रखा जाएगा। विप्र समाज विकास समिति ने कबड्डी प्रतियोगिता के लिए वन्दे मातरम्‌ फाउंडेशन और वन्दे मातरम्‌ स्पोर्ट्स के संयुक्त तत्वावधान में करवाने का निर्णय लिया। विनर टीम को दो लाख का ईनाम दिया जायेगा। रनरअप को एक लाख रु व थर्ड टीम को 50 हजार का ईनाम दिया जाएगा। बैठक में विप्र समाज विकास समिति के सदस्यों व कबड्डी कार्यक्रम के कमिश्नर विपिन भारद्वाज व औरगनाईजर कमेटी में लक्ष्मी नारायण, ललित शर्मा, कमलेश भारद्वाज, मनोज शर्मा, मोनु वर्मा, शमशाद पठान, गोपाल चैधरी व लीग सीईओ संजीव भारद्वाज मौजूद रहे।

जिला अध्यक्ष नंदराम गुर्जर का किया स्वागत

» मदरलैंड संवाददाता

अलवर । भारतीय मानव कल्याण महासमिति के जिला अध्यक्ष भाई नंदराम गुर्जर पूर्व सरपंच को मनोनीत करने पर जिला कांग्रेस कमेटी के महासचिव हिमांशु शर्मा के निवास पर जिला अध्यक्ष नंदराम गुर्जर का स्वागत कार्यक्रम रखा गया इस अवसर पर अलवर ग्रामीण के वरिष्ठ नागरिकों ने संगठन को मजबूत करने का संकल्प लिया!

और किसानों के आंदोलन का समर्थन किया। एवं शीघ्र ही किसानों के पक्ष में कई कार्यक्रम आयोजित किए जाने का निर्णय लिया एवं शीघ्र ही भारतीय मानव कल्याण महासमिति की जिला एवं ब्लाक स्तर पर कार्यकारिणी घोषित की जाएगी। इस अवसर पर जिला कांग्रेस कमेटी के महासचिव ओमप्रकाश देहलावास, पूर्व चेयरमैन रामफल गुर्जर, फूलचंद चंदेला, रामचंद्र रावत, शिवलाल गोलियां, रतिराम गोलियां, प्रभु दयाल गोलिया, शोभा साहू, बिल्लू गुप्ता, तोताराम चंदेला सहित अलवर ग्रामीण के अनेक वरिष्ठ नागरिक गण उपस्थित थे।

सड़क हादसा होते-होते बाल-बाल बचा

» मदरलैंड संवाददाता

रैणी तहसील के झांकड़ा स्थित अलवर करौली मेगा हाईवे पर प्रातः 8:30 बजे एक 16 चक्का ट्रक अचानक रोड के किनारे बनी खाई में उतर गया । प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि ट्रक गढ़ी सवाई राम से पिनान की तरफ जा रहा था जिसके अचानक ब्रेक लेदर चिपकने के कारण वह असंतुलित होकर रोड के किनारे बनी खाई में उतर गया जिसमें किसी प्रकार की जान माल की आनी नहीं हुई कुछ समय बाद ग्रामीणों के सहयोग से क्रेन की सहायता से ट्रक को बाहर निकाल कर यातायात चालू करवाया।

दो दिवसीय पद दंगल डेरी चेयरमैन बन्नाराम मीणा के मुख्य आतिथ्य में हुआ संपन्न

» मदरलैंड, महेश मीणा

रैणी। दो दिवसीय पद दंगल में मुख्य अतिथि के रूप में अलवर सरस डेयरी चेयरमैन बन्ना राम मीना ने की शिरकत की पंचायत समिति रैणी के गाँव- भेडोली में दो दिवसीय पद दंगल में आज मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद रहे । कार्यक्रम में ग्रामीण लोगों ने मुख्य अतिथि तथा अन्य सभी अतिथियों का स्वागत माला पहनाकर व साफा बंधवा कर भव्य स्वागत किया गया। मंच का संचालन फिरोजपुर सरपंच रामकिशन मीना ने किया । इस अवसर पर रमेश चन्द मीना उप शासन सचिव , दिल्ली , डी सी मीना डायरेक्टर व कानेटी सरपंच कमलेश मीना सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित हुए धवले राम मीना , झण्डू राम मीना , रामसिंह मीना गायक कलाकारों ने धार्मिक कथाएं सुनाते हुए श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया गया सभी ने गायक कलाकारों की सराहना की।

मौसम में आया बदलाव आकाश में छाए बादल हुई वर्षा

» मदरलैंड संवाददाता

अलवर शहर सहित ग्रामीण क्षेत्रों में मौसम ने ली करवट अनेकों जगह वर्षा हुई जिससे किसानों के चेहरे पर खुशी की लह जिससे किसानों के चेहरे पर खुशी नजर आई। कृषि जानकारों ने बताया कि इस समय इंद्र देव की कृपा से होने वाली सामान्य वर्षा इस फसल के लिए वरदान साबित होगी। अधिकांश इलाका डार्क जोन होने के कारण किसानों के अधिकांश बोरिंग में वह में पानी नीचे चले गए जमीन बंजर होने के कगार पर है ऐसी स्थिति में रवि की मुख्य फसल गेहूं सरसों चना की खेती के लिए वरदान साबित होगी।

श्मशान घाट जाने वाले रास्ते पर प्रभावशाली लोगों का अतिक्रमण

» मदरलैंड, अशोक भारद्वाज

कठूमर । ग्राम पंचायत मुख्यालय नूरपुर में प्रभावशाली लोगों ने श्मशान घाट की और जा रहे रास्ते पर अतिक्रमण कर रखा है। इस रास्ते पर अतिक्रमण होने से गांव के आंगनबाड़ी, स्कूल, मंदिर आदि को आने-जाने में रास्ते अवरूद्ध हो गए हैं। सरपंच रामादेवी एवं ग्रामीणों ने एसडीएम अनिल कुमार सिंघल को दिए ज्ञापन में बताया कि इस रास्ते पर श्मशान घाट, हनुमान, शिव मंदिर के अलावा सरकारी स्कूल,व आंगनबाड़ी केंद्र स्थित है। और सैकड़ों लोगो व बच्चों का इस और आवागमन लगा रहता है। लेकिन गांव के कुछ लोगों द्वारा उस रास्ते पर पक्की दीवार बनाकर अवरुद्ध कर दिया गया। और ईंधन इत्यादि जमा कर रखे हैं। ग्रामीणों ने ज्ञापन में बताया कि रास्ते रास्ते पर अतिक्रमण होने से इन स्थानों सहित 20, 25 घरों व खेतों का रास्ता बंद हो गया है। ग्रामीणों ने प्रशासन से इस रास्ते को अविलंब खुलवाने की मांग की है। ग्राम नूरपुर के लोगो द्वारा आम रास्ते पर अतिक्रमण होने की जानकारी मिली है तहसीलदार को पुलिस जाब्ते के साथ मौके पर जाकर शीघ्र अतिक्रमण हटाने के निर्देश दिए गए हैं। अनिल कुमार सिंघल एसडीएम कठूमर कुछ लोगों द्वारा चारागाह की जमीन पर पक्की दीवार बनाकर अतिक्रमण करने की एसडीएम कार्यालय को दी है। मौके पर जाकर उचित कार्यवाही की जाएगी।

पपला की सहयोगी जिया को 14 दिन की जेल भेजा

मदरलैंड संवाददाता, बहरोड़। लॉकअप ब्रेक मामले में आरोपी पपला गुर्जर की प्रेमिका जिया को आज नीमराणा पुलिस ने बहरोड न्यायालय में पेश किया। इस दौरान पुलिस द्वारा कड़ी सुरक्षा के इंतजाम किए गए। आपको बता दें कि मोस्ट वांटेड पपला गुर्जर कोल्हापुर में जिया के साथ ही मकान में रुका हुआ था। जिसे महाराष्ट्र के कोल्हापुर से पुलिस ने गिरफ्तार किया था। पुलिस ने जिया से पूछताछ की साथ ही आज न्यायालय में पेश किया गया। जिस दौरान उन्हें 14 दिन के लिए जेल भेज दिया गया।

फायरिंग व हत्या के प्रयास मामले में तीन साल से फरार पवन जाट को किया गिरफ्तार

» मदरलैंड, हीरालाल भूरानी

खैरथल । पुलिस महानिरीक्षक हवा सिंह धुमरिया जयपुर व पुलिस अधीक्षक राममूर्ति जोशी जिला भिवाड़ी के निर्देशन में लंबित अनुसंधान प्रकरणों में फरार मुलजिमों की गिरफ्तारी अभियान के तहत अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक नीमराना राजेंद्र सिसोदिया, वृताधिकारी किशनगढ़ बास अतुल अग्रे के पर्यवेक्षण में कार्रवाई करते हुए करीब तीन साल से फरार मुलजिम पवन जाट को हरियाणा से गिरफ्तार किया गया। थाना अधिकारी दारा सिंह मीणा ने बताया कि मुलजिम पवन जाट अपने साथी बदमाशान के साथ क्षेत्र के गांव हरसोली में कुआं पूजन समारोह में अवैध हथियारों से फायरिंग कर हत्या का प्रयास किया था तथा बाद घटना गुरूग्राम हरियाणा में फरारी काट रहा था। घटना का विवरण बताते हुए थानाधिकारी ने बताया कि दिनांक 21/2/2018 को शाम करीब सात सवा सात बजे एक सफेद रंग की इंटियोस कार रजिस्ट्रेशन नंबर ल्फ 99 ळ 9591 में सवार तीन बदमाशान द्वारा ग्राम हरसोली निवासी विनोद सिंह पुत्र राधेश्याम जाट के कुआं पूजन समारोह में अवैध हथियारों से फायरिंग कर जानलेवा हमला किया था। तथा मुलजिमान बाद वारदात मौके से फरार हो गए आदि पर मु नं 56/2018 धारा 307,34 आईपीसी व 3/25 आर्म्स एक्ट में कायम कर अनुसंधान किया गया।। गिरफ्तार मुलजिम पवनं पुत्र ओमप्रकाश जाट उम्र 31 साल निवासी मोहनपुर, पुलिस थाना नांगल चौधरी जिला महेंद्र गढ़। जबकि पूर्व में मनीष पुत्र विरेन्द्र जाट निवासी झाड़का पुलिस थाना खैरथल तथा नितिन पुत्र कप्तान सिंह जाट निवासी झाड़का थाना खैरथल गिरफ्तार किए जा चुके थे। गठित टीम में दारा सिंह मीणा थानाधिकारी पुलिस थाना खैरथल,हैडकांस्टेबल सुनील 28, कांस्टेबल फारुख 541 व कांस्टेबल विजय सिंह 829 थे। फोटो कैप्शन-पुलिस गिरफ्त में पवन जाट।

दिव्यांग सेवा के प्रति बढ़ रहा युवाओं का जज्बा

» मदरलैंड, मयंक जोशी

बहरोड़। हाल ही मुख्यमंत्री अशोक गहलोत द्वारा उच्च शिक्षा में अध्ययनरत छात्र छत्राओं के लिए राजस्थान आनंदम योजना चलाई गई है। जिसके अंतर्गत कॉलेज में पढ़ रहे बच्चों को कम्युनिटी सेवा में आगे आने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। वहीं बच्चों में भी कम्युनिटी एवं सोशल वर्क के लिए काफी उत्साह नजर आ रहा है। इसी क्रम में जर्नलिज्म की छात्रा रक्षिता अग्रवाल ने मंथन फाउंडेशन के कार्यालय में विजिट किया एवं डॉ. पीयूष गोस्वामी द्वारा संस्था के माध्यम से दिव्यांग बच्चों की शिक्षा एवं पुनर्वास के लिए किए जाने वाले प्रयासों को बारीकी से सीखा एवं समझा। विजिट के दौरान उन्होंने बच्चों एवं उनके माता पिता से भी संपर्क किया। जिससे उन्हें पता लगा कि गांवों एवं छोटे शहरों में सुविधाओं एवं जागरूकता के आभाव में दिव्यांग बच्चों को वे सभी सुविधाएं नहीं मिल पाती। जिनकी उन्हें आवश्यकता होती है। साथ ही समाज द्वारा शारिरिक एवं मानसिक रूप से दिव्यांग बच्चों को उपेक्षित भी किया जाता है। सुविधाओं के अभाव के साथ साथ पुनर्वास सुविधाओं की महँगी फीस के कारण भी बच्चे थेरेपीज से वंचित रह जाते हैं। वहीं पर मंथन दिव्यांग बच्चों एवं उनके माता पिता के लिए उम्मीद की किरण है। जहां बच्चों को न केवल निःशुल्क शिक्षा दी जाती है बल्कि निःशुल्क थेरेपीज, व्यावसायिक प्रशिक्षण भी प्रदान किया जाता है ताकि ये बच्चे आत्मनिर्भर बन सकें। साथ ही उन्होंने दिव्यांगता के प्रकार, कारणों एवं इससे बचने के उपायों के बारे में डॉ. सविता गोस्वामी से भी चर्चा की। डॉ. गोस्वामी ने बताया कि मानसिक एवं शारीरिक दिव्यांगता के कई प्रकार है। जिसमें मानसिक मंदता, डाउन सिंड्रोम, सेरेब्रल पाल्सी, श्रवण बाधिता, दृष्टि बाधिता, आटिज्म आदि मुख्य हैं।

इस सेवा कार्य में उन्हें फाउंडेशन के अन्य सदस्यों एवं दानदाताओं का सहयोग भी बराबर मिलता रहता है। जर्नलिस्म छात्रा रक्षिता ने संस्था की सम्पूर्ण कार्यप्रणाली को बारीकी से जाना साथ ही उनके द्वारा बच्चों को स्टेशनरी किट भी उपलब्ध कराई गई।

ट्रैक्टर मार्च चक्का जाम को लेकर दिए उपखंड अधिकारी ने पुलिस प्रशासन को आवश्यक निर्देश

शांतिपूर्ण प्रदर्शन की अपील

» मदरलैंड, देशबंधु जोशी

राजगढ़ । अखिल भारतीय किसान यूनियन टिकैत के द्वारा नैब तहसीलदार राजगढ़ को दिनांक 6 फरवरी 2021 को तहसील राजगढ़ के कांधौली बाईपास नामक स्थान पर ट्रैक्टर मार्च एवं चक्का जाम करने हेतु एक ज्ञापन उपखंड अधिकारी राजगढ़ के नाम सौंपा गया ज्ञापन पर कार्रवाई करते हुए उपखंड मजिस्ट्रेट राजगढ़ ने उक्त मामले के बारे में जिला मजिस्ट्रेट अलवर को अवगत कराया एवं पुलिस उप अधीक्षक राजगढ़ एवं थानाधिकारी राजगढ़ को उक्त प्रदर्शन के बारे में अनौपचारिक औपचारिक स्त्रोतों से जानकारी एकत्रित कर पर्याप्त जागता व्यवस्था सुनिश्चित करते हुए कानून एवं व्यवस्था बनाए रखने हेतु निर्देशित किया गया। साथ ही उपखंड अधिकारी राजगढ़ ने आयोजन करता एवं किसानों से कोरोना की गाइडलाइन एवं शांतिपूर्ण प्रदर्शन की अपील की।

वैक्सीन टीका द्वितीय चरण में लगाया गया

मदरलैंड संवाददाता, कठूमर। उपखंड मुख्यालय पर गुरुवार को राजकीय सामुदायिक चिकित्सालय पर एसडीएम अनिल कुमार सिंघल की मौजूदगी में कठूमर तहसीलदार गिरधर सिंह मीणा को कोराना वैक्सीन टीका लगाया गया। इस मौके पर तहसीलदार गिरधर सिंह मीणा ने सभी से वैक्सीनेशन का टीका लगवाने का आह्वान किया। इसके उपरांत तहसील के कर्मचारियों का वैक्सीनेशन किया गया। और साथ ही पुलिस विभाग के एएसआई रामफूल ने बताया कि आज उपस्थित सभी पुलिसकर्मियों को टीका लग गया है। शेष रहे पुलिस कर्मियों को टीका लगवाया जाएगा। इधर एसडीएम अनिल कुमार सिंघल ने बताया कि आज गुरुवार को रेवेन्यू विभाग के कर्मचारियों का वैक्सीनेशन किया जा रहा है।

किसान देश का अन्नदाता, सरकार किसानों के साथ: शाहनवाज

» मदरलैंड संवाददाता

रुड़की। दरगाह पिरान कलियर शरीफ में पूर्व केंद्रीय मंत्री व बिहार एमएलसी शाहनवाज हुसैन ने चादर पेश की तथा देश में अमन व शांति के लिए दुआ मांगी। सै.शहनवाज हुसैन ने कहा की भारतवर्ष सूफी-संतों का प्राचीन काल से देश रहा है और इन सूफी-संतों ने बिना किसी धर्म के भेदभाव के मानव जाति के कल्याण के लिए अपने जीवन को समर्पित किया ।उनमें हजरत मखदूम साबिर पाक का महत्वपूर्ण स्थान है ।उन्होंने कहा यह खुशी की बात है कि हरिद्वार में जहां एक ओर मां गंगा हिंदू धर्म के लोगों को लोगों की आस्था का प्रतीक है और वहां से मां गंगा बिना भेदभाव के सभी धर्मों को अपने जल के माध्यम से लाभान्वित करती है,उसी प्रकार हजरत साबिर साहब की दरगाह भी हिंदू-मुस्लिम एकता का प्रतीक है ।पूर्व केंद्रीय मंत्री दरगाह हजरत साबिर पाक में हाजिरी के पश्चात हाजी भाजपा नेता हाजी मुस्तकीम के घर पर पहुंचे तथा पार्टी कार्यकताओं को देश की एकता व अखंडता के लिए कार्य करने व प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यों एवं नीतियों को जन-जन तक पहुंचाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि किसानों के हित का कानून जो संसद में पास किए हैं वह देश के किसानों के लिए हितकारी हैं अगर बारीकी से उन पर विचार किया जाए तो किसानों को पता चल जाएगा। उन्होंने कहा कि हमारे किसान भाई हमारे परिवार व देश का हिस्सा हैं और जल्दी ही वार्ता के माध्यम से उनकी समस्याओं का समाधान प्रधानमंत्री द्वारा किया जाएगा। राज्य मंत्री शादाब शख्स ने कहा कि भाजपा की नीतियों एवं कार्यक्रमों का जोर शोर से प्रचार किया जा रहा है ।कार्यक्रम के माध्यम से गांव-गांव तक प्रधानमंत्री के कार्यक्रमों की योजनाओं का लाभ पहुंचाया जा रहा है। अल्पसंख्यक मोर्चा जिलाध्यक्ष प्रधान बहरोज आलम ने कहा कि बड़ी संख्या में मुसलमानों को भाजपा में जोड़ा जा रहा है और आगामी चुनाव में भाजपा को इसका लाभ मिलेगा। इस अवसर मेयर गौरव गोयल, विधायक देशराज कर्णवाल, पूर्व मंत्री श्यामवीर सैनी, ओमप्रकाश जगदम्बनी पूर्व जिलाध्यक्ष, वरिष्ठ भाजपा नेता सुबोध राकेश, जमील अहमद, राहुल अहमद, अजमत अली,राव सरफराज, अनीस कस्सार, राव शराफत अली,गुलफाम शेख, शमशाद अली, इनाम, समीर अहमद, अब्बास, शमशाद अली तथा अंजूम गौर आदि ने उनका गर्मजोशी से फूल माला पहनाकर स्वागत किया।

शिक्षक संघ ने की नारसन, भगवानपुर शिक्षाधिकारियों से मुलाकात

» मदरलैंड संवाददाता

रुड़की। उत्तराखंड प्रदेशीय जूनियर हाईस्कूल शिक्षक संघ हरिद्वार की नवगठित कार्यकारिणी ने गुरुवार को नारसन उपखंड शिक्षा अधिकारी ब्रज पाल सिंह राठौर और भगवानपुर उपखंड शिक्षा अधिकारी कुंदन सिंह से शिष्टाचार भेंट की। कार्यकारिणी ने दोनों अधिकारियों के समक्ष शिक्षकों से जुड़ी समस्याएं भी उठाई। उपखंड अधिकारी ब्रज पाल सिंह और कुंदन सिंह ने कार्यकारिणी को साथ मिलकर चलने और शिक्षकों की उचित मांगो के हर संभव निस्तारण को आश्वास्त किया।

इस दौरानं जिला अध्यक्ष पवन सैनी और महामंत्री किरत पाल सिंह ने कहा कि शिक्षक संघ हर मोर्चे पर शिक्षकों के साथ खड़ा है। हर अच्छे काम में अधिकारियों को भी सहयोग किया जाएगा, लेकिन गलत काम का डटकर विरोध भी होगा। शिक्षक संघ शिक्षकों की आवाज उठाने और समस्याओं का निदान कराने को पूरी तरह से संघर्षरत रहेगा। सबको साथ लेकर चलने का संघ का प्रयास है। संघ के लिए सब शिक्षक एक समान हैं। इसमें किसी तरह से कोई भेदभाव नहीं किया जाएगा। इस अवसर पर मुहब्बत अली, मनोज धीमान, वीपी सिंह, अरुण सैनी, नरेश कुमार सैनी, मुकेश कुमार, शशि लामयान, रिजवान अली, धर्मसिंह, सुभाष चंद रूहेला, अनिल चमोली, गोपी चंद सैनी, केपी सिंह, दीपंकर, राजू गौतम, प्रदीप कुमार, सुनील कुमार, अरविंद शर्मा, जल सिह राठौर, शरद शर्मा, वीर सिंह पंवार आदि शिक्षक साथ में रहे।

कारोबारी ने पीटा बैंक सफाई कर्मी

» मदरलैंड संवाददाता

नारसन। बैंक कर्मचारी को एक कारोबारी ने पीट दिया। कारोबारी ने कर्मचारी पर नए नोटों की गड्डी देने के नाम पर रकम हड़पने का आरोप लगाया है। मारपीट को लेकर बैंक में काफी देर तक हलचल बनी रही। जानकारी के अनुसार नारसन क्षेत्र के एक कारोबारी के यहां शादी है। इसके लिए वह बैंक में नए नोटों की गड्डी लेने के लिए पहुंचा। आरोप है कि बैंक में तैनात सफाई कर्मी ने अपने घर पर नए नोटों की गड्डी होने की बात कहते हुए कारोबारी से रकम ले ली। कारोबारी ने बाद में नोटो की गड्डी मांगी तो नोट अपने पास न होने की बात कह दी। काफी मिन्नतों के बाद भी नोट न मिल पाने से कारोबारी का गुस्सा फूट पड़ा। बैंक सफाई कर्मी को बाहर सर्विस रोड पर बुलाकर कारोबारी ने उसकी पिटाई कर दी। बैंक कर्मी को पीटते देख बैंक के अंदर पैसे लेने गए ग्राहकों में अफरा तफरी मच गई। बैंक कर्मी भी घटनास्थल पर पहुंच गए किसी तरह से कारोबारी से ग्राहकों ने बैंक कर्मियों को छुड़ाया। शाखा मैनेजर ने आरोपी कर्मचारी को हिदादत देकर घर भेज दिया।

संक्षिप्त समाचार

पुजारी ने विधायक को पत्र भेजकर लगाये आरोप

मदरलैंड संवाददाता,रुड़की। पंचशील काली मंदिर के पुजारी जीवन शर्मा ने विधायक प्रदीप बत्रा को पत्र भेजकर आईआईटी बोट क्लब के सामने प. दीन दयाल उपाध्याय पार्क में कराए जा रहे निर्माण को भेदभाव भरा बता दिया है। जीवन शर्मा ने कहा कि इससे समाज में भेदभाव हो रहा है, जो बेहद दुखद है। आरोप लगाया कि सिंचाई विभाग एवं प्रशासन से सांठगांठ कर देश के लिए बलिदान देने वाले स्वस्त्रता सैनानी पंडीत दीन दयाल उपाध्याय की अनदेखी कर दी गई है। विधायक ने ही पार्क में पंडित दीन दयाल उपाध्याय की मूर्ति लगवानी थी, लेकिन इसकी जगह राजा अग्रसेन की मुर्ती लगवा दी। जिससे समाज दुखी है। कहा कि इससे दोनों ओर दूरियां बढ़ेगी। गांधी वाटिका के सामने बीटी गंज वाले झूला पुल पर भी पं. दीन दयाल उपाध्याय की प्रतिमा को जगह नही दी गई। उन्होने सवाल उठाया कि क्या बोट क्लब पर पं. दीन दयाल उपाध्याय की प्रतिमा की जगह दूसरी प्रतिमा लगना उचित है। कहा कि इसे लेकर वह ब्राहमण समाज की ओर से आवाज उठाएगें।

व्यापारियों का उत्पीड़न बर्दाश्त नहीं: आप

मदरलैंड संवाददाता, हरिद्वार। कुंभ की आधिकारिक अवधि को दो सप्ताह किये जाने पर आप पार्टी ने आपत्ति दर्ज करते हुए इसका विरोध किया है। आप ने इसे डबल इंजन सरकार की विफलता बताते हुए सरकार का व्यापारियों के प्रति सौतेला व्यवहार बताया। पूर्व जिलाध्यक्ष हेमा भण्डारी ने कहाकि हरिद्वार में व्यापारी कोरोना महामारी के बाद व्यापार में गिरावट से त्रस्त है। पहले से उपेक्षा का शिकार व्यापारी कुम्भ को लेकर आशावान था, परंतु सरकार ने उनकी मंशा पर पानी फेरने का काम किया है । एक तरह सरकार 1 फरवरी से सिनेमाघरों एवम स्विमिंग पुलों को खोल रही है। वही कोरोना नियमो का हवाला देकर हरिद्वार में ट्रेनों पर रोक लगाने यात्रियों को ठहरने न देने व सीमित संख्या करने पर विचार कर रही है। बिना श्रद्धालुओं के भव्य व दिव्य कुम्भ का सपना कैसे सार्थक होगा सरकार को ये भी बताना चाहिए। पूर्व जिला सचिव अनिल सती ने कहा कि डबल इंजन की सरकार हर मोर्चे पर असफल साबित हुई है। कोरोना से टूटे व्यापारियों को कुंभ से बड़ी आस थी परंतु कुम्भ को लेकर सरकार गंभीर नही दिखती। व्यापारी ओर संतो को एक साथ खड़ा होकर विरोध करने की आवश्यकता है।

47 सीटे ही रहेगीं जिला पंचायत में, 8 तक होगी आपत्तियां दर्ज

मदरलैंड संवाददाता, रुड़की। प्रशासन ने जिला और क्षेत्र पंचायत की सीटों के परिसीमन के बाद अंतिम प्रकाशन कर दिया है। इस बार भी सीटों की संख्या में कोई बदलाव नहीं हुआ है। 8 फरवरी तक कोई भी व्यक्ति आपत्तियां दर्ज कर सकता है। पंचायतों का कार्यकाल 31 मार्च को पूरा होने जा रहा है। प्रधान और ग्राम पंचायत सीटों के लिए पिछले साल ही परिसीमन किया जा चुका था, लेकिन ढंडेरा, पाड़ली गुर्जर, इमलीखेड़ा और रामपुर को नगर पंचायत का दर्जा देने के लिए शुरू हुई कवायद के चलते परिसीमन को स्थगित कर दिया गया था। जनवरी से फिर से पंचायत चुनाव को लेकर परिसीमन प्रक्रिया शुरू की गई। जिलाधिकारी सी रवि शंकर ने क्षेत्र पंचायत और जिला पंचायत के सीटों की परिसीमन की अंतिम सूची का प्रकाशन बुधवार को कर दिया है।

रोमांचक मुकाबले मे 5 रन से जीता रामपुर

» मदरलैंड संवाददाता

पिरान कलियर। ताल कटोरा स्टेडियम में फाइनल मैच के मुकाबले में रामपुर और पिरान कलियर की दोनो दमदार टीमों ने बेहद रोमांचक मैच दिखाया, जिसमे रामपुर की नूर आलम सिब्बू की टीम ने विजय हासिल की ,जिसके लिए रामपुर टीम बधाई की पात्र है,साथ साथ पिरान कलियर की उप विजेता टीम को भी ढेर सारी मुबारकबाद इस टीम ने भी बड़ी मेहनत के साथ अपना दम खम दिखाया, मैच भले ही रामपुर की टीम ने जीता हो लेकिन दिल पिरान कलियर की टीम ने जीता है। हार जीत होती रहती है अखाड़े में जब दो पहलवान खड़े होते है तो एक को हारना ही होता है लेकिन तुम हारकर भी जीते हो। रोमांचक मैच के कड़े मुकाबले का लुत्फ पिरान कलियर की आसपास की जनता के साथ कलियर विधायक हाजी फुरकान अहमद ने भी उठाया, लास्ट विकेट में आउट होने के बाद ग्राउंड का अलग ही नजारा रहा।

ठंडे बस्ते में पहुंचा ढंडेरा नगर पंचायत का मामला

» मदरलैंड संवाददाता

रुड़की। त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव के मद्देनजर परिसीमन करने के बाद अंनतिम प्रकाशन जारी हो जाने के बाद जिले में घोषित चार नई नगर पंचायत के गठन का मामला ठंडे बस्ते में चला गया है। इससे सबसे ज्यादा मायूसी ढंढेरा के लोगों को हुई है। क्योंकि यहां के लोग 2017 में नगर पंचायत का शासनादेश जारी होने के बाद से सरकार की ओर टकटकी लगाए हुए थे। इस मामले में जिलाधिकारी ने कहा है कि उनके पास नई नगर पंचायतों को लेकर सरकार की ओर से कोई आदेश नहीं आए हैं। ऐसे में त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव के मद्देनजर पूरे जिले में परिसीमन का अनन्तिम प्रकाशन कर दिया गया है। 6 नवंबर को शहरी विकास मंत्री मदन कौशिक ने ढंढेरा, इमलीखेड़ा, रामपुर और पाड़ली नगर पंचायतों की घोषणा करते हुए जिलाधिकारी से रिपोर्ट मांगी थी। नई नगर पंचायतों के गठन की प्रक्रिया के चलते जिले में पहले से चल रहे त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव के मद्देनजर परिसीमन के काम पर भी रोक लगा दी थी। इसके बाद से नई नगर पंचायतों के गठन के लेकर कोई कार्रवाई नहीं हो सकी है। सूत्रों की माने तो नई पंचायतों के गठन की फाइल मुख्यमंत्री कार्यालय से वापस शहरी विकास विभाग को लौटा दी गई है। इसी बीच विगत 20 जनवरी को पंचायती राज सचिव हरिचंद्र सेमवाल ने जिलाधिकारी को पत्र भेजकर परिसीमन का काम फिर से शुरू करने के निर्देश दिए थे। इसके तहत परिसीमन पूरा कर लिया गया है। खास बात यह है कि यह परिसीमन पूरे जिले में हुआ है, जिनमें वे क्षेत्र भी शामिल हैं जिन क्षेत्रों को नई नगर पंचायत बनाने की घोषणा की गई थी। ऐसे में अब यह साफ हो गया है कि सरकार ने नई नगर पंचायतों के गठन से हाथ खींच लिया है। इससे नगर पंचायत के गठन से होने वाली खुशी मायूसी में तब्दील हो गई है।

जगतगुरू रामानन्द महाराज की जयंती पर निकाली शोभायात्रा

» मदरलैंड संवाददाता

हरिद्वार। मेला अधिकारी दीपक रावत ने आज रामानन्द आचार्य महापीठ गोकुलधाम (आंवले वाला) भूपतवाला पहुंचकर आदि जगतगुरू रामानन्द महाराज की 721वीं जयन्ती के उपलक्ष्य में आयोजित कार्यक्रम में भाग लिया।

इस अवसर पर उन्होंने पूजा-अर्चना करने के पश्चात महामण्डलेश्वर प्रेमदास, श्रीमहन्त रविन्द्रपुरी महाराज, विष्णुदास, धर्मदास, ब्रह्मस्वरूप ब्रह्मचारी, दुगार्दास, बाबा हठयोगी, गौरीशंकर से मुलाकात कर आशीर्वाद लिया। महामण्डलेश्वर प्रेमदास, श्रीमहन्त रविन्द्रपुरी महाराज, विष्णुदास, दीपक रावत, संजय गुंजयाल ने आदि जगत्गुरू रामानन्द महाराज की जयन्ती के उपलक्ष्य में महापीठ गोकुलधाम (आंवले वाला) भूपतवाला से श्रवण नाथ नगर तक निकाली जाने वाली शोभा यात्रा का दीप प्रज्ज्वलित कर शुभारम्भ किया।

इससे पूर्व आचार्य महापीठ गोकुलधाम पहुंचने पर मेलाधिकारी दीपक रावत, पुलिस महानिरीक्षक संजय गुंजयाल व अन्य अधिकारियों को शाल ओढ़ाकर सम्मानित किया गया।

बसपा नेताओ ने उठाए परिसिमन पर सवाल, बोले, एकरूपता नहीं

» मदरलैंड संवाददाता

रुड़की। हरिद्वार जिला पंचायत के परिसीमन के प्रकाशन को लेकर विपक्षी दलों ने तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। बसपा के प्रदेश उपाध्यक्ष एवं पूर्व विधायक शहजाद अली ने कहा कि जिस तरह का परिसीमन हुआ है ऐसा कभी भी जिला हरिद्वार के इतिहास में नहीं हुआ है। परिसीमन पर सवाल उठाते हुए उन्होंने कहा कि जारी किए गए परिसीमन में एकरूपता नहीं है और कुछ गांव को गलत तरीके से जोड़ा गया है। उन्होंने कहा कि जिला पंचायत सीट के लिए जो परिसीमन जारी किया गया है उसमें किसी सीट पर 19 हजार मतदाताओं को तो किसी सीट पर 32 हजार से अधिक मतदाताओं को रखा गया है जो किसी भी तरीके से सही नहीं है। उन्होंने कहा कि सरकार के दबाव में अधिकारियों ने परिसीमन किया है जिसकी वह भर्त्सना करते हैं। जिला पंचायत के पूर्व चेयरमैन चैधरी राजेंद्र सिंह ने कहा कि जिला पंचायत सीटों को लेकर जो परिसीमन किया गया है वह पूरी तरह गलत है। उन्होंने आरोप लगाया कि नियमों को ताक पर रखकर जिला पंचायत सीटों का परिसीमन किया गया है। इस परिसीमन से क्षेत्र के लोगों में रोष है। उन्होंने कहा इसका नुकसान विपक्ष को नहीं बल्कि चुनाव में भाजपा को ही भुगतना पड़ेगा। भाजपा के झबरेड़ा विधायक देशराज कर्णवाल ने बुधवार को जारी किए गये परिसीमन के प्रकाशन को लेकर कहा कि जिला प्रशासन ने नियमों के आधार पर ही सही तरीके से परिसीमन किया है यदि किसी को भी आपत्ति हो तो वह अपनी निर्धारित समय के भीतर आपत्ति दर्ज करा सकता है और आपत्तियों पर निश्चित तौर पर निष्पक्ष सुनवाई होगी। उन्होंने कहा कि विपक्षी दलों का यह आरोप कि इस सरकार के दबाव में जिला पंचायत सीटों का परिसीमन किया गया है बिल्कुल बेबुनियाद है।

किसानों पर जबरन काले कानून थोपना चाहती है सरकार: कांग्रेस

» मदरलैंड संवाददाता

रुड़की। कांग्रेस जिला प्रभारी याकूब सिद्दीकी ने कहा कि भाजपा सरकार कृषि कानूनों को किसानों पर जबरदस्ती थोपना चाहती है। कहा कि कांग्रेस इन काले कानूनों को लेकर। किसानों के साथ मुस्तेदी से खड़ी है। लंढौरा में कांग्रेस जिला प्रभारी याकूब सिद्दीकी ने कहा कि केंद्र में 6 साल से भाजपा की सरकार है। आरोप लगाया कि कुनीतियों के चलते 6 साल में देश में बेरोजगारी बढ़ती जा रही है। कहा कि कुछ राजनैतिक दल चुनाव मैदान में उतर कर भाजपा को अप्रत्यक्ष रूप से लाभ पहुंचाने की तैयारी कर रहे है। इसलिए जनता को ऐसे दलों के बहकावे आने से बचना होगा। विधानसभा प्रभारी शोभाराम ने कहा कि आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर बूथ कमेटी गठित कर पार्टी को मजबूत करने का कार्य किया जा रहा है। जितेंद्र पंवार ने कहा कि केंद्र सरकार कृषि काले कानून बना कर किसानों पर जुल्म करने में अड़ी हुई है। कहा कि आगामी विधानसभा चुनाव में भाजपा को इसका खामियाजा भुगतना पड़ेगा। इस मौके पर जगदेव सिंह, नगर अध्यक्ष हाजी मुस्तकीम, तहसीन, नीटू चैधरी, मनव्वर, अफजाल, नसीम, आजम याशी, मनोज चैधरी, अतरू, विपिन, इकबाल, नागपाल नगर मौजूद रहे। उधर झबरेड़ा के कुमराड़ा में ब्लॉक कांग्रेस कमेटी में संगठन की मजबूती व कार्य योजनाओं के बारे में कार्यकताओं को विस्तृत जानकारी दी गई। ब्लॉक अध्यक्ष अवनीश चैधरी के आवास पर आयोजित बैठक में रुड़की ग्रामीण जनपद प्रभारी याकूब सिद्धकी ने कांग्रेस संगठन की मजबूती व कार्य योजनाओं के बारे में कार्यकताओं को विस्तृत जानकारी देते हुए समझाया और आगे की रणनीति के लिए निर्देशित किया। ब्लॉक अध्यक्ष अवनीश चैधरी ने पार्टी व ब्लॉक संगठन कार्यकारिणी के विस्तार पर विचार रखें। इस दौरान लोकेश सिसोदिया कुमराडा, सचिन सिसोदिया उद्धलेडी, सोनू सिसोदिया लहबोली, अमित कश्यप लाठरदेवा हुण ने भाजपा छोड़ने के बाद कांग्रेस की सदस्यता ली। इस अवसर पर बिजेंदर ,जोगिंदर सिंह, कारी इस्माइल, सलमान, जितेंद्र सैनी, सुरेंद्र सिंह, राजकुमार मौजूद रहे। उधर किसान कांग्रेस कार्यकर्ताओ ने महंगाई और कृषि कानूनों के विरोध में तहसील रुड़की में धरना प्रदर्शन किया। इसमें जिलाध्यक्ष सेठपाल परमार, पीसीसी सदस्य उदय सिंह पुंडीर, राजपाल सिंह, श्री गोपाल नारसन, देवेश शर्मा, अनिल पुंडीर ने कृषि कानूनों को लेकर केंद्र सरकार पर हमला बोला। भाजपा और मोदी सरकार को किसान विरोधी करार दिया।

भेल में शुरू हुआ कोरोना वैक्सीनेशन सेंटर

» मदरलैंड संवाददाता

हरिद्वार। वैश्विक महामारी कोरोना के विरूद्ध निर्णायक कदम बढ़ाते हुए बीएचईएल के चिकित्सा विभाग द्वारा कोविड वैक्सीनेशन सेंटर की शुरूआत की गई है। मुख्य चिकित्सालय में स्थापित किए गए इस वैक्सीनेशन सेंटर का शुभारम्भ बीएचईएल हरिद्वार के कार्यपालक निदेशक संजय गुलाटी ने किया।

कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए संजय गुलाटी ने कहा कि संकट की इस घड़ी में बीएचईएल देश के साथ है तथा संकल्प और संयम से ही हम कोरोना रूपी इस चुनौती पर विजय प्राप्त कर सकेंगे। उन्होंने कहा कि कोविड वैक्सीन ने भले ही हमारी राह आसान कर दी है मगर अभी भी हमें सतर्क रहने एवं कोरोना से बचाव सम्बंधी दिशा-निदेर्शों का पालन करना आवश्यक है।

मई में हरिद्वार में होगा हिंदी साहित्य भारती का अधिवेशन

» मदरलैंड संवाददाता

देहरादून। मई माह में हरिद्वार में हिन्दी साहित्य भारती के वैश्विक अधिवेशन एवं संगोष्ठी का आयोजन होगा। इसमें देश, विदेश से संस्था के लगभग 300 प्रतिनिधि प्रतिभाग करेंगे। यह जानकारी हिन्दी साहित्य भारती के अंतर्राष्ट्रीय महामन्त्री डॉ. अनिल शर्मा ने दी। मुख्य अतिथि एवं हिन्दी साहित्य भारती के अंतर्राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. रवींद्र शुक्ल ने कहा कि संस्था का प्रमुख उद्देश्य भारत के गौरवशाली साहित्य एवं सांस्कृतिक चेतना को विश्व पटल पर प्रतिष्ठा दिलाना और हिन्दी को देश में राष्ट्रभाषा का संवैधानिक अधिकार दिलाना है। कहा कि भारत विरोधी विचारधारा के लोगों ने साहित्य, समाज और राष्ट्र का बड़ा नुकसान किया है। संस्था ऐसे लोगों को बेनकाब कर राष्ट्रवादी सोच के साहित्यकारों को सम्मान दिलाने का कार्य करेगी। बैठक की अध्यक्षता कर रहे प्रदेशाध्यक्ष डॉ. बुद्धिनाथ मिश्र ने कहा कि उत्तराखंड में हिन्दी साहित्य भारती का कार्य तेजी से आगे बढ़ रहा है। केंद्र के दिशा निदेशों पर कार्य को और बेहतर बनाया जायेगा। कुम्भ के अवसर पर हरिद्वार में आयोजित होने वाला संस्था का अधिवेशन ऐतिहासिक होगा। कार्यकर्ता कार्यक्रम में देश, विदेश से आने वाले प्रतिनिधियों के स्वागत सत्कार व कार्यक्रम की सफलता में कोर कसर नही छोड़ेंगे। विशिष्ट अतिथि एवं हिन्दी साहित्य भारती के अंतर्राष्ट्रीय महामंत्री डॉ. अनिल शर्मा ने कहा कि देश के सभी प्रदेशों और विश्व के 35 देशों में विस्तार ले चुकी हिन्दी साहित्य भारती विश्व की सबसे बड़ी साहित्यिक संस्था बन चुकी है। बैठक की संचालक प्रदेश महामंत्री डॉ. कविता भट्ट शैलपुत्री ने आख्या प्रस्तुत करते हुए कहा कि प्रदेश के 13 जनपदों में से 11 में संगठन सुदृढ़ है अन्य 2 जनपदों में भी फरवरी माह में जिला कार्यकारिणी का विस्तार किया जायेगा। प्रदेश महामंत्री संगठन डॉ. कलीराम भट्ट, प्रदेश उपाध्यक्ष ललित मोहन राठौर शौर्य, प्रदेश संयुक्त महामंत्री डॉ. महेश शर्मा, मीनू जोशी, बीना जोशी, डॉ. अर्पणा रावत, प्रदेश कोषाध्यक्ष सचिन प्रधान, प्रदेश मीडिया संयोजक ठाकुर मोहित ने भी विचार व्यक्त किये और सुझाव दिए। बैठक में जिलाध्यक्ष अरुण शर्मा, डॉ गोपाल कृष्ण जोशी, जितेंद्र राय, नवीन चन्द्र शर्मा, भगत सिंह राणा हिमाद, राजेश जोशी, दिनेश चंद्र पाठक, जिला महामत्रीं अलका शर्मा, डॉ. सुनील दत्त थपलियाल, रोशन बलूनी, साधना जोशी, दमयन्ती भट्ट, डॉ. अनुपम शुक्ल, मोती प्रसाद साहू, संजय भारद्वाज, टिहरी संयोजक नीलकंठ व्यास, उधम सिंह नगर संयोजक विवेक बादल व नवीन भट्ट, नीलम जोशी, राजेन्द्र सिंह रावत, रेखा चमोली, सोनू उप्रेती, सुमन पांडेय, त्रिभुवन गिरू, कुलानन्द रतूड़ी, अमिताभ व्यास, अन्नु ध्यानी, भगवती पनेरू, दीपा पांडेय, धाराबल्लभ पांडेय, अनुज सेमवाल, मनीष पन्त मौजुद रहे।

पूंजिपतियो के हित में लाया गया है बजट: राजेंद्र

» मदरलैंड संवाददाता

रुड़की। कांग्रेस नेता राजेंद्र चैधरी एड़वोकेट ने मोदी सरकार के बजट को पूंजीपतियो का बजट बताया है। प्रेस को जारी बयान में राजेंद्र चैधरी एड़वोकेट ने कहा कि बजट में सरकार ने किसान, मजदूर, छोटे कारोबारियों के लिए कुछ नहीं किया है। ऊपर से दाल, जूते, कपड़े महंगे कर गरीब और मध्यमवर्गीय परिवारों को चोट जरूर दे दी है। लॉक डाउन और कोरोना काल में टूट चुके छोटे कारोबारियों को बजट में सरकार की तरफ से आर्थिक मदद का कोई प्रावधान नहीं रखा गया है। किसान को भी बैंको से कर्ज की सीमा तो बढ़ाई गई, लेकिन सहायता के तौर पर सरकार की ओर से उन्हे भी ठेंगा दिखा दिया गया है। कांग्रेस नेता ने कहा कि किसान, मजदूर, व्यापारी आत्म निर्भर कर्ज की खुराक से नहीं सरकार की मदद की खुराक से बन पाएगा। सरकार अगर उद्योगपतियों, अड़ानी, अम्बानी को सरकारी मदद दे सकती है तो किसान, मजदूर और छोटे कारोबारियों को क्यूं नहीं? कपड़े, जूते पहनना प्रत्येक व्यक्ति की जरूरत है, पेट भरने के लिए दाल, सब्जी सभी को खानी है, गरीब और मध्मवर्ग की इस जरूरत को देखते हुए सरकार को बजट में यह सस्ते करने चाहिए थे, लेकिन सरकार ने इन्हे महंगा कर दिया है। पैट्रोल, डीजल पर 4 प्रतिशल सेस लगाकर अन्य चीजों को महंगा कर दिया है। कहा कि पैट्रोल, डीजल महंगा होगा तो ट्रांसपोर्ट महंगा होगा और ट्रांसपोर्ट महंगा होगा तो जाहिर सी बात है सब चीजों के दाम बढ़ेगें। किसान की तो डीजल, पैट्रोल के दामों से कमर ही टूट रही है। उन्होने कहा कि यह बजट पूरी तरह से पूंजीपतियो का है। पूरे देश का किसान, मजदूर, छोटा और मझोला कारोबारी इसे लेकर गुस्से में है।

newsdesk@motherlandvoice.org
editor@motherlandvoice.org

भारत ईआईयू लोकतंत्र सूचकांक में 53वें स्थान पर फिसला

नई दिल्ली। भारत '2020 लोकतंत्र सूचकांक' की वैश्विक रैंकिंग में दो स्थान फिसलकर 53वें स्थान पर आ गया है। ह्यद इकोनॉमिस्ट इंटेलिजेंस यूनिट (ईआईयू) ने कहा कि प्राधिकारियों के 'लोकतांत्रिक मूल्यों से पीछा हटने' और नागरिकों की स्वतंत्रता पर 'कार्रवाई' के कारण देश 2019 की तुलना में 2020 में दो स्थान फिसल गया। हालांकि भारत इस सूची में अपने अधिकतर पड़ोसी देशी से ऊपर है। भारत को 2019 में 6.9 अंक मिले थे, जो घटकर 6.61 अंक रह गए हैं और यह विश्वभर के 167 देशों में लोकतंत्र की मौजूदा स्थिति की झलक दिखाता है। ईआईयू ने कहा कि मौजूदा शासन में ह्यह्यलोकतांत्रिक मूल्यों से पीछे हटने के परिणामस्वरूप, भारत को 6.61 अंक मिले और उसकी वैश्विक रैंकिंग (2014 में) 27वें से गिरकर 53वीं हो गई है। भारत को 2014 में 7.92 अंक मिले थे, जो उसे अभी तक मिले सर्वाधिक अंक हैं।ह्ल डेमोक्रेसी इन सिकनेस एंड इन हेल्थ? शीर्षक वाले ईआईयू के ताजा लोकतंत्र सूचकांक में नॉर्वे को शीर्ष स्थान मिला। इस सूची में आइसलैंड, स्वीडन, न्यूजीलैंड और कनाडा शीर्ष पांच देशों में शामिल रहे। लोकतंत्र सूचकांक में 167 देशों में से 23 देशों को पूर्ण लोकतंत्र, 52 देशों को त्रुटिपूर्ण लोकतंत्र, 35 देशों को मिश्रित शासन और 57 देशों को सत्तावादी शासन के रूप में वगीर्कृत किया गया है।

भारत को अमेरिका, फ्रांस, बेल्जियम और ब्राजील के साथ ह्यत्रुटिपूर्ण लोकतंत्रह्ल के तौर पर वगीर्कृत किया गया है। ईआईयू की रिपोर्ट में आरोप लगाया कि नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार ने भारतीय नागरिकता की अवधारणा में धार्मिक तत्व को शामिल किया है और इसे कई आलोचक भारत के धर्मनिरपेक्ष आधार को कमजोर करने वाले कदम के तौर देखते हैं। रिपोर्ट में कहा गया, ह्यह्यकोरोना वायरस वैश्विक महामारी से प्राधिकारियों से निपटने के तरीके के कारण 2020 में नागरिक अधिकारों का और दमन हुआ। भारत 2019 लोकतंत्र सूचकांक में 51वें स्थान पर रहा था। भारत के पड़ोसियों में से श्रीलंका 68वें, बांग्लादेश 76वें, भूटान 84वें और पाकिस्तान 105वें स्थान पर रहा।

क्या होता है इनसाइडर ट्रेडिंग

सेबी ने किशोर बियानी को बाजार से क्यों किया प्रतिबंधित

भारतीय प्रतिभूति एवं विनियम बोर्ड (सेबी) ने कंपनी के शेयरों में भेदिया कारोबार (इनसाइडर ट्रेडिंग) के लिए किशोर बियानी और फ्यूचर रिटेल लि. (एफआरएल) के कुछ अन्य प्रवर्तकों पर प्रतिभूति बाजार में कारोबार पर एक साल की रोक लगा दी है। बियानी फ्यूचर रिटेल लि. (एफआरआर) के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक हैं। बियानी के अलावा फ्यूचर कॉरपोरेट रिसोर्सेज प्राइवेट लि., अनिल बियानी और एफसीआरएल एम्पलाइज वेलफेयर ट्रस्ट पर प्रतिबंध लगाया है। इसके अलावा नियामक ने किशोर बियानी, अनिल बियानी और फ्यूचर रिसोर्सेज पर एक-एक करोड़

रुपये का जुमार्ना भी लगाया है। इसके साथ ही उन्हें गलत तरीके से कमाए गए 17.78 करोड़ रुपये के लाभ को लौटाने को कहा गया है। इसके अलावा फ्यूचर कॉरपोरेट रिसोर्सेज और एफसीआरएल एम्पलाइज वेलफेयर ट्रस्ट को भी गलत तरीके से कमाए गए 2.75 करोड़ रुपये के लाभ को लौटाने को कहा गया है। अनिल बियानी और फ्यूचर कॉरपोरेट रिसोर्सेजएफआरएल के प्रवर्तक हैं। इसके अलावा दोनों बियानी फ्यूचर कॉरपोरेट रिसोर्सेज के बोर्ड में निदेशक हैं। एफसीआरएल एम्पलाई वेलफेयर ट्रस्ट, फ्यूचर कॉरपोरेट रिसोर्सेज द्वारा गठित न्यास है।

इनसाइडर ट्रेडिंग क्या होता है?

इनसाइडर ट्रेडिंग का इस्तेमाल स्टॉक मार्केट में किया जाता है। इसे हिंदी में भेदिया कारोबार या अतरंगी लेन-देन भी कहा जाता है। गैरकानूनी तरीके से शेयर बेचकर या खरीदकर लाभ कमाना इंसाइडर ट्रेनिंग कहलाता है। यानी कि जब किसी कंपनी के मैनेजमेंट से जुड़ा हुआ व्यक्ति अंदरूनी जानकारी के आधार पर शेयर खरीद या बेच कर लाभ कमाता है तो उसे इंसाइडर ट्रेडिंग की श्रेणी में रखा जाता है। यह गुपचुप तरीके से कंपनी के अंदर काम करने वाले कर्मचारियों के द्वारा ही किया जाता है जिसमें कंपनी का फायदा शामिल होता है। अक्सर ऐसा काम कंपनी के शेयरों के भाव को बढ़ाने के लिए किया जाता है।

इंसाइडर ट्रेडिंग ज्यादातर कंपनी के मर्जर की स्थिति में ही की जाती है। जब एक कंपनी का दूसरी कंपनी में मर्जर होने वाला होता है तब प्रमोटर्स अपने करीबियों के नाम पर शेयर खरीदता है।

एचसीएल ने एयरबस से डिजिटल कार्यस्थल सेवा समझौता किया

नई दिल्ली। प्रमुख आईटी कंपनी एचसीएल टेक्नालॉजीज ने कहा कि उसने एयरबस के साथ पांच साल का डिजिटल कार्यस्थल सेवा समझौता किया है। हालांकि इस समझौते के वित्तीय विवरण की जानकारी नहीं दी गई। कंपनी ने एक बयान में कहा कि एचसीएल वैश्विक स्तर पर एयरबस के अधिकांश कर्मचारियों की सेवा की गुणवत्ता बढ़ाने के लिए एक आधुनिक डिजिटल कार्यस्थल स्थापित करेगी। एचसीएल टेक्नालॉजीज के कार्यकारी उपाध्यक्ष (ब्रिटेन तथा आयरलैंड, फ्रांस और बेनेलक्स) संदीप सक्सेना ने कहा कि हमें एयरबस के साथ डिजिटल कार्यस्थल परिवर्तन यात्रा में एक महत्वपूर्ण रणनीतिक भागीदार बनने की खुशी हैं।

संक्षिप्त समाचार

डॉलर के मुकाबले रुपया छह पैसे मजबूत

मुंबई। घरेलू शेयर बाजार में सुस्ती के बीच रुपया गुरुवार को शुरुआती कारोबार के दौरान अमेरिकी डॉलर के मुकाबले छह पैसे चढ़कर 72.90 के स्तर पर पहुंच गया। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा बाजार में स्थानीय इकाई अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 72.92 पर खुली और मजबूती दर्ज करते हुए 72.90 के स्तर पर पहुंच गई, जो पिछले बंद के मुकाबले छह पैसे की बढ़त दशार्ता है। रुपया बुधवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 72.96 पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दशार्ने वाला डॉलर सूचकांक 0.07 प्रतिशत बढ़कर 91.23 पर पहुंच गया।

सोना और चांदी में गिरावट

मुंबई। बजट में सोने-चांदी पर कस्टम ड्यूटी घटाए जाने के बाद बाजार में सोने-चांदी की कीमतों पर बड़ा असर देखने को मिल रहा है। बजट के दिन सोने की कीमतों में जोरदार गिरावट और चांदी की कीमतों में तेजी देखने को मिली थी। गुरुवार को सोना और चांदी दोनों में ही गिरावट देखने को मिल रही है। पिछले सत्र में 47750 रुपए प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बंद हुआ। सोना गुरुवार को 350 रुपए की गिरावट के साथ 47400 रुपए प्रति 10 ग्राम के स्तर पर खुला है। वहीं दूसरी ओर पिछले सत्र में 68565 रुपए प्रति किलो के स्तर पर बंद हुई चांदी गुरुवार को 782 रुपए की गिरावट के साथ 67783 रुपए प्रति किलो के स्तर पर खुली है।

अल्ट्राटेक सीमेंट 3,000 करोड़ तक जुटाएगी

नई दिल्ली। अल्ट्राटेक सीमेंट के बोर्ड ने डॉलर बॉन्ड जारी कर 3,000 करोड़ रुपए तक जुटाने के प्रस्ताव को मंजूरी दी है। कंपनी ने बुधवार देर शाम शेयर बाजार को बताया कि वित्त समिति ने विदेशी मुद्रा आधारित बॉन्ड जारी कर 40 करोड़ डॉलर या लगभग 3,000 करोड़ रुपए तक धनराशि जुटाने को मंजूरी दी, जिनकी बिक्री या पेशकश अमेरिका के भीतर योग्य संस्थागत खरीदारों को एक या अधिक किस्तों में की जाएगी। अल्ट्राटेक सीमेंट ने कहा कि इस धनराशि का इस्तेमाल मौजूदा ऋणों के पुनर्गठन में और अन्य नियमित पूंजीगत व्यय संबंधी जरूरतों के लिए किया जाएगा।

क्राउन ग्रुप ने टीआईडीसीओ से किया समझौता

बेंगलुरु। क्राउन समूह ने कहा कि उसने सलेम हवाई अड्डे के नजदीक एक एकीकृत एयरोस्पेस क्लस्टर विकसित करने के लिए तमिलनाडु औद्योगिक विकास निगम (टीआईडीसीओ) के साथ एक सहमति पत्र (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं। समूह ने कहा कि यह क्लस्टर तमिलनाडु रक्षा गलियारे का हिस्सा है और यह भारत का पहला स्वदेशी एमआरओ संयंत्र होगा, जहां सैन्य विमानों और उपकरणों के रखरखाव और मरम्मत की सुविधा होगी। समूह ने कहा कि इस क्लस्टर में ड्रोन परीक्षण सुविधा भी होगी।

गिरावट के साथ खुले बाजार

मुंबई। प्रमुख शेयर सूचकांक सेंसेक्स में गुरुवार को शुरूआती कारोबार में 140 अंक से अधिक की गिरावट आई और इस दौरान सूचकांक में भारी वजन रखने वाले रिलायंस इंडस्ट्रीज, इंफोसिस और एचडीएफसी में बिक्री का दबाव देखने को मिला। शुरूआती कारोबार में बीएसई सेंसेक्स 140.79 अंक की गिरावट के साथ 50,114.96 पर कारोबार कर रहा था। इसी तरह व्यापक एनएसई निफ्टी 31.30 अंक फिसलकर 14,758.65 पर था। सेंसेक्स में सबसे ज्यादा 2.5 प्रतिशत की गिरावट इंडसइंड बैंक में हुई, जबकि एक्सिस बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, एचडीएफसी बैंक, एशियन पेंट्स, टेक महिंद्रा, एलएंडटी और एचसीएल टेक भी लाल निशान में थे। दूसरी ओर ओएनजीसी, एमएंडएम, बजाज ऑटो, एनटीपीसी, मारुति, आईटीसी और बजाज फाइनेंस में तेजी देखने को मिली। पिछले सत्र में बीएसई सेंसेक्स 458.03 अंक बढ़कर 50,255.75 पर बंद हुआ था, जबकि निफ्टी 142.10 अंक बढ़कर 14,789.95 पर बंद हुआ।

पेट्रोल और डीजल की कीमतें बढ़ीं

मुंबई। घरेलू बाजार में पेट्रोल और डीजल की कीमतों में गुरुवार को बढ़ोतरी हो गई है। दिल्ली, मुंबई में पेट्रोल के दाम अपने उच्च स्तर पर पहुंच गए हैं। देश में पेट्रोल के दाम 31-35 पैसे बढ़ गए है। इसी तरह डीजल के दाम 33-35 पैसे बढ़ गए हैं। दिल्ली में 4 फरवरी को पेट्रोल कल के भाव में 35 पैसे बढ़कर 86.65 रुपए प्रति लीटर हो गया है और डीजल 35 पैसे बढ़कर 76.83 रुपए प्रति लीटर बिक रहा है। मुंबई में भी पेट्रोल के दाम 34 पैसे बढ़कर 93.20 रुपए प्रति लीटर और डीजल के दाम 37 पैसे बढ़कर 83.67 रुपए प्रति लीटर हैं। कोलकाता में भी पेट्रोल के दाम 32 पैसे बढ़कर 88.01 रुपए प्रति लीटर और डीजल के दाम 33 पैसे बढ़कर 80.41 रुपए प्रति लीटर हैं। चेन्नई में भी पेट्रोल के दाम 31 पैसे बढ़कर 89.13 रुपए प्रति लीटर और डीजल के दाम 33 पैसे बढ़कर 82.04 रुपए प्रति लीटर हैं।

एफसीआई पर बचेगा केवल 59,000 करोड़ का कर्ज

नई दिल्ली। वित्त वर्ष 2020-21 में खाद्य सब्सिडी के रूप में 4.23 लाख करोड़ रुपए के बजट आवंटन के बाद वित्त वर्ष 22 में 2.42 लाख करोड़ के अन्य आवंटन के बावजूद भारतीय खाद्य निगम (एफसीआई) के पास अब भी अगले वित्त वर्ष (22) के आखिर तक करीब 59,000 करोड़ रुपए का बिना भुगतान किया गया ऋण बचेगा। व्यय सचिव टीवी सोमनाथन ने यह जानकारी दी है। इस गणित के बारे में बताते हुए सोमनाथन ने कहा कि खाद्य सब्सिडी के लिए चालू वित्त वर्ष (21) की शुरूआत तकरीबन 1.2 लाख करोड़ रुपए के बजट अनुमान के साथ हुई है। गरीब कल्याण पैकेज के लिए 1.33 लाख करोड़ रुपए की और आवश्यकता थी जिससे यह राशि 2.53 लाख करोड़ रुपए हो जाती है। उन्होंने कहा कि सरकार केवल 2.53 लाख करोड़ रुपए ही प्रदान कर सकती थी जिससे मौजूदा वर्ष की आवश्यकता और गरीब कल्याण पैकेज के कारण अतिरिक्त खर्च पर ध्यान दिया जाएगा, लेकिन 4.23 लाख करोड़ रुपए की राशि प्रदान करते हुए केंद्र ने पिछले कुछ सालों के दौरान एफसीआई को दिए गए एनएसएसएफ ऋणों के काफी हिस्से को चुकता किया है और अब एफसीआई के पास वित्त वर्ष 22 के आखिर तक एनएसएसएफ ऋण का केवल 59,000 करोड़ रुपए ही बचेगा।

सेबी ने फ्यूचर ग्रुप के सीईओ पर एक साल के लिए लगाई रोक

मुंबई। बाजार नियामक सेबी ने बड़ा फैसला लेते हुए फ्यूचर ग्रुप के सीईओ किशोर बियानी और फ्यूचर रिटेल लिमिटेड(एफआरएल) के कुछ अन्य प्रवर्तकों पर एक साल तक सिक्योरिटीज मार्केट में दाखिल होने पर रोक लगा दी है। बियानी पर यह प्रतिबंध उनकी रिटेल कंपनी फ्यूचर रिटेल के शेयरों में इनसाइडर ट्रेडिंग की जांच के बाद लगाया गया। आरोप है कि बियानी ने शेयर प्राइस को प्रभावित करने वाली किसी गुप्त जानकारी का इस्तेमाल किया है। बियानी फ्यूचर रिटेल लिमिटेड . (एफआरआर) के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक हैं। उनके अलावा फ्यूचर कॉरपोरेट रिसोर्सेज प्राइवेट लिमिटेड अनिल बियानी और एफसीआरएल एम्पलाइज वेलफेयर ट्रस्ट पर प्रतिबंध लगाया है। इतना ही नहीं किशोर बियानी, अनिल बियानी और फ्यूचर रिसोर्सेज पर एक-एक करोड़ रुपए का जुमार्ना भी लगाया गया है। इसके साथ ही उन्हें गलत तरीके से कमाए गए 17.78 करोड़ रुपए के लाभ को लौटाने को6 कहा गया है। फ्यूचर कॉरपोरेट रिसोर्सेज और एफसीआरएल एम्पलाइज वेलफेयर ट्रस्ट को भी गलत तरीके से कमाए गए 2.75 करोड़ रुपए के लाभ को लौटाने को कहा गया है। अनिल बियानी और फ्यूचर कॉरपोरेट रिसोर्सेज एफआरएल के प्रवर्तक हैं। इसके अलावा दोनों बियानी फ्यूचर कॉरपोरेट रिसोर्सेज के बोर्ड में निदेशक हैं। एफसीआरएल एम्पलाई वेलफेयर ट्रस्ट, फ्यूचर कॉरपोरेट रिसोर्सेज द्वारा गठित न्यास है।

2021 में टोयोटा की 11,126 यूनिट्स की बिक्री

नई दिल्ली। ऑटोमोबाइल क्षेत्र की कंपनी टोयोटा इंडिया के मुताबिक, जनवरी 2021 में टोयोटा के 11,126 यूनिट्स की भारतीय बाजार में बिक्री हुई। वहीं, जनवरी 2020 में टोयाटा के कुल 5,804 यूनिट्स की घरेलू बाजार में बिक्री हुई थी। इसकी तुलना अगर पिछले साल के जनवरी महीने से करें, तो इस जनवरी कंपनी की बिक्री में 92 फीसदी की बढ़ोतरी आई है। कंपनी ने साल के पहले महीने की सेल्स रिपोर्ट जारी कर दी है।

जनवरी 2020 के मुकाबले जनवरी 2021 में टोयोटा ने 5,322 गाड़ियों की भारत में ज्यादा बिक्री की है। जनवरी 2020 की तुलना में भले ही पिछले महीने टोयोटा की भारत में बिक्री बढ़ी है। लेकिन अगर दिसंबर 2020 के मुकाबले कंपनी की बिक्री में भारी गिरावट दर्ज की गई है। दिसंबर 2020 में टोयोटा के 7,487 यूनिट्स की भारतीय बाजार में बिक्री हुई थी। दिसंबर महीने की तुलना में कंपनी की बिक्री में 22.48 फीसदी की महीना-दर-महीना बिक्री घटी है। दिसंबर 2020 की तुलना में कंपनी की

जनवरी 2021 में 3,639 गाड़ियां कम बिकी हैं। इससे पहले त्योहारी सीजन में टोयोटा इंडिया की बिक्री में जबरदस्त बढ़ोतरी दर्ज की गई थी। नवंबर 2020 में कंपनी की 8508 गाड़ियों की बिक्री हुई थी, जो नवंबर 2019 की तुलना में 2.4 फीसदी ज्यादा थी।

कंपनी ने अपनी इनोवा क्रिस्टा को पिछले साल दिसंबर महीने में लॉन्च किया था। जबकि, फारच्यूनर फेसलिफ्ट को कंपनी ने इसी महीने भारतीय बाजार में लॉन्च किया था। बता दें कि फेसलिफ्ट फारच्यूनर की भारत में शुरूआती दिल्ली एक्स-शोरूम कीमत 29.98 लाख रुपये है।टोयोटा इंडिया ने भारतीय बाजार में पिछले पांच महीनों में अपनी तीन गाड़ियों को लॉन्च किया है।

रॉयल एनफील्ड की आ रही 4 दमदार बाइक्स

नई दिल्ली। भारतीय ग्राहकों को रॉयल एनफील्ड कंपनी की बाइक्स का इंतजार रहता है। अगर आप भी नई बाइक खरीदने का मन बना रहे हैं तो थोड़ा इंतजार आपके लिए फायदेमंद साबित हो सकता है। यहां हम आपको रॉयल एनफील्ड की आने वाली बाइक्स के बारे में बता रहे हैं जो कंपनी जल्द ही लॉन्च करेगी। नई रॉयल एनफील्ड हंटर कंपनी की क्लसिक 350सीसी इंजन वाली बाइक होगी। कुछ वक्त पहले लीक डॉक्यूमेंट्स से जानकारी मिली थी कि इस बाइक का नाम रॉयल एनफील्ड हंटर होगा। यह बाइक कंपनी की नई जे प्लेटफॉर्म पर आधारित बाइक होगी।

रॉयल एनफील्ड क्लासिक 350 बाइक भारत में बेहद पॉप्युलर है। यह बाइक इस साल की दूसरी तिमाही में लॉन्च होने वाली है। यह बाइक भी जे प्लेटफॉर्म पर आधारित बाइक होगी। इस टेक्नॉलजी से कॉर्निरिंग के वक्त बाइक की स्टेबिलिटी पहले से बेहतर रहेगी। एक अन्य रॉयल एनफील्ड क्रूजर 650 कंपनी की 650सीसी रेंज की बाइक होगी। यह बाइक इंटरसेप्टर 650 और कांटीनेंटल जीटी 650 के साथ कंपनी का 650सीसी पोर्टफोलियो जॉइन करेगी। बाइक में कई पावरफुल फीचर्स दिए जाएंगे। वहीं रॉयल एनफील्ड इंटरसेप्टर बाइक 650सीसी इंजन के साथ आती है। अब कंपनी इस बाइक को 350सीसी इंजन के साथ आने वाली है। बाइक को इंटरसेप्टर 350 नाम दिया जा सकता है। इस बाइक सिंगल एग्सॉस्ट सिस्टम के साथ लॉन्च किया जाएगा।

यप्प टीवी ने बीएसएनएल के साथ की पार्टनरशिप

चंडीगढ़। एक प्रमुख वैश्विक ओटीटी प्लेटफॉर्म यप्पटीवी ने एक नए युग के टेक-इनेबल्ड सिंगल सब्स्क्रिप्शन वीडियो स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म यप्पटीवी स्कोप को लॉन्च करने के लिए भारत संचार निगम लिमिटेड (इरठछ) के साथ साझेदारी की है। ब्रॉडबैंड ग्राहकों को बंडल प्ले ऑफर के रूप में बंडल ओटीटी सेवाओं की पेशकश करने के लिए बीएसएनएल के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर करने के बाद, यप्पटीवी अब बीएसएनएल ब्रॉडबैंड यूजर्स के लिए सम्मोहक वीडियो सेवाएं शुरू कर रहा है। इस तरह की अनूठी सेवा देने के लिए दुनिया में पहला प्लेटफॉर्म होने के नाते यप्पटीवी स्कोप यूजर्स को सभी प्रीमियम ओटीटी ऐप जैसे सोनीलिव, जी5, वूट सिलेक्ट और यप्प टीवी-लाइव टीवी चैनलों के एग्रीगेटर के लिए सिंगल सब्स्क्रिप्शन प्रदान करता है और अलग-अलग एक्सेस करने के उबाऊ काम और कई ऐप्स के प्रबंधन से छुटकारा देता है।

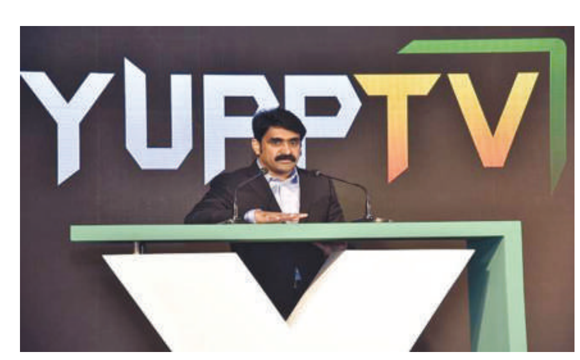

लॉन्च पर बोलते हुए यप्पटीवी के संस्थापक और सीईओ उदय रेड्डी ने कहा, बीएसएनएल के साथ साझेदारी में हमारे सिंगल सब्स्क्रिप्शन ओटीटी प्लेटफॉर्म यप्पटीवी स्कोप के लॉन्च की घोषणा करते हुए हमें खुशी हो रही है।

इस लॉन्च के साथ हम सभी प्रमुख हितधारकों के लिए एक समग्र इकोसिस्टम बनाने के लिए प्रमुख सामग्री भागीदारों, प्रसारकों, दूरसंचार, और ब्रॉडबैंड प्रदाताओं के अभिसरण को सक्षम कर रहे हैं।ह्व

बीएसएनएल के सीएमडी श्री पी. के. पुरवार ने कहा, ओटीटी भारत में मनोरंजन का भविष्य है। हर तरह की शैली और आयु समूहों में बढ़ती दर्शकों की संख्या इस तथ्य की पुष्टि करती है। बदलते रुझानों के साथ कदम से कदम मिलाकर चलने और हमारे भारत में व्यापक यूजर बेस के लिए प्रासंगिक सेवाओं की पेशकश करने के लिए प्रतिबद्ध, बीएसएनएल को अगली पीढ़ी, टेक-ड्रिवन कंटेंट क्यूरेशन प्लेटफॉर्म यप्पटीवी स्कोप के लॉन्च में यप्पटीवी के साथ सहयोग करने की खुशी है।

आईआईएफएल फाईनेंस ने 6 उत्तर भारतीय राज्यों में

'हर गोल्ड लोन पे उपहार' ऑफर प्रस्तुत किया

चंडीगढ़, 4 फरवरी, 2021: भारत की सबसे बड़ी नॉन-बैंकिंग फाईनेंस कंपनियों में से एक, आईआईएफएल फाईनेंस ने 1 फरवरी, 2021 से सभी नए ग्राहकों के लिए ह्यहर गोल्ड लोन पे उपहारह्ल ऑफर के साथ गोल्ड लोन पर आकर्षक ऑफर प्रस्तुत किए हैं।

आईआईएफएल फाईनेंस ब्रांड एम्बेसडर, रोहित शर्मा के साथ आकर्षक उपहारों के अलाव, इसमें गोल्ड लोन 1 प्रतिशत मासिक ब्याज दर की शुरूआती दर से मिलेंगे, तथा लोन की प्रोसेसिंग काफी तेजी से केवल 5 मिनट में पूरी हो जाएगी, लोन का अधिकतम मूल्य मिलेगा और आसान डिजिटल भुगतान के विकल्प उपलब्ध होंगे। सीमित अवधि का यह ऑफर राजस्थान, पंजाब, हरियाणा, दिल्ली और एनसीआर, उत्तर प्रदेश एवं उत्तराखंड में 380 से ज्यादा आईआईएफएल गोल्ड लोन शाखाओं पर उपलब्ध होगा।

'हर गोल्ड लोन पे उपहार' ऑफर के लॉन्च के बारे में श्री रवीश गुप्ता, जोनल हेड-नॉर्थ ने कहा, नया भारत न केवल बड़े सपने देखता है, बल्कि उन सपनों को खुद के बूते पूरा करना भी चाहता है। आईआईएफएल गोल्ड लोन को इस सफर में एक भरोसेमंद साथी बनाने से जमा किया गया गोल्ड न केवल पूरी तरह से सुरक्षित रहता है, बल्कि व्यक्ति को तत्काल फंड भी मिल जाता है, जिससे वह अपने सपने पूरे कर अपने व्यवसाय को नए आयाम पर ले जा सकता है। उत्तरी राज्यों के ग्राहक इस ऑफर की काफी सराहना कर रहे हैं।

भारत के पास सुरक्षित इंटरनेट बनाने की क्षमता

नई दिल्ली। भारत के पास अब स्थानीय स्तर पर 10 करोड़ रुपए से भी कम में रूट सर्वर स्थापित कर अपना सुरक्षित इंटरनेट बनाने की क्षमता है। सार्वजनिक क्षेत्र की आईटीआई और उद्योग मंच आईपीवी6 फोरम ने यह जानकारी दी। दूरसंचार विभाग ने 2010 और 2012 में आईपीवी6 के पते की पहली और दूसरी रूपरेखा जारी की थी। इसके जरिये कई हजार अरब के विशिष्ट पते दिए जा सकते हैं। पुरानी आईपीवी4 व्यवस्था के तहत तीन अरब आईपी पते की सीमा थी। आईटीआई के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक आरएम अग्रवाल ने कहा कि आईपीवी6 2006 में शुरू हुआ था। भारत ने अंत में आईपीवी6 की रूपरेखा जारी की है। अब भारत आईपीवी6 पते में 50 प्रतिशत की हिस्सेदारी रखता है और अंशधारकों की संख्या में दुनिया में पहले स्थान पर है। दूरसंचार विभाग में उप महानिदेशक नेटवर्क टेक्नोलॉजी के रूप में अग्रवाल ने देश में आईपीवी6 के कार्यान्वयन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

अडाणी एंटरप्राइजेज का तीसरी तिमाही का शुद्ध लाभ 10.39 प्रतिशत घटकर 343.17 करोड़ रुपये

नई दिल्ली। अडाणी एंटरप्राइजेज का चालू वित्त वर्ष की दिसंबर, 2020 में समाप्त तीसरी तिमाही का एकीकृत शुद्ध लाभ 10.39 प्रतिशत घटकर 343.17 करोड़ रुपये रह गया। इससे पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में कंपनी ने 382.98 करोड़ रुपये का एकीकृत मुनाफा कमाया था। गौतम अडाणी की अगुवाई वाली कंपनी ने शेयर बाजारों को दी सूचना में कहा कि तिमाही के दौरान उसकी एकीकृत कुल आय बढ़कर 11,787.82 करोड़ रुपये पर पहुंच गई, जो इससे पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में 11,075.32 करोड़ रुपये थी। तिमाही के दौरान कंपनी का कुल खर्च बढ़कर 11,303।97 करोड़ रुपये पर पहुंच गया, जो इससे पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में 10,635.16 करोड़ रुपये था।

अडाणी समूह की प्रमुख कंपनी ने बयान में कहा कि सौर विनिर्माण कारोबार की बिक्री बढ़ने की वजह से तिमाही के दौरान उसकी एकीकृत कुल आय छह प्रतिशत बढ़कर 11,788 करोड़ रुपये पर पहुंच गई।

newsdesk@motherlandvoice.org
editor@motherlandvoice.org

विलियमसन ने भारतीय टीम को जमकर सराहा

वेलिग्टन। न्यूजीलैंड के कप्तान केन विलियमसन ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ भारतीय टीम की जीत को उल्लेखनीय बताया है। विलियमसन ने कहा, 'ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेलना हमेशा ही कठिन होता है पर उसी की धरती पर जिस प्रकार भारतीय टीम ने जीत दर्ज की है उसकी जितनी सराहना की जाये वह कम है।' उन्होंने कहा, 'आप टेस्ट चैंपियनशिप के बारे में बात करेंगे लेकिन मुझे लगता है कि जिस तरह से उन्होंने शुरूआती हार के बाद चुनौती का डटकर सामना किया वह सबसे अहम है। यह भी ध्यान रखना चाहिये की गाबा में आखिरी टेस्ट मैच में उनके गेंदबाजों के पास कुल मिलाकर सात या आठ टेस्ट मैच का अनुभव था।' भारतीय कप्तान विराट कोहली पहले टेस्ट मैच के बाद पितृत्व अवकाश पर स्वदेश लौट आये थे।

भारत में होगी आर्चर की असली परीक्षा, बुमराह की निरंतरता है पसंद

चेन्नई। इंग्लैंड के तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर और जसप्रीत बुमराह अपनी रहस्यमयी गेंदबाजी के कारण कुछ समय के अंदर ही अपनी-अपनी टीमों के प्रमुख गेंदबाज के रुप में उभरे हैं। अब जबकि भारत और इंग्लैंड के बीच शुक्रवार से सीरीज शुरू होने वाली है, ऐसे में सभी का मानना है कि बुमराह और आर्चर के बीच रोमांचक मुकाबला देखने को मिलेगा। सीरीज से ठीक पहले आर्चर ने बुमराह की तारीफ करते हुए कहा है कि उन्हें बुमराह की निरंतरता पसंद है। आर्चर पहली बार भारत का दौरा कर रहे हैं। ऐसे में यहां उनकी असली परीक्षा होगी। उन्हें विश्व के सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाजों में शामिल विराट कोहली, रोहित शर्मा और चेतेश्वर पुजारा जैसे बल्लेबाजों का सामना करना पड़ेगा। वही आर्चर ने कहा, इससे कोई फर्क नहीं पड़ता, किस किसकी रैंकिंग क्या है, सभी बल्लेबाज चुनौती होंगे। नंबर एक से छह तक।' शॉर्ट गेंद के सवाल पर इस गेंदबाज ने कहा कि मैच से पहले होने वाली बैठक में तय होगा कि क्या रणनीति होगी और कितने गेंदबाजों को शामिल करना है। इस तेज गेंदबाज ने कहा कि हम मैच शुरू होने से पहले पिच देखेंगे और उसी के बाद एक गेंदबाज और शामिल किया जाएगा। हालातों के अनुसार

ही चीजें तय की जाएंगी। वहीं भारतीय गेंदबाजी आक्रमण को लेकर आर्चर ने कहा, 'ईमानदारी से कहूं तो मुझे नहीं पता कि इसका जवाब कैसे देना है।' आर्चर ने भारत में केवल आईपीएल मैच खेले हैं। राजस्थान रॉयल्स की तरफ से खेलते हुए उन्होंने 35 मैचों में 46 विकेट लिए हैं। आर्चर ने कहा कि हमारे गेंदबाजों की बैठक होगी, मैच शुरू होने से पहले हम पिच देखेंगे और संभवतः एक गेंदबाज और लेंगे। परिस्थितियों के अनुसार ही चीजें तय की जाएंगी। साथ ही कहा कि अगर इंग्लैंड की टीम दो की जगह तीन तेज गेंदबाजों के साथ उतरने का फैसला करती है तो वह छोटे स्पैल में गेंदबाजी कर सकते हैं।

एक शतक के साथ ही विराट तोड़ देंगे पोंटिंग का रिकार्ड

घरेलू टेस्ट में कप्तान के रूप में सबसे ज्यादा शतक

रिकी पोंटिंग- 39 मैच, 11 शतक
ग्रेग चैपल- 33 मैच, 10 शतक
विराट कोहली- 26 मैच, 10 शतक
स्टीव स्मिथ- 20 मैच, 10 शतक
डॉन ब्रैडमैन- 15 मैच, 9 शतक।

चेन्नई। टीम इंडिया के कप्तान विराट कोहली इंग्लैंड के साथ आज से शुरू हो रही चार टेस्ट मैचों की इस सीरीज में अपनी बल्लेबाजी से कई अहम रिकार्ड बना सकते हैं। विराट यहां शतक लगाते ही एक साथ कई बड़ी उलब्धियां अपने नाम कर सकते हैं। एक शतक के साथ ही वह कप्तान के तौर पर अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के तीनों प्रारुपों में कुल मिलाकर सबसे ज्यादा शतक 42 लगा देंगे। इस प्रकार वह रिकी पोंटिंग के 41 शतकों के रिकार्ड से आगे हो जाएंगे। साथ ही वह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सर्वाधिक शतक लगाने के मामले में रिकी पोंटिंग 71 की भी बराबरी कर लेंगे। इस प्रकार कोहली से आगे केवल सचिन तेंदुलकर ही रहेंगे, जिन्होंने अपने इंटरनेशनल करियर में 100 शतक लगाये हैं। इसके अलावा वह बतौर टेस्ट कप्तान धरेलू जमीन पर सबसे ज्यादा शतक लगाने के रिकी पोंटिंग के रिकॉर्ड को भी तोड़ सकते हैं। बतौर कप्तान पोंटिंग के नाम घर में 11 टेस्ट शतक हैं, जबकि कोहली ने घर में कप्तान के तौर पर 10 शतक जमाए हैं।

संक्षिप्त समाचार

वॉन और पीटरसन ने क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया पर सवाल उठाये

लंदन। इंग्लैंड क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान माइकल वॉन और केविन पीटरसन ने दक्षिण अफ्रीका का दौरा स्थगित करने के लिए क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) की आलोचना की है। वॉन और पीटरसन ने सवाल किया कि क्या भारत के खिलाफ वे ऐसा कर सकते थे। सीए ने कोरोना महामारी के कारण स्वास्थ्य और सुरक्षा खतरे को देखते हुए अपना दक्षिण अफ्रीका दौरा स्थगित कर दिया है। वॉन ने ट्वीट किया, 'ऑस्ट्रेलिया का यूं दौरे से पीछे हटना खेल के लिए चिंता का कारण है। भारत का दौरा होता तो क्या वे ऐसा कर सकते थे।' उन्होंने कहा कि भारत, ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड जैसे बड़े बोर्ड को तो उन क्रिकेट बोर्ड की सहायता करनी चाहिए जो महामारी के कारण खराब हालत में है। उन्होंने कहा, 'यह जरूरी है कि तीनों बड़े देश महामारी के कारण आर्थिक नुकसान झेल रहे बोर्ड की मदद करें।' वहीं पूर्व स्टार बल्लेबाज पीटरसन ने कहा, 'आस्ट्रेलियाई टीम भारत का दौरा कभी रद्द नहीं करती। इस तरह दक्षिण अफ्रीका का दौरा रद्द करना क्रिकेट के लिए एक खराब संकेत है। वहीं इससे पहले इंग्लैंड ने भी दक्षिण अफ्रीका का दौरा नहीं किया था पर श्रीलंका में खिलाड़ियों के पॉजिटिव निकलने के बाद भी उसने दौरा पूरा किया।'

श्रीलंकाई कोच और एक बल्लेबाज कोरोना संक्रमित

कोलंबो। श्रीलंकाई क्रिकेट टीम के मुख्य कोच मिकी आर्थर और बल्लेबाज लाहिरू थिरिमाने कोरोना महामारी की जांच में पॉजिटिव पाये गये हैं। श्रीलंका क्रिकेट ने कहा है कि आर्थर और थिरिमाने के पॉजिटिव पाये जाने के कारण दौरे के कार्यक्रम में बदलाव की संभावनाएं भी हैं। कोचिंग स्टाफ, नेट गेंदबाजों और अन्य स्टॉफ सहित 36 सदस्यीय संभावित खिलाड़ियों का मंगलवार को पीसीआर परीक्षण कराया गया जिसके बाद दो मामले पॉजिटिव पाये गये हैं। बोर्ड ने अपने एक बयान में कहा, 'राष्ट्रीय टीम के 20 फरवरी से वेस्टइंडीज के आगामी दौरे में हिस्सा लेने की तैयारियों में लगे संभावित खिलाड़ियों और स्टॉफ की टीम का पीसीआर परीक्षण कराया गया जिसमें मुख्य कोच आर्थर और बल्लेबाज थिरिमाने कोविड-19 जांव में पॉजिटिव पाये गये हैं।' आर्थर और थिरिमाने दोनों को ही कोविड-19 संक्रमण को लेकर सरकार के स्वास्थ्य प्रोटोकॉल का पालन करने के भी निर्देश दिये गये हैं। थिरिमाने ने ट्वीट कर पुष्टि की कि वह पॉजिटिव आये हैं पर साथ ही कहा कि उनमें किसी भी प्रकार के कोई भी लक्षण नहीं मिले हैं। श्रीलंका को इस दौरे पर दो टेस्ट, तीन वनडे और तीन टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेलने थे।

कार्तिक को बधाई देकर ट्रॉल हुए विजय

मुम्बई। क्रिकेटर मुरली विजय के विकेटकीपर बल्लेबाज दिनेश कार्तिक को बधाई देने पर प्रशंसकों ने उन्हें ट्रॉल किया है। कार्तिक ने तमिलनाडु को इस सत्र में सैयद मुश्ताक अली टी-20 ट्रॉफी का खिताब जीतने में अहम भूमिका निभाई थी। इसपर विजय ने कार्तिक को ट्वीट कर बधाई दी। मुरली विजय ने अपने ट्वीट में कार्तिक को टैग भी किया था। विजय ने अपने ट्वीट में लिखा, 'शाबाश लड़कों, टीम ने शानदार कोशिश की, तमिलनाडु क्रिकेट और दिनेश कार्तिक' इसके बाद से ही विजय की ट्विटर पर लोगों ने क्लास लगा दी। वही विजय के ट्वीट पर कार्तिक ने कोई कमेंट तो नहीं किया, लेकिन उनके ट्वीट को रिट्वीट जरूर किया। कार्तिक के द्वारा विजय के ट्वीट को रिट्वीट करना ही काफी था कि विजय का यह ट्वीट सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। एक यूजर ने लिखा कि अब एक बार फिर से कार्तिक का दिल नहीं तोड़ना। वहीं दूसरे यूजर ने दोनों को सलाह दी है कि पुरानी बातों को भूलाकर फिर से आपस में दोनों दोस्ती कर लो। कार्तिक और विजय के बीच पुरान विवाद है। कहा जाता है कि विजय ने कार्तिक को धोखा देकर उसकी बीवी से शादी की थी। इसके बाद से ही ये दोनों क्रिकेटरों के बीच किसी प्रकार के संबंध नहीं थे।

पीटरसन ने प्रधानमंत्री मोदी का आभार जताया

नई दिल्ली। इंग्लैंड के पूर्व क्रिकेटर केविन पीटरसन ने भारतीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की जमकर प्रशंसा की है। अफ्रीकी मूल के क्रिकेटर पीटरसन ने अपने एक ट्वीट में दक्षिण अफ्रीका को कोरोना का टीका भेजने के भारत के कदम को 'उदारता और दयालुता' का प्रतीक बताया है। भारत ने कोविड-19 टीके अल्जीरिया और दक्षिण अफ्रीका के साथ ही भूटान, मालदीव, बांग्लादेश, ब्राजील और नेपाल सहित अन्य देशों को दिये हैं। पीटरसन ने दक्षिण अफ्रीका में कोविड-19 के टीके पहुंचाने के लिए मोदी का आभार व्यक्त किया है।

वहीं इससे पहले मोदी ने कहा था कि भारत पूरे विश्व को एक परिवार की तरह मानता है और महामारी के

खिलाफ अभियान में सकारात्मक भूमिका निभाना चाहता है। प्रधानमंत्री मोदी ने अपने एक ट्वीट में पीटरसन के लिए कहा 'भारत के लिए आपका प्यार देखकर अच्छा लगा। हम मानते हैं कि पूरा विश्व हमारा परिवार है और हम कोरोना महामारी के खिलाफ मजबूती से लड़ाई में अपनी भूमिका का निर्वहन करना चाहते हैं।' इससे पहले पीटरसन ने ट्वीट किया था, 'भारत की उदारता और दयालुता दिन प्रतिदिन बढ़ रही है। इस देश से मुझे प्यार है।' पीटरसन का जन्म दक्षिण अफ्रीका में हुआ था पर बाद में वह इंग्लैंड में बस गए थे।

टोक्यो ओलंपिक हर हाल में होंगे : मोरी

टोक्यो। टोक्यो ओलंपिक खेलों को लेकर आ रहे अलग-अलग बयानों के बीच ही आयोजन समिति के अध्यक्ष योशिरो मोरी ने कहा है कि खेल तय समय पर ही होंगे। मोरी ने साथ ही कहा कि कोरोना महामारी के हालातों का खेलों के आयोजन पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा। मोरी ने सत्तारूढ़ लिबरल डेमोक्रेटिक पार्टी के सदस्यों से कहा कि खेलों का आयोजन किसी भी हालत में होगा। पूर्व प्रधानमंत्री रहे मोरी ने सांसदों से कहा, 'इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि कोरोना वायरस संक्रमण की क्या स्थिति होगी, हम खेल आयोजित करेंगे।' उन्होंने कहा, 'खेलों का आयोजन होगा या नहीं इस बात को छोड़कर हमें यह चर्चा करनी चाहिये कि हम इसका सफल आयोजन कैसे करेंगे।' ओलंपिक के रद्द होने की आशंकाओं के बीच ही मोरी और अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) के प्रमुख थॉमस बॉक के सकारात्मक बयानों से खिलाड़ियों को इन खेलों के आयोजन का भरोसा हुआ है। आईओसी ने दावा किया था कि ओलंपिक की शुरूआत 23 जुलाई से 11,000 एथलीटों और 10,000 से अधिक जजों, अधिकारियों, मीडिया, प्रसारणकर्ताओं, प्रायोजकों और महत्वपूर्ण व्यक्तियों की मौजूदगी में होगी।

ओलंपिक पदक जीतने पर है ध्यानः संदीप

बेंगलुरू। भारतीय पुरुष हॉकी टीम के डिफेंडर नीलम संदीप एस. ने कहा है कि उनका सपना ओलंपिक पदक जीतना है। इसलिए वह टीम में नियमित रूप से अपनी जगह बनाने का प्रयास कर रहे हैं। संदीप ने कहा कि उन्हें अपनी कुछ तकनीकों पर काम करने की जरुरत है और प्रत्येक खेल गतिविधियों के सीजन के साथ वह अपने कौशल में सुधार कर रहे हैं। संदीप ने कहा, 'यह मेरे अंतरराष्ट्रीय करियर की एक छोटी सी शुरूआत है। अगस्त 2019 में भारत के लिए मेरा आखिरी टूनार्मेंट ओलंपिक टेस्ट इवेंट था हालांकि, मैंने प्रतियोगिता के बाद से ही विभिन्न राष्ट्रीय कोचिंग शिविरों में अपने खेल पर कड़ी मेहनत की है।'

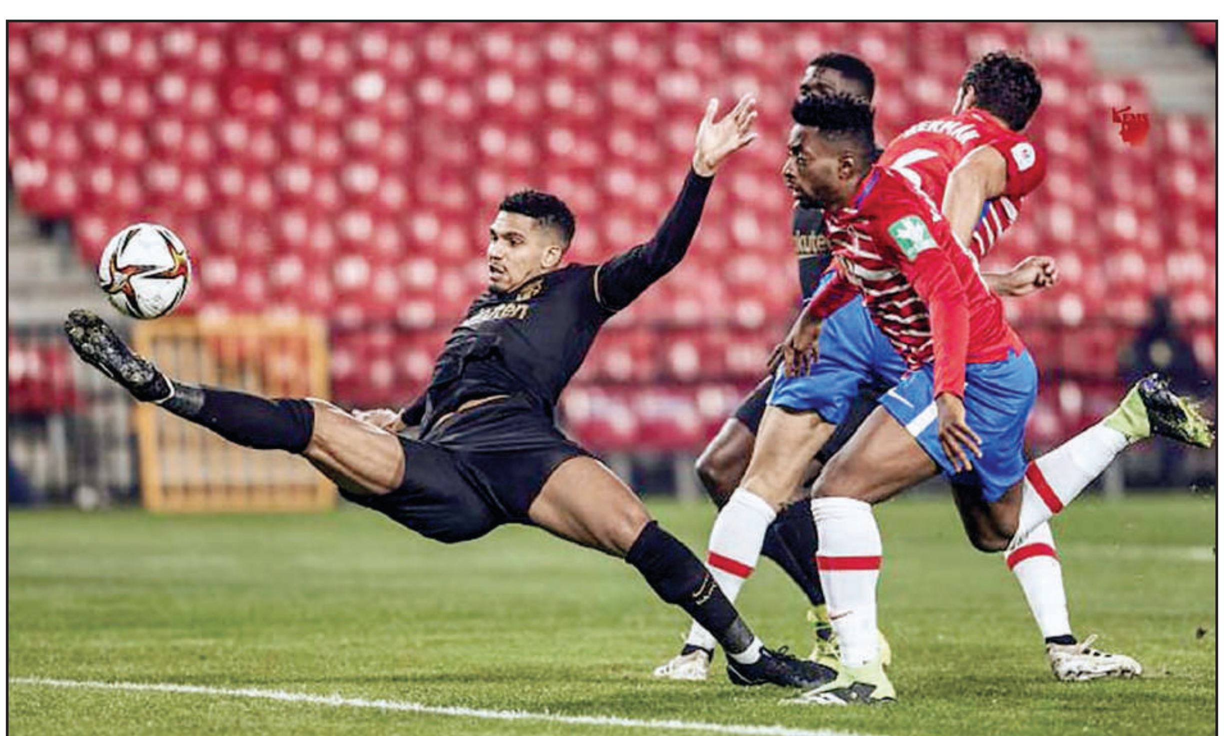

स्पेन में कोपा डेल रे क्वार्टर फाइनल में खेलते हुए बार्सिलोना के रोनाल्डो अरेजुओ।

विराट तोड़ सकते हैं लारा, लॉयड के रिकार्ड

नई दिल्ली। टीम इंडिया के कप्तान विराट कोहली शुक्रवार से यहां मे भारत और इंग्लैंड के बीच शुरू हो रही चार टेस्ट मैचों की सीरीज में तीन नये रिकार्ड बना सकते हैं। विराट की नजरें इस सीरीज में वेस्टइंडीज के पूर्व कप्तान क्लाइव लॉयड, ब्रायन लारा और ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग के रिकार्ड पर रहेंगी। विराट ने तीनों फॉर्मेट में कुल मिलाकर 423 मैचों में 22,286 रन बनाए हैं। ऐसे में उनके पास लारा को पीछे छोड़ने का पूरा अवसर रहेगा, जिनके नाम 430 मैचों में 22,358 रन हैं। विराट को लारा को पीछे छोड़ने के लिए केवल 73 रनों की और जरूरत है और वह पहले ही टेस्ट में यह रिकार्ड अपने नाम कर सकते हैं। विराट के पास इस सीरीज में वेस्ट इंडीज के दिग्गज कप्तान रहे क्लाइव लॉयड से भी आगे निकलने का अवसर रहेगा। विराट ने अपनी कप्तानी में 56 मैचों में 33 मैच जीते हैं, जबकि लॉयड ने अपनी कप्तानी में 74 मैचों में से 36 मैच जीते हैं। लॉयड की बराबरी करने के लिए विराट को इस सीरीज में तीन टेस्ट जीतने होंगे जबकि लॉयड से आगे निकलने के लिए 4-0 से जीत दर्ज करनी होगी। टेस्ट में अपनी कप्तानी में सबसे अधिक मैच जीतने के मामले में विराट इस समय पांचवें नंबर पर हैं।

तीनों प्रारुपों में सबसे ज्यादा शतक लगाने का रिकॉर्ड मास्टर ब्लास्टर सचिन तेंदुलकर के नाम दर्ज है, सचिन ने 100 अंतरराष्ट्रीय शतक लगाये हैं। वहीं दूसरे नंबर पर ऑस्ट्रेलियाई टीम के पूर्व कप्तान पोंटिंग हैं, जिन्होंने कुल 71 शतक बनाये हैं।

ऋषभ से आएगा अंतर : वॉन

नजर आती है सहवाग की झलक

लंदन। इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइकल वॉन ने कहा है कि मेहमान टीम को भारतीय टीम के विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत से सावधान रहना होगा। वॉन ने कहा कि ऋषभ अपनी आक्रामक बल्लेबाजी से इस सीरीज में अंतर पैदा कर सकते हैं। हाल में ऑस्ट्रेलियाई दौरे में शानदार प्रदर्शन कर इस खिलाड़ी ने अपना फार्म हासिल कर लिया है। ऋषभ ने सिडनी क्रिकेट मैदान में खेले गए तीसरे टेस्ट मैच में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 97 रन की पारी खेली। इसके बाद ब्रिसबेन के गाबा में खेले गए अंतिम और निर्णायक टेस्ट में नाबाद 89 रन की पारी खेलकर अपनी टीम को जीत दिलाई। ऑस्ट्रेलिया में ऋषभ की आक्रामक बल्लेबाजी देखने के बाद वॉन ने कहा कि उसे ऑलराउंडर बेन स्टोक्स के साथ खेलते हुए देखना विश्व क्रिकेट में सबसे ज्यादा आनंददायक अनुभव रहेगा। वॉन ने कहा, 'जब भी वह बल्लेबाजी के लिए आते हैं तो मैं उन्हें देखता हूं। मैं उन्हें लंबे समय से देख रहा हूं। वह दुनिया की किसी भी विपक्षी टीम को चुनौती दे सकते हैं।' ऋषभ में उन्हें पूर्व सलामी बल्लेबाज वीरेंद्र सहवाग की छवि दिखाई पड़ती है। साथ ही कहा कि सहवाग को लेकर जो डर विरोध गेंदबाजों में रहता था वही इस बल्लेबाज को लेकर भी बन रहा है।

इंग्लैंड की टी20 विश्व कप टीम का हिस्सा बनना चाहते हैं रुट

चेन्नई। इंग्लैंड के टेस्ट कप्तान जो रूट का सपना आगामी टी20 विश्व कप में खेलना है। रूट के लिए यह इतना आसान भी नहीं है क्योंकि वह एक टेस्ट बल्लेबाज हैं। रूट भारत के खिलाफ शुक्रवार से शुरू हो रही टेस्ट सीरीज के शुरूआती मैच में मैदान पर उतरते ही एक उपलब्धि अपने नाम कर लेंगे। यह रुट का 100वां टेस्ट मैच होगा। अभी उनका ध्यान भारत के साथ चार मैचों की इस सीरीज पर लगा है पर वह टी20 खेलने का मन बनाये हुए हैं।

रूट ने कहा, 'मेरे लिए सबसे अहम चीज यही है कि इंग्लैंड विश्व कप में अपनी सबसे मजबूत टीम के साथ जाए और हमें वहां जीतने का सर्वश्रेष्ठ मौका मिले और उम्मीद करता हूं कि मैं भी उस टीम का हिस्सा बन सकूं।' उन्होंने कहा कि और अगर ऐसा नहीं होता तो भी मैं उन खिलाड़ियों का पूरा समर्थन करूंगा।

तीस साल के रूट ने 32 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 893 रन बनाये हैं जिसमें उनका स्ट्राइक रेट 126.3 का रहा है जिसमें पांच अर्धशतक शामिल हैं। टेस्ट क्रिकेट में दुनिया के सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाजों में से एक रूट ने कहा, 'निश्चित रूप से, मैं उस विश्व कप टीम का हिस्सा होना पसंद करूंगा, मुझे सभी तीनों प्रारूपों में खेलना पसंद हैं क्योंकि हर किसी में अलग तरह की चुनौती होती है।' उन्होंने कहा, 'पिछले कुछ वर्षों में मुझे टी20 मैचों में ज्यादा खेलने का मौका नहीं मिला है लेकिन मैं इस बात को जानता हूं कि सभी खिलाड़ी शानदार क्रिकेट खेल रहे हैं। ये बेहतरीन खिलाड़ी हैं और ये अपने मौके के हकदार हैं।' रूट ने कहा कि लेकिन अगर मुझे टी20 विश्व कप में खेलने का अवसर मिलता है तो मैं अपनी और से सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन का प्रयास करुंगा।

चेन्नई में खेलना फिर से पदार्पण करने जैसा होगा: कुलदीप

चेन्नई। चाइनामैन गेंदबाज कुलदीप यादव ने कहा है कि अगर उन्हें इंग्लैंड के खिलाफ चेन्नई में शुक्रवार से होने वाले पहले टेस्ट में खेलने का अवसर मिलता है तो यह एक बार फिर से पदार्पण करने जैसा ही होगा। कुलदीप लंबे समय से टेस्ट टीम से बाहर चल रहे हैं। उन्हें हाल ही में संपन्न हुई भारत और ऑस्ट्रेलिया टेस्ट सीरीज के लिए टीम में लिया गया था पर वह अंतिम एकादश में जगह नहीं बना पाये थे।

कुलदीप ने आखिरी बार 2018-19 के ऑस्ट्रेलियाई दौरे में टेस्ट मैच खेला था। कुलदीप का कहना है कि वह टेस्ट टीम में वापसी के लिए तैयार हैं। कुलदीप ने कहा कि करीब दो वर्षों के लंबे अंतराल के बाद मैं टेस्ट मैच खेला तो यह दोबारा पदार्पण करने जैसा होगा। मैं टीम के लिए बेहतर प्रदर्शन करना चाहता हूं और हमेशा की तरह 100 फीसदी देना चाहता हूं। पदार्पण करने में अजीब सी बैचेनी होती है और अभी मैं वैसा ही महसूस कर रहा हूं। ऐसे मौके पर दबाव भी होता है। उन्होंने कहा कि सभी लोग आपको देखते हैं और आपसे काफी उम्मीदें होती हैं। जब टीम बेहतर कर रही हो तो आप भी उसमें अपना योगदान देना चाहते हैं पर जब आप टीम में नहीं होते हैं तो आपको लगता है कि मुझे खेलना चाहिए था। हालांकि टीम संयोजन को देखते हुए खिलाड़ी को समझना पड़ता है कि उन्हें क्यों बाहर रखा गया है। चाइनामैन गेंदबाज ने कहा कि यह बहुत जरुरी है कि कप्तान आपकी मेहनत को किस तरह देख रहा है। अजिंक्या रहाणे और टीम प्रबंधन के लिए भी ऑस्ट्रेलिया दौरे में मुझे अंतिम एकादश में शामिल नहीं करने का फैसला कठिन रहा होगा लेकिन मेरी प्रक्रिया और काम में कोई बदलाव नहीं आया।

भारत और इंग्लैंड के बीच पहला टेस्ट आज से

चेन्नई। भारत और इंग्लैंड के बीच शुक्रवार से चार टेस्ट मैचों की सीरीज का पहला टेस्ट मैच शुरू होगा। इस मैच में दोनो ही टीमें जीत की दावेदार के तौर पर उतरेंगी। मेजबान भारतीय टीम जहां ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सीरीज में मिली जीत से उत्साहित है। वहीं मेहमान टीम भी श्रीलंका में सीरीज जीतने के बाद यहां आई है। इंग्लैंड टीम के कप्तान जो रुट ने श्रीलंका में दो शतक लगाये थे और वह सही सिलसिला इस दौरे में भी बरकरार रखना चाहेंगे। रूट अपना 100वां टेस्ट मैच खेलेंगे। उनके पास वर्तमान समय के सबसे मजबूत तेज गेंदबाजी आक्रमण के रुप में जोफ्रा आर्चर और सर्वश्रेष्ठ आलराउंडर बेन स्टोक्स जैसे खिलाड़ी हैं। वहीं भारतीय टीम के कप्तान विराट कोहली भी इस सीरीज में शानदार वापसी करना चाहेंगे। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ विराट पहले टेस्ट के बाद स्वदेश लौट गये थे। इस सीरीज में जीतकर दोनो ही टीमें आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) के फाइनल में जगह बनाना चाहेंगी। भारतीय टीम ने विराट के बिना भी अपने युवा खिलाड़ियों के सहारे ऑस्ट्रेलिया में जीत दर्ज की थी। इससे भी टीम का मनोबल बढ़ा हुआ है। इसके साथ ही सभी युवा खिलाड़ी अच्छा खेल रहे हैं। ऐसे में इस सीरीज में दोनो टीमों के बीच रोमांचक संघर्ष होना तय है।

इंग्लैंड के पास रूट के रूप में ऐसा बल्लेबाज है जो जानता है कि उपमहाद्वीप की पिचों पर स्पिनरों का कैसे सामना करना है। श्रीलंका में हाल में 2 बड़े शतक बनाकर उन्होंने इसे साबित किया था। वहीं जेम्स एंडरसन और स्टुअर्ट ब्रॉड जैसे गेंदबाज भारतीय टीम के सलामी बल्लेबाज रोहित शर्मा के धैर्य और शुभमन गिल की तकनीक की परीक्षा लेने के लिए तैयार हैं। आर्चर अपनी शार्ट पिच गेंदों से भारतीय बल्लेबाजों को परेशान करने का कोई अवसर नहीं छोड़ेगे। अगर पुरानी गेंद रिवर्स स्विंग लेती है तो बेन स्टोक्स उसका फायदा उठाना चाहेंगे। वहीं भारतीय टीम इस सीरीज को लेकर कितनी गंभीर है इसका अंदाजा टीम के उप कप्तान अजिंक्य रहाणे के इस बयान से मिलना है जिसमें उन्होंने कहा है कि ऑस्ट्रेलिया में मिली जीत अब अतीत की बात है और हम इंग्लैंड की टीम का पूरा सम्मान करते हैं। ऑस्ट्रेलिया में जीत के कारण इंग्लैंड के खिलाफ किसी तरह की आत्ममुग्धता में टीम नहीं रहेगी। ऑस्ट्रेलिया की तेज पिचों पर ठोस बल्लेबाजी के बाद अब भारतीयों को चेन्नई की लाल मिट्टी वाली धीमी पिच से तालमेल बिठाना होगा। चेन्नई की पिच में पहले दिन उछाल होता है लेकिन तीसरे दिन से यह स्पिनरों को मदद देना शुरू कर देती है। ऑस्ट्रेलिया में अच्छी बल्लेबाजी करने वाले चेतेश्वर पुजारा इस तरह की पिचों पर बड़े स्कोर खड़ा करना चाहेंगे क्योंकि यहां गेंद लगातार कमर के ऊपर नहीं जाती है। भारतीय बल्लेबाजों को इंग्लैंड के धीमी गति के गेंदबाजों के सामने खेलने में अधिक परेशानी नहीं आनी चाहिए। इंग्लैंड के दोनों स्पिनरों डॉम बेस और जैक लीच को भारत के बल्लेबाजों को गेंदबाजी करने का अनुभव नहीं है। ऐसे में जब गेंद पुरानी हो जाएगी तब ऋषभ पंत जैसे आक्रमक बल्लेबाज उनको करारा जवाब देने के लिए रहेंगे। खबर लेंगे। भारतीय टीम को अगर डब्ल्यूटीसी फाइनल में जगह बनाकर लाड्र्स में न्यूजीलैंड का सामना करना है तो उसे अच्छे गेंदबाजी संयोजन के साथ उतरना होगा। वहीं भारतीय टीम के मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह का यह घरेलू धरती पर पहला टेस्ट मैच होगा जबकि वह 2018 में ही टेस्ट क्रिकेट में पदार्पण कर चुके हैं।

कनिका कपूर ने रिलीज किया अपना नया गीत 'लॉन्ग नाइट्स'

गायिका कनिका कपूर ने अपने लेबल के तहत अपना नया संगीत जारी किया है। उन्होंने लोगों से स्वतंत्र कलाकारों और संगीत का समर्थन करने का आग्रह किया है। 'लॉन्ग नाइट्स' गीत कनिका कपूर संगीत के लेबल के तहत पहला ट्रैक है। ट्रैक सुरिंदर कौर की शैली से प्रभावित है, जो एक लोकप्रिय पंजाबी लोक गायक हैं। आधुनिक आर एंड बी-प्रेरित ड्रमों पर एक गिटार के टुकड़े का उपयोग ट्रैक की ताजगी में जोड़ता है। डीजे हार्पज के संगीत के साथ 'लॉन्ग नाइट्स'को कनिका और अमर संधू ने गाया है। कनिका ने कहा कि मैं व्यक्तिगत रूप से इस गीत को अपनी आत्मा और उछाल देते हुए स्वर और आधुनिक संगीत के बीच संतुलन और खेल से प्यार करती हूं। मैंने लॉकडाउन के दौरान इस ट्रैक पर काम किया। आप मेरी नई रिलीज से आने वाली कुछ नई ध्वनियों की उम्मीद कर सकते हैं। हमें उम्मीद है कि आप इसे पसंद करेंगे। स्वतंत्र कलाकारों और स्वतंत्र संगीत का समर्थन करते रहें।

मुझे फिल्म के लिए प्रशंसा के अलावा कुछ नहीं मिलाः अलाया फर्निचरवाला

मुंबई। बॉलीवुड में एक साल पूरे होने पर बॉलीवुड एक्ट्रेस अलाया फर्निचरवाला ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट इमेज के साथ एक पोस्ट शेयर किया है। पोस्ट में अलाया ने लिखा है, ह्यमेरा मानना है कि मेरी पहली फिल्म के बारे में जो सबसे अच्छी बात थी, वह ये है कि, 'जवानी जानेमन' मेरी डेब्यू मूवी थी। पिछले एक साल में, मुझे फिल्म के लिए प्रशंसा के अलावा कुछ नहीं मिला है और मैं वास्तव में इसके लिए धन्य महसूस कर रही हूं। अलाया ने कहा कि मैं इस फिल्म में एक आदर्श बेटी की भूमिका निभाती हूं, जो कि एक किशोरी बेटी की भूमिका में है। बस यह किरदार ऐसा था, जिसे मैं वास्तव में निभा सकती थी, मैं रियल लाइफ में वैसी हूं, जैसा फिल्म में टिया का कैरेक्टर है। अलाया ने आगे कहा कि, ह्यमेरे लिए पूरी शूटिंग का एक्सपीरियंस 'अद्भुत' था क्योंकि मैं अनुभवी एक्टर सैफ अली खान सर और तब्बू मैम के साथ काम कर रही थी, जो सही मार्गदर्शक थे। मेरे प्रदर्शन के लिए मुझे जो आलोचनात्मक प्रशंसा मिल रही है उस पूरी प्रक्रिया में दोनों ने मेरी मदद की है। मैं इस अनुभव को हमेशा के लिए संजोए रखूंगी। अलाया शूटिंग के सेट पर वापसी करने के लिए बहुत उत्सुक हैं। एक्ट्रेस ने बताया 'मैं वास्तव में अभी शूटिंग के सेट को याद कर रही हूं, और मैं अब और अधिक पात्रों को दर्शकों तक लाने का इंतजार नहीं कर सकती।

लॉकडाउन के दौरान, उन्होंने एक अभिनेता के रूप में अपने कौशल को सुधारने और सम्मानित बनाने के लिए अपना समय का सदुपयोग किया। वे इन दिनों स्क्रिप्ट भी पढ़ भी रही है, मास्टर क्लास और वर्कशॉप भी ले रही हैं। अलाया ने सोशल मीडिया पर अपनी पहली फिल्म 'जवानी जानेमन' में काम करने को याद किया, जो एक साल पहले रिलीज हुई थी।

'द गर्ल ऑन द ट्रेन' में मेरे काम को जिस तरह का रिस्पॉन्स मिल रहा है, उसे देख कर मैं खुश हूं। इस किरदार को जिंदा करने के लिए मैंने अपना खून, पसीना और आंसू बहाए हैं तथा अपनी लाइफ की सबसे दर्दनाक यादों से काम लिया है।

परिणीति चोपड़ा ने 'द गर्ल ऑन द ट्रेन' को लेकर खोला राज

सेट पर फूट-फूटकर रोई हूं...

नई दिल्ली। परिणीति चोपड़ा जल्द ही 'द गर्ल ऑन द ट्रेन' फिल्म में नजर आने वाली हैं। इस फिल्म को इसी नाम से बेस्टसेलर किताब पर बनाया गया है। दिलचस्प यह है कि इस किताब पर हॉलीवुड में भी फिल्म बन चुकी है जिसमें एमिली ब्लंट ने लीड किरदार निभाया था। परिणीति ने फिल्म को लेकर बताया है कि इस रोल को निभाने के लिए किस तरह से उनको अपनी जिंदगी के दर्दनाक अनुभवों से दोबारा गुजरना पड़ा और कैसे इस किरदार ने उनको निचोड़ कर रख दिया है। परिणीति चोपड़ा कहती है, 'द गर्ल ऑन द ट्रेन' में मेरे काम को जिस तरह का रिस्पॉन्स मिल रहा है, उसे देख कर मैं खुश हूं। इस किरदार को जिंदा करने के लिए मैंने अपना खून, पसीना और आंसू बहाए हैं तथा अपनी लाइफ की सबसे दर्दनाक यादों से काम लिया है। मुझे याद नहीं आता कि इस फिल्म के सेट पर मैं कितनी बार फूट-फूटकर रोई हूं, क्योंकि मैं उन यादों को कुरेद रही थी, जिन्हें मैंने जानबूझकर अपने दिलोदिमाग के भीतर कहीं बहुत गहरे दफन कर दिया था।'

एक्ट्रेस का मानना है कि वह अपनी जिंदगी के इन दर्दनाक अध्यायों को कभी खोलना ही नहीं चाहती थीं। परिणीति चोपड़ा बताती हैं, 'मैं उन घटनाओं और मसलों को दोबारा कभी अपने खयालों में भी नहीं लाना चाहती थी लेकिन इस फिल्म के लिए मुझे यह करना पड़ा। फिल्म की शानदार स्क्रिप्ट पढ़ने के बाद मुझे अहसास हुआ कि इस किरदार को निभाने के लिए मुझे अपने दफन हो चुके अतीत की बफीर्ली दरारों में गहराई तक उतरना होगा। अपनी निजी जिंदगी में झेले गए दर्द का फिर से सामना करना होगा, तभी इस लड़की (मीरा) के किरदार और उसके सफर को स्क्रीन पर असरदार और प्रामाणिक ढंग से पेश किया जा सकता है।'

फिल्म में परिणीति चोपड़ा एक गुमनाम तलाकशुदा अल्कोहोलिक महिला की भूमिका निभा रही हैं, जो ट्रेन में सवार होती है और एक गुमशुदा व्यक्ति की तलाशवाली जांच-पड़ताल में उलझ जाती है; नतीजतन कई गहरे राज खुलने लगते हैं। खैर, परिणीति इस बात से खुश हैं कि स्क्रीन पर असरदार तरीके से अपना किरदार अदा करने वाली उनकी भावनात्मक यात्रा को चौतरफा सराहा जा रहा है। वह कहती हैं, 'लगता है कि मैंने जितने भी आंसू बहाए, जितना लंबा इंट्रोस्पेक्शन किया, उसका सुफल मिल रहा है, क्योंकि लोगों ने हमारी फिल्म और मेरी पर्फॉर्मेंस को जितना भी अभी देखा है, उसे बेहद पसंद किया है। मैं उनको अपनी फिल्म दिखाने और दिल से किए गए अपने इस काम के बारे में उनकी प्रतिक्रिया देखने को बेताब हूं। 'द गर्ल ऑन द ट्रेन' का एक डायरेक्ट-टू-डिजिटल प्रीमियर 26 फरवरी को नेटफ्लिक्स पर होगा। इस फिल्म को रिभु दासगुप्ता ने निर्देशित किया है।

किसान आंदोलन में टांग अड़ाना रिहाना-ग्रेटा को पड़ा भारी

नई दिल्ली। पॉप स्टार रिहाना, ग्रेटा थनबर्ग समेत दुनियाभर की कई सेलिब्रिटीज के किसान आंदोलन का समर्थन करने पर भारत की मशहूर हस्तियों ने करारा जवाब दिया है। इन हस्तियों में राजनेता, बॉलीवुड इंडस्ट्री के कलाकार, क्रिकेटर्स आदि शामिल हैं। इसके अलावा, भारतीय विदेश मंत्रालय ने भी दो टूक कहा है कि किसी भी मुद्दे पर कोई कॉमेंट करने से पहले तथ्यों की जांच की जानी चाहिए। दरअसल, रिहाना द्वारा सीएनएन का किसान आंदोलन से जुड़ा एक लेख ट्वीट किए जाने के बाद कई अन्य सेलिब्रिटीज ने भी किसानों के सपोर्ट में ट्वीट किए थे। पॉप स्टार ने सबसे पहले ट्वीट करके लिखा था, 'हम इस बारे में क्यों नहीं बात कर रहे हैं? हैशटैग फार्मर प्रोटेस्ट।' सीएनएन के लेख में लिखा गया था कि किसानों और पुलिस की झड़प के बीच नई दिल्ली के आसपास भारत ने इंटरनेट बंद किया। इस ट्वीट के बाद ट्विटर पर वे काफी समय तक ट्रेंड भी करती रहीं। इसके बाद, आज सुबह से ही उन्हें विभिन्न जगत की हस्तियों ने बिना नाम लिए खूब सुनाया। यहां हम आपको उन हस्तियों के बारे में बताने जा रहे हैं, जिन्होंने इन विदेशी हस्तियों को करारा जवाब दिया है राजनैतिक जगत से रिहाना-ग्रेटा आदि को जवाब देने वालों में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, निर्मला सीतारमण, जेपी नड्डा आदि शामिल हैं। अमित शाह ने ट्वीट कर लिखा है कि कोई प्रोपेगेंडा भारत की एकता को नहीं तोड़ सकता है। कोई प्रोपेगेंडा भारत को ऊंचाइयां प्राप्त करने से नहीं रोक सकता। भारत का भाग्य कोई प्रोपेगेंडा नहीं, केवल प्रगति तय करेगा। प्रगति के लिए भारत एक है और साथ है। जेपी नड्डा ने जवाब देते हुए कहा कि हम सब साथ हैं। भारत के खिलाफ दुष्प्रचार करने और देश की गलत तस्वीर पेश करने के खिलाफ हम सब एकजुट हैं। सदानंद गौड़ा ने जवाब देते हुए कहा कि विस्तृत चर्चा और बहस के बाद भारतीय संसद ने सुधारवादी कृषि कानून पारित किए। लेकिन निहित स्वार्थों ने प्रचार करके किसान समुदाय के एक छोटे से वर्ग को अपने एजेंडे को आगे बढ़ाने के लिए गुमराह किया।

क्रिकेटर्स धोबी का कुत्ता घर का ना घाट का जैसे क्यों साउंड कर रहे हैं

कंगना रनौत ने किसान आंदोलन पर अब क्रिकेटर रोहित शर्मा को घेरा

मुंबई। किसान आंदोलन के खिलाफ कंगना रनौत का अभी तक ऐक्टर्स से ट्वीट वॉर चल रहा था, अब उन्होंने क्रिकेटर्स पर भी निशाना साधा है। रोहित शर्मा के एक ट्वीट को कोट करते हुए उन्होंने क्रिकेटर्स की तुलना 'धोबी के कुत्ते' से की है। किसान आंदोलन पर कंगन लगातार सोशल मीडिया पर मोर्चा संभाले हुए हैं। बॉलिवुड सिलेब्स लंबे वक्त से उनके निशाने पर हैं। इंटरनैशनल पॉप सिंगर रिहाना के ट्वीट के बाद किसान आंदोलन की पूरी दुनिया में चर्चा हो रही है। अक्षय कुमार, अजय देवगन सहित कई ऐक्टर्स ने भारत के लोगों से एकजुट रहने की अपील की है। क्रिकेटर्स के भी ऐसे ट्वीट्स सामने आए हैं।

अब रोहित शर्मा के एक ट्वीट पर कंगना ने ट्वीट किया है, सारे क्रिकेटर्स धोबी का कुत्ता ना घर का ना घाट का जैसे क्यों साउंड कर रहे हैं? किसान ऐसे कानूनों के खिलाफ क्यों होंगे जो उनकी भलाई के लिए हैं। ये आतंकी हैं जो बवाल मचा रहे हैं, कह दो ना इतना डर लगता है? कंगना के इस ट्वीट को ट्विटर ने डिलीट कर दिया है। रोहित शर्मा ने ट्वीट किया था, भारत हमेशा तब मजबूत हुआ है जब हम सब एकजुट होकर रहे हैं और समाधान निकालना वक्त की मांग है। हमारे किसान हमारे राष्ट्र की भलाई में बहुत अहम रोल निभाते हैं और मुझे यकीन है कि हर कोई समाधान निकालने में अपना रोल बखूबी निभाएगा।

दोस्तों और बच्चों के साथ पतंग उड़ाती नजर आयी सुष्मिता सेन

सुष्मिता सेन और उनके बॉयफ्रेंड रोहमन शॉल अक्सर अपने जीवन की झलकियों को इंस्टाग्राम पर अपने प्रशंसकों के साथ साझा करते हैं। उनकी छुट्टियों की तस्वीरें हों या घर पार्टीज, वे हमेशा अपनी चीजों को शेयर करते दिखाती देते हैं। हाल ही दोनों ने अपने धर की छत पर पतंग उड़ाने में एक मजेदार शाम बिताई और सुष्मिता सेन ने मजेदार

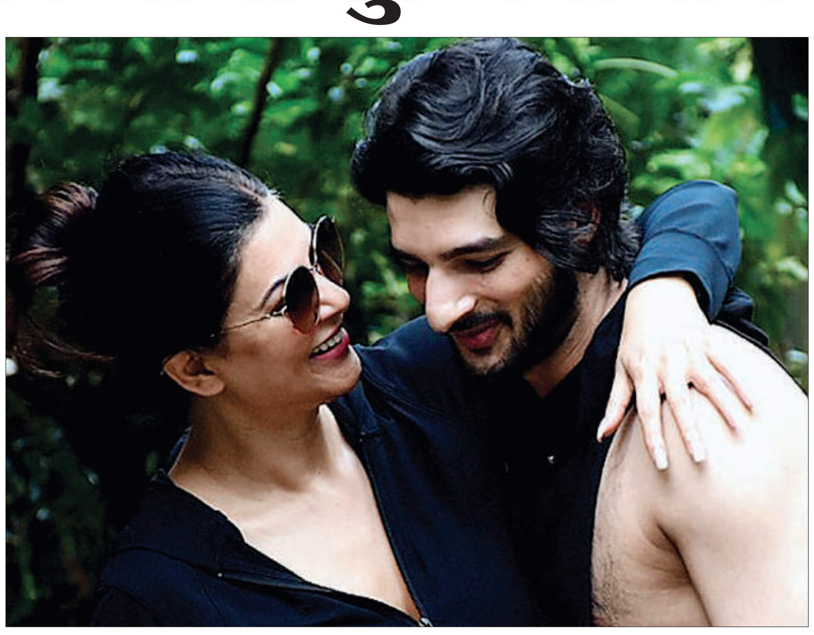

शाम की एक वीडियो सोशल मीडिया पर पोस्ट की। रोहमन शॉल कैमरे के पीछे है वो सुष्मिता सेन की पतंग उड़ाते हुए वीडियो बना रहे हैं। सुष्मिता सेन ने साझा किए गये वीडियो के जरिए यह बनाने की कोशिश की है कि कैसे वह अपने नये वीडियो के माध्यम से अपने निकट और प्रियजनों के साथ जीवन की छोटी खुशियों का आनंद लेती हैं। वीडियो में सुष्मिता सेन अपनी बेटियों अलिसाह और रेनी और प्रेमी रोहमन शॉल इसके अलावा उनके आस-पास के दोस्तों के साथ पतंग उड़ाती नजर आ रही हैं। वीडियो को शेयर करते हुए उन्होंने अपने आपको 'ब्रह्मांड में सबसे खुश लड़की' कहा। 4 जनवरी को रोहमन शॉल के जन्मदिन पर, सुष्मिता सेन ने उन्हें सबसे प्यारे तरीके से बधाई दी। कपल ने अपने रिश्ते के बारे में बात करते हुए अपने संबंध को 'रूह से रूह तक' के रूप में वर्णित किया। दोनों की प्यार करने वाली तस्वीरों को साझा करते हुए, अभिनेत्री ने पोस्ट को कैप्शन दिया, 'जन्मदिन मुबारक हो, मेरे बाबू रोहमन शॉल... रूह से रूह तक ... भगवान आपको हमेशा आशीर्वाद दें हमेशा आपके स्वास्थ्य और खुशी के लिए है! हम बर्थडे बॉय से प्यार करते हैं।

सुष्मिता सेन और रोहमन शॉल दो साल से डेट कर रहे हैं। काम के मोर्चे पर, सुष्मिता को आखिरी बार वेब-श्रृंखला आर्या में देखा गया था, जो डिज्नी+हॉटस्टार पर रिलाज हुई थी। उन्होंने घोषणा की कि आर्या का दूसरा सीजन जल्द ही आने वाला है।

एकता 'वैरायटी 500' में जगह बनाने में कामयाब

'कंटेंट क्वीन' हुई चौथे वार्षिक संस्करण में शामिल

मुंबई। छोटे परदे के सीरीयल निमार्ता एकता कपूर 'वैरायटी 500' में जगह बनाने में कामयाब हो गई है। एकता कपूर

ओपरा विन्फ्रे, जेफ बेजोस, मार्क जुकरबर्ग, स्टीवन स्पीलबर्ग, लियोनाडरे डि कैप्रियो, बियॉन्से और टिम कुक जैसे लोगों के साथ 'वैरायटी 500' के चौथे वार्षिक संस्करण में शामिल हो गयी हैं। इस अत्यधिक प्रतिष्ठित सूची में भारत के अन्य नामों में अक्षय कुमार, मुकेश अंबानी, आमिर खान, रोनी स्क्रूवाला, किशोर लुल्ला, सिद्धार्थ रॉय कपूर और कलानिथी मरन शामिल हैं। यह वैश्वक मीडिया उद्योग को आकार देने वाले 500 सबसे प्रभावशाली व्यावसायिक लीडर का एक इंडेक्स है।

इंडियन सोप ओपेरा का व्यावहारिक रूप से आविष्कार करने के साथ उन्होंने भारतीय टेलीविजन को परिभाषित किया है और अब ऑल्ट बालाजी के साथ वह लोकल स्ट्रीमिंग मार्केट में भी छाई हुई हैं। पद्म श्री पुरस्कार विजेता एकता दक्षिण एशिया की सबसे बड़ी टीवी कंटेंट क्रिएटर हैं, जिन्होंने सोप ओपेरा से लेकर रियलिटी शो और फिल्मों तक हर क्षेत्र में बेहतरी से काम किया है। उनके ऑल्ट बालाजी ने भारत के '100 सबसे प्रशंसित ब्रांड्स 2020' की अभिजात्य सूची में जगह बनाने में कामयाब रही है और पिछले एक साल में केवल टीवी के 800 से अधिक घंटे बनाने में सफल रही हैं। ऐसे में दुनिया के कुछ सबसे प्रभावशाली नामों में उनका शामिल होना एक जाहिर सी बात है, जिन्होंने मीडया उद्योग में अपनी एक रचनात्मक और व्यावसायिक छाप छोड़ दी है।

अलग अंदाज में नजर आएंगे विनोद यादव

फिल्म 'गुंडा' से चर्चित हुए अभिनेता विनोद यादव जल्द ही एक वेब सीरिज में नजर आने वाले हैं। अन्नी फिल्मस प्रोडक्शन के बैनर तले बनने वाली वेब सीरीज में विनोद एक अलग तरह की भूमिका में नजर आएंगे। विनोद यादव ने बताया कि वह जल्द ही बॉलीवुड के एक जानेमाने निर्देशक के साथ एक वेब सीरीज करने जा रहे हैं। यह वेब सीरीज एक्शन से भरपूर होगी। उन्होंने कहा कि इसमें उनका लीड किरदार काफी शानदार होने वाला है और वे इस किरदार को निभाने के लिए काफी मेहनत कर रहे हैं। आमिर खान को अपना आदर्श मानने वाले अभिनेता विनोद इस वेब सीरीज में अपने शरीर को रोल की मांग के मुताबिक ढालने में लगे हैं। इस वेब सीरीज पर ज्यादा खुलासा नहीं करते हुए उन्होंने कहा कि यह सीरीज अब तक आई हुई सभी वेब सीरीजों से अलग होगी, जो दर्शकों को पूरा मनोरजंन करेगी।